शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तीन दिवसीय 87वां अखिल भारतीय कन्नड़ साहित्य सम्मेलन शुरू @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 21 दिसंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-351

कांग्रेस के नेताओं को 1946 का जवाहरलाल नेहरू का पत्र पढ़ना चाहिए

नेहरू ने अंबेडकर की देशभक्ति पर उठाया था सवाल

पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस पार्टी और उसके नेता बाबा साहेब अंबेडकर के प्रति अपना अतिशय प्रेम दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे जता रहे हैं कि जैसे उनके अतिरिक्त बाबा साहेब का कोई सम्मान ही नहीं करता। जबकि असलियत और प्रदर्शन दोनों एक दूसरे के विपरीत है। संविधान पर बहस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जो कुछ कहा उसका प्रसंग कुछ और है, लेकिन कांग्रेस उसे तोड़ मरोड़ कर सियासत कर रही है। लेकिन कांग्रेस पार्टी उन कृत्यों को भूल जाती है जो उसने बाबा साहेब के प्रति किया था। बाबा साहेब के प्रति कांग्रेस और उसके नेता जवाहरलाल नेहरू द्वारा किए गए अपमान के तो प्रामाणिक दस्तावेज मौजूद हैं, जिस पर कांग्रेस को सियासत करने के बजाय सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए और अपने गलत कृत्यों के लिए प्रायश्चित करना चाहिए।

शुभ-लाभ विमर्श

जवाहर लाल नेहरू का वह पत्र भी सार्वजनिक फोरम पर है, जिसमें उन्होंने बाबा साहेब अंबेडकर की देशभक्ति और देश के प्रति उनकी वफादारी को लेकर संदेह जताया था। उस पत्र को सामने रख कर कांग्रेस के मौजूदा नेता यह कैसे कह सकते हैं कि उनके मन में बाबा साहेब के प्रति अतिशय सम्मान और प्रेम है? यह गंभीर सवाल सामने है, जिसका जवाब देश सुनना चाहता है। जवाहरलाल नेहरू का संदर्भित पत्र अमृत कौर के नाम है, जो नेहरू ने 20 जनवरी 1946 को लिखा था।

My dear Amrit,
I have received two or three letters' from you. As for Mayer's letter, I sent it merely for Bapu's information. There is nothing to be done about it.

I quite agree with you about this business of using blood for writing and *tilcik* marks." I have protested repeatedly.

Nan is now due to arrive here early next week. But I shall not be certain till she actually comes.

You will have read about the violent attack on the Communists in Bombay. This is producing an intolerable situation. I have said something about it, I hope Bapu will take this matter in hand.

About the gentleman named Rai Sahib Sonadhar Das Senapati at Shillong and the report of the conversation between him and me, 1 am not aware of the name of the person but someone did meet me and irritated me exceedingly by his stupidity. The report as given is very incorrect, lie asked me why the Congress should not go to Ambedkar and make it up with him. I told him that we are going to do nothing of the kind. Ambedkar had repeatedly insulted the Congress and Congress leaders and unless he apologised we would have nothing to do with him. I certainly did not say that the scheduled castes would not get the political privileges given to them under the Poona Pact. My whole stress was on the fact that Ambedkar had allied himself with the British Government and against the Congress and we could not deal with him

यह पत्र नेहरूसेलेक्टेडवर्क्स.कॉम पर उपलब्ध है, कोई भी उसे पढ़ सकता है। राहुल गांधी को पढ़ने-लिखने से कोई मतलब नहीं, लेकिन संविधान पॉकेट में रखने और अंबेडकर के प्रति सम्मान दिखा कर सांसदों को धक्का देने के पहले उन्हें अपने पूर्वज नेहरू का वह पत्र पढ़ लेना चाहिए था।

अनुच्छेद 370 को लेकर भी किया था बाबा साहेब का अपमान

उक्त पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने बाबा साहेब के बारे में चर्चा करते हुए लिखा था, मुझसे पूछा गया कि आखिर कांग्रेस क्यों अंबेडकर के पास नहीं जाती और उनसे सुलह कर लेती। मैंने उनसे कहा कि कांग्रेस ऐसा कुछ नहीं करने वाली। अंबेडकर ने लगातार कांग्रेस और कांग्रेस नेताओं का अपमान किया है। जब तक वह माफी नहीं मांगते तब तक कांग्रेस का उनसे कोई ▶10पर

कांग्रेस के अभद्र आचरणों का इतिहास लेकर संसद स्थगित हुई

सांसदों को धक्का देने पर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)।

बाबा साहेब अंबेडकर के प्रति अतिशय प्रेम प्रदर्शित करने के प्रहसन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिन दो सांसदों को धक्का देकर गिरा दिया, वह मामला अब आपराधिक मुकदमे के रूप में दर्ज हो गया है। राहुल गांधी के धक्के से नीचे गिरे दोनों सांसदों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। राहुल गांधी के खिलाफ कई संगीन धाराओं में एफआईआर दर्ज हुई है। इन धाराओं के तहत राहुल गांधी की गिरफ्तारी भी हो सकती है। कानून के जानकारी कहते हैं कि जिन धाराओं में एफआईआर हुई है, उसमें राहुल गांधी को सात साल की सजा भी हो सकती है।

बाद में कांग्रेस पार्टी ने भी दर्ज कराई काउंटर एफआईआर

राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की नोटिस दाखिल

गृहमंत्री अमित शाह के बयान का एक अंश लेकर इंडी गठबंधन के सांसदों ने संसद परिसर में अंबेडकर प्रतिमा के पास से मकर द्वार तक मार्च निकाला था। वहां पर पहले से ही भाजपा सांसदों का विरोध प्रदर्शन जारी था। उसी स्थल पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जबरन घुसने की कोशिश की और वहां भाजपा सांसदों के साथ धक्कामुक्की की। इस धक्कामुक्की में भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत नीचे गिर गए और उन्हें काफी चोट आई। उन्हें व्हीलचेयर पर संसद से बाहर ले जाते हुए देखा गया। सारंगी ने कहा कि राहुल गांधी ने संसद की सीढ़ियों के पास खड़े एक अन्य भाजपा सांसद मुकेश राजपूत को उनके ऊपर धक्का दिया। इससे सारंगी और राजपूत दोनों ही सीढ़ियों से नीचे गिर पड़े। जख्मी हुए दोनों सांसदों को आरएमएल अस्पताल ले जाया गया। प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत फिलहाल राम मनोहर लोहिया अस्पताल में ही भर्ती हैं।

राहुल और कांग्रेस ने कहा कि सांसद, नेता विपक्ष को संसद भवन में प्रवेश करने से रोक रहे थे। उन्होंने संसद के बाहर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह आपके कैमरे में हो सकता है। मैं संसद के प्रवेश द्वार से अंदर जाने की कोशिश कर रहा था, भाजपा सांसद मुझे रोकने, धक्का देने और धमकाने की कोशिश कर रहे थे। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि भाजपा सांसदों ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन ▶10पर

उपराष्ट्रपति का नाम गलत लिखा, 14 दिन की सीमा भी पूरी नहीं

राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष द्वारा पेश अविश्वास प्रस्ताव खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि इसमें गंभीर खामियां हैं और यह उपराष्ट्रपति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए जल्दबाजी में लाया गया। हरिवंश ने कहा कि धनखड़ के खिलाफ महाभियोग नोटिस का मकसद देश की संवैधानिक संस्था को नुकसान पहुंचाना है। लिहाजा, इसे

विपक्ष का इरादा देश की संवैधानिक संस्था का अपमान करना था

खारिज किया जाना चाहिए।राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने नोटिस के बारे में कई खामियां भी बताईं। नोटिस को बिल्कुल बेतरतीब तरीके से तैयार किया गया था। इसमें कई गलतियां थीं। जिनके खिलाफ नोटिस लिखी गई, उनका नाम भी गलत लिखा गया। पूरी याचिका में उपराष्ट्रपति के नाम की स्पेलिंग गलत लिखी गई है। साथ ही संबंधित दस्तावेज भी संलग्न नहीं किए गए। यह काफी हैरान करने वाला है कि इस नोटिस को केवल सभापति की छवि खराब करने के इरादे से तैयार किया गया। उपसभापति हरिवंश ने नोटिस को खारिज करते हुए यह भी कहा कि नोटिस का फॉर्मेट भी सही नहीं है। संविधान के आर्टिकल 90 (सी) के अनुसार किसी भी प्रस्ताव को लाने के लिए 14 दिन पहले ही नोटिस देना होता है। लेकिन संसद का शीतकालीन सत्र केवल 20 दिसंबर तक ही चलना है। ऐसे में दिया गया नोटिस मंजूर नहीं है। ▶10पर

मणिपुर, नागालैंड और मिजोरम में लागू हुआ 13 साल पुराना नियम

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में विदेशियों के प्रवेश पर रोक

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल ही में मणिपुर में संरक्षित क्षेत्र परमिट (पीएपी) प्रणाली को फिर से लागू करने का निर्णय लिया है। इस कदम के पीछे मुख्य कारण पड़ोसी देशों से आ रही सुरक्षा संबंधी चुनौतियां हैं। गृह मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि इस निर्णय के बाद मणिपुर में विदेशी नागरिकों की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी, और उन्हें विदेशी (संरक्षित क्षेत्र) आदेश 1958 के तहत पीएपी प्राप्त करना होगा। गृह मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि सिर्फ मणिपुर ही नहीं, बल्कि नागालैंड और मिजोरम में भी यह संरक्षित क्षेत्र परमिट प्रणाली लागू की जाएगी। इस कदम से इन राज्यों में सुरक्षा बढ़ाने का उद्देश्य है, क्योंकि इन क्षेत्रों में बाहरी तत्वों के घुसने से कानून-व्यवस्था की स्थिति ▶10पर

जनरल बिपिन रावत की संदेहास्पद मौत की जांच हुई या लीपापोती?

हादसे को मानवीय भूल बता कर 'केस-क्लोज़'

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)।

देश के प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत समेत कई सेनाधिकारियों की संदेहास्पद मौत का मामला अब रहस्य के अंधेरे में ही दफन रह जाएगा। हेलीकॉप्टर दुर्घटना की जांच में मामले की लीपापोती कर दी गई और हादसे को मानवीय भूल बताकर संवेदनशील प्रकरण का ढक्कन बंद कर दिया गया। मामले की जांच करने वाली संसदीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में यही कारण बताया है। रक्षा संबंधी स्थायी समिति ने यह जानकारी संसद को दी।

उल्लेखनीय है कि 8 दिसंबर 2021 को तमिलनाडु के कुन्नूर में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना में देश के प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत और 13 अन्य लोगों की मौत हो गई थी। दुर्घटना की जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि इस दुर्घटना का कारण मानवीय भूल थी। जांच में पाया गया कि खराब मौसम और पायलट द्वारा

की गई चूक से यह दुर्घटना हुई।

8 दिसंबर 2021 को जनरल बिपिन रावत एवं अन्य लोगों को लेकर हेलीकॉप्टर सुलूर एयर बेस से दिन के 11:48 बजे उड़ा। उसे महज 24 मिनट बाद 12:15 पर गोल्फ कोर्स पर लैंड करना था। इसी बीच हेलीकॉप्टर का ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क भी टूट गया, दुर्घटना भी हो गई और जीवंत जनरल रावत दिवंगत भी हो गए। रिपोर्ट कहती है कि हेलीकॉप्टर ने कम ऊंचाई पर उड़ान भरी और बादल में घुसते ही अचानक आग की लपटों में घिर गई और सब कुछ समाप्त हो गई। देश के शीर्षस्थ सेनाधिकारी और अन्य बड़े अफसरों को कुछ मिनटों के लिए हेलीकॉप्टर पर ले जाने के लिए इतनी गैरजिम्मेदारी क्यों बरती गई, कम ऊंचाई पर हेलीकॉप्टर क्यों उड़ा, क्यों कुछ ही सेकंड में आग का गोला बन कर नीचे गिरा, इसकी गहराई से जांच करने के बजाय यह बता दिया गया कि मानवीय भूल हुई। बेहतरीन उड़ान अनुभवों से सुसज्जित पायलट से मानवीय भूल क्यों हुई या ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28^0
न्यूनतम : 23^0

50 हजार बांग्लादेशी और रोहिंग्या बनाए गए भारत के नागरिक

कोलकाता आओ, पासपोर्ट बनवाओ और नागरिक बन जाओ...

कोलकाता, 20 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत में अवैध रूप से घुसकर बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमों ने फर्जी पासपोर्ट बनवाए और यूरोपीय देशों तक पहुंच गए। इनमें इटली, फ्रांस सहित कई विकसित देश शामिल हैं। ऐसे लोगों की संख्या 50 हजार से अधिक बताई जा रही है। इस बात की जानकारी कोलकाता पुलिस ने विदेश मंत्रालय को दी है। फर्जी पासपोर्ट बनाने वाले गिरोह के पकड़े जाने के बाद इस बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ है।

कोलकाता पुलिस ने पिछले कुछ दिनों में ऐसे पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें डाकघर के दो संविदा कर्मचारी दीपंकर दास और दूसरा दीपक मंडल भी शामिल हैं। इस गिरोह का सरगना समरेश बिश्वास और उसका बेटा रिपन बिश्वास है। दोनों फिलहाल पुलिस की गिरफ्त में हैं। वहीं, जांच एजेंसियां इस मामले में कई डाकघरों के साथ-साथ पासपोर्ट सेवा केंद्रों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

पुलिस का अनुमान है कि इस पूरे फर्जीवाड़े में कई और लोग शामिल हो सकते हैं। एजेंसियों को आशंका है कि संविदा कर्मचारियों के अलावा भारतीय डाक विभाग के कुछ स्थायी कर्मचारियों भी इस रैकेट का

हिस्सा हो सकते हैं। खास करके बांग्लादेश के साथ राज्य की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से सटे वों से संचालित होने वाले डाक विभाग के केंद्र ज्यादा निगाह पर हैं। पुलिस को पता चला है कि पिछले कुछ महीनों में फर्जी पासपोर्ट गिरोह के सदस्यों ने बांग्लादेशियों को भारतीय बताकर 121 पासपोर्ट बनाए हैं। इनमें से 73 पासपोर्ट क्षेत्रीय पासपोर्ट प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए। बाकी 48 पासपोर्ट के बनने का इंतजार था। हालांकि, अब इन आवेदनों को खारिज कर दिया गया है। यहां स्थिति ऐसी है कि आतंकी भी आसानी से पासपोर्ट बनवा सकते हैं।

यह गिरोह भारत में अवैध रूप से आने वाले बांग्लादेशियों का सबसे पहले फर्जी दस्तावेज बनाता था। इनमें बांग्लादेशियों के नाम पर नकली मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड आदि प्रमुख दस्तावेज हैं। इन दस्तावेजों के आधार पर अन्य जरूरी दस्तावेज हासिल करते थे और उसे कोलकाता के विभिन्न क्षेत्रों में फर्जी पते से पासपोर्ट के लिए आवेदन करते थे। गिरोह का सरगना समरेश बिश्वास एक पासपोर्ट के लिए इन बांग्लादेशियों से दो से पांच लाख रुपए तक लेता था। गिरोह ने लगभग 30,000 बांग्लादेशियों और करीब 20 हजार रोहिंग्याओं के जाली पासपोर्ट तैयार किए थे। करीब 20 हजार लोगों के नाम मिले हैं। मालदा जिले में लोगों के भारी संख्या में पासपोर्ट बनने के बाद खुफिया एजेंसियों के कान खड़े हो गए। इस बीच जानकारी मिली कि मालदा में पिछले एक साल में ही 16,000 से अधिक पासपोर्ट बने हैं। पता चला कि मालदा के वैष्णवनगर, कालियाचक, हबीबपुर में भारत-बांग्लादेश सीमा पार करके कई बांग्लादेशी भारतीय पासपोर्ट बनवा रहे हैं।

दरअसल, पश्चिमी देशों में बांग्लादेशियों को आसानी से वीजा नहीं मिलता। इसलिए बांग्लादेशी भारतीय पासपोर्ट बनवाते हैं, ताकि वीजा के साथ-साथ वहां आसानी से नौकरी भी मिल जाए। ▶10पर

जीतो केकेजी जोन के बीजापुर चैप्टर पदाधिकारियों ने ली शपथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीजापुर के क्लोव होटल में आयोजित स्थापना समारोह में चैप्टर के पदाधिकारियों के साथ महिला व युवा विंग पदाधिकारियों ने भी शपथ ली। वर्ष 2024-26 के दो वर्ष के कार्यकाल हेतु आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह में एपेक्स श्रमण आरोग्यम अध्यक्ष रमेश हरण, केकेजी जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना, एपेक्स निदेशक पुष्पक जैन, युवा विंग अध्यक्ष रजत हार्डी, जोन उपाध्यक्ष संतोष पोरवाल, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, सचिव विनोद जैन, युवा विंग संयोजक भावेश नेतानी के साथ बेलगावी, हुब्बल्ली, होसपेट इत्यादि चैप्टर के जीतो प्रतिनिधि उपस्थित थे। नवकार मंत्र स्मरण से प्रारंभ हुए इस शपथ ग्रहण

समारोह में रमेश हरण ने धीरिश धर्मशी को अध्यक्ष एवं नरेंद्र ओसवाल को मुख्य सचिव पद की शपथ दिलायी। प्रवीण बाफना ने किरण संकलेचा को महिला विंग अध्यक्ष एवं सोनाली कोठारी को मुख्य सचिव पद तथा महिला विंग टीम को शपथ दिलायी।साथ ही रजत हार्डी ने अर्चित जैन को युवा विंग अध्यक्ष व अल्केश जैन को मुख्य सचिव पद की शपथ दिलायी। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने जीतो के तीन प्रमुख स्तंभों- सेवा, ज्ञान और आर्थिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपना विजन और रोडमैप प्रस्तुत किया, जिसमें चैप्टर को मजबूत करने और जीतो समुदाय के विकास में योगदान देने की उनकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर एपेक्स श्रमण आरोग्यम अध्यक्ष रमेश हरण ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि जीतो के पदाधिकारी के रूप में शपथ लेने से समाज के जरूरतमंदों की सेवा एवं जीतो सदस्यों के विकास की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, जिसे पूर्ण निष्ठा से निभाना होगा। जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना ने कहा कि जीतो आज उस मुकाम पर पहुंच गया है, जहां समाज का प्रत्येक जरूरतमन्द आशा भरी निगाहों से जीतो को देख रहा हैं और उनकी हर संभव सेवा करना जीतो की जिम्मेदारी है। जोन के मीडिया संयोजक सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार यह आयोजन बीजापुर और उसके बाहर समुदाय को एकजुट करने और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

कैंसर जागरूकता अभियान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के नेतृत्व में आयोजित कैंसर अवेयरनेस कार्यक्रम में जन जागृति अभियान के तहत विभिन्न राजनीतिक दलों से संवाद कर इसकी जानकारी प्रदान की गई।

इसके तहत विजयनगर विधायक कृष्णाप्पा, भाजपा के एच रविंद्र एवं वेंकटेश एवं विजयनगर पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर सचिन से मुलाकात कर कैंसर अवेयरनेस के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही सार्वजनिक तौर पर वीडियो बनाकर जन जागृति अभियान में सहभागिता दर्ज कराई गई। जिसमें उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन शैली एवं खान-पान में परिवर्तन लाना आवश्यक है।

हमें प्लास्टिक, अल्युमिनियम फ्वायल, किसी भी तरह के प्रिंटिग पेपर का उपयोग यथा संभव नहीं करना चाहिए। इससे हम कैंसर से होने वाले दुष्प्रभाव से बच सकते हैं। इसके अलावा रेस्टोरेंट, बेकरी, दुकानों, लारियों आदि पर भी कैंसर जागरूकता अभियान के तहत पर्चों का वितरण किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी को कैंसर जागरूकता अभियान के विषय में जानकारी देते हुए कैंसर के दुष्प्रभावों से बचने का उपाय बताया।

इस अवसर पर अणुविभा के राष्ट्रीय संयोजक राजेश चावत, मंत्री दीपिका गोखरू, उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया, ललित डागा और सुनीता पींचा आदि उपस्थित रहे।

स्कूल में खाद्य सामग्री का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरी नगर ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हुए रामनगर स्थित नम्मूरु सरकारी प्राइमरी स्कूल में हनुमानमल, संजय, मनोज बैद नोखा बेंगलूरु के सहयोग से राशन सामग्री का वितरण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नमस्कार महामंत्र के संगान के साथ हुआ।

अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। निवर्तमान अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने बताया कि उनके पास स्कूल से फोन

आया था कि वह बच्चों को पिकनिक ले जा रहे हैं, जिसके लिए उनको राशन सामग्री की आवश्यकता है। तब प्रायोजक परिवार के सहयोग से आटा, दाल, चावल, तेल, शक्कर आदि सामग्री उपलब्ध कराया गया। स्कूल प्राध्यापक ने उनकी जरूरत पर समान उपलब्ध करवाने के लिए तेयुप आर आर नगर का आभार जताया। इस अवसर पर परिषद् से अध्यक्ष एवं निवर्तमान अध्यक्ष ने अपनी उपस्तिथि दर्ज करवाई।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ श्री केन्डा कालेश्वरी देवी सेवा ट्रस्ट यशवंतपुर द्वारा आयोजित 21वें करगा उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरीत की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

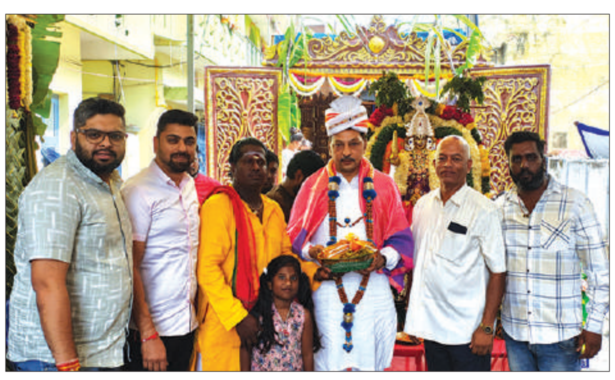

दक्षिण पश्चिम रेलवे की जेडआरयूसीसी बैठक आयोजित

विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे में जोनल रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति की 24वीं बैठक शुक्रवार को रेल सौधा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महाप्रबंधक अरविन्द श्रीवास्तव ने की।

यह बैठक सभी रेलवे हितधारकों के साथ बेहतर प्रतिनिधित्व और परामर्श के लिए बुलाई गई थी। बैठक में यात्री सुविधाओं, ट्रेन सेवा और बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित मुद्दों और चिंताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। महाप्रबंधक अरविन्द श्रीवास्तव ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और 2024-25 में दपरे की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। साथ ही त्योहार और छुट्टियों के मौसम के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनें और अतिरिक्त डिब्बे जोड़े गए थे के बारे में जानकारी दी। उन्होंने

बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के बारे में विस्तार से बताया और आश्वासन दिया कि एसडब्ल्यूआर कनेक्टिविटी और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। सदस्यों को यात्री सुविधाओं, बुनियादी ढांचे के विकास, अतिरिक्त ठहराव जैसी ट्रेन सेवाओं, ट्रेनों की आवृत्ति में वृद्धि और आरओबी/आरयूबी के निर्माण से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में भी जानकारी दी गई। दक्षिण पश्चिम रेलवे जोनल सलाहकार समिति सदस्य महेन्द्र सिंघी ने उत्तर कर्नाटक की प्रमुख मांगों पर प्रकाश डालते हुए बेंगलूरु से हुब्बल्ली-जयपुर-दिल्ली के लिए सुपरफास्ट राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने की मांग रखी। साथ ही जनता की भारी मांग को देखते हुए, बेंगलूरु से हुब्बल्ली के लिए वाया बेलगावी, पुणे, सूरत, अहमदाबाद, आबू रोड, मारवाड़ जंक्शन, अजमेर, जयपुर और दिल्ली होते हुए एक सीधी सुपरफास्ट राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा इस क्षेत्र के लोग, खासकर गुजरात और राजस्थान की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को बहुत आसानी होगी। आबूरोड स्थित ब्रह्माकुमारी, तीर्थराज पुष्कर, अजमेर शरीफ, गुलाबी नगरी जयपुर, राजस्थान आदि की यात्रा करने वाले लोगों के लिए अगर एक राजधानी एक्सप्रेस चालू कर दी जाए तो जनता को बहुत लाभ होगा और रेलवे के राजस्व में वृद्धि होगी। हुब्बल्ली से शिरडी के लिए कोई सीधी सुविधाजनक ट्रेन नहीं है। पहले, ट्रेन नंबर 12779 हुब्बल्ली से हजरत निजामुद्दीन गोवा एक्सप्रेस ट्रेन इस रूट पर लिंक के साथ कोपरगांव (शिरडी), मनमाड में रुक कर चलती थी। कोविड के दौरान इस ट्रेन को बंद कर दिया गया और यात्रियों को गोवा से निजामुद्दीन की यात्रा करनी पड़ रही है। यह ट्रेन शिरडी, मनमाड होते हुए दिल्ली तक चले और सुबह 9.30 बजे कोपरगांव पहुंचे। अनुरोध है कि हुब्बल्ली धारवाड़ यात्रियों की सुविधा के लिए लौंडा स्टेशन से 05 अतिरिक्त कोच जोड़ने की व्यवस्था करें। साथ ही, गोवा से हमें इस ट्रेन के लिए कोई लिंक नहीं मिल रहा है। यह गंभीर मामला है। हम बार-बार हुब्बल्ली से शिरडी के बीच रोजाना सीधी ट्रेन शुरू करने का अनुरोध कर रहे हैं, क्योंकि हुब्बल्ली, हावेरी, दा-वणगेरे आदि से बड़ी संख्या में साईं बाबा के भक्त हैं जो श्री शिरडी साईं बाबा के दर्शन के लिए यात्रा कर सकेंगे। इस प्रकार, यात्रियों के लाभ और सुविधा के लिए हुब्बल्ली से शिरडी के लिए सीधी ट्रेन की तत्काल आवश्यकता है। इसी प्रकार से उन्होंने अन्य मांगें रखी। महाप्रबंधक अरविन्द श्रीवास्तव ने आश्वासन दिया कि जेडआरयूसीसी सदस्यों द्वारा रखी गई विभिन्न मांगों और सुझावों को पूरा करने के लिए एसडब्ल्यूआर द्वारा गंभीर प्रयास किए जाएंगे, जो विभिन्न रेलवे हितधारकों की जरूरतों का प्रतिनिधित्व करते हैं। बैठक के दौरान अपर महाप्रबंधक कुलदीप, प्रमुख विभागाध्यक्ष, दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हाईकोर्ट ने भाजपा एमएलसी की गिरफ्तारी को प्रथम दृष्टया अवैध बताया

तत्काल रिहाई के आदेश दिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार शाम को पुलिस को निर्देश दिया कि विधान परिषद के अंदर मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ कथित रूप से अपशब्दों का इस्तेमाल करने के मामले में भाजपा एमएलसी सी.टी. रवि को गिरफ्तार करने में पुलिस प्रथम दृष्टया प्रक्रिया का पालन करने में विफल रही है। न्यायालय ने पुलिस को निर्देश दिया कि रवि को तुरंत हिरासत से रिहा किया जाए। हालांकि, न्यायालय ने रवि को निर्देश दिया कि वे अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी की जांच के लिए जांच अधिकारी द्वारा बुलाए जाने पर उपस्थित हों। न्यायमूर्ति एम.जी. उमा ने रवि द्वारा दायर याचिका पर अंतरिम आदेश पारित किया, जिसमें उनकी गिरफ्तारी की वैधता पर सवाल उठाया गया था। न्यायालय ने कहा कि चूंकि उनके खिलाफ लगाए गए अपराधों में सात साल से कम की सजा हो सकती है, इसलिए पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने से पहले पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी करना आवश्यक था। साथ ही न्यायालय ने यह भी कहा कि पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाने के लिए कोई सामग्री पेश नहीं की है। साथ ही न्यायालय ने कहा कि पुलिस ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार गिरफ्तारी के कारणों या आधारों वाले गिरफ्तारी ज्ञापन की सेवा करने के लिए कोई रिकॉर्ड पेश नहीं किया है। अदालत ने कहा कि यदि कथित घटना सत्य भी है, तो पुलिस द्वारा प्रक्रिया का पालन न करना प्रथम दृष्टया गिरफ्तारी को अवैध बनाता है। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस को उसके खिलाफ कार्रवाई करने में प्रक्रिया का पालन करने से कोई नहीं रोक सकता।

भाजपा एमएलसी सीटी रवि को मिली जमानत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग जारी है। भाजपा एमएलसी सीटी रवि को विधान परिषद में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, उन्हें अब जमानत दे दी गई है। गिरफ्तार करने के बाद भाजपा नेता को अदालत में पेश किया गया था। जमानत मिलने से पहले वकील रविराज पाटिल ने इस मामले में मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि मजिस्ट्रेट के सामने जमानत याचिका दायर की थी। मीडिया से बात करते हुए वकील रविराज पाटिल ने कहा हमने मजिस्ट्रेट के सामने जमानत याचिका दायर की। जांच अधिकारी ने एक याचिका दायर कर विनती की थी कि एफआईआर को बेंगलूरु की एमपी-एमएलए अदालत में स्थानांतरित किया जाए। इसे ध्यान में रखते हुए जेएमएफसी बेलगावी ने जांच अधिकारी को बेंगलूरु के एमपी-एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट के सामने सीटी रवि को पेश करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने एफआईआर को आज ही बेंगलूरु के क्षेत्राधिकारी मजिस्ट्रेट को भेजने का भी निर्देश दिया।

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। आश्चर्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री श्यामलता जी 13 दिन होलेनरशिपुर प्रवास के बाद शुक्रवार को हासन की तरफ विहार करके चनापुरा पहुंची। होलेनरशिपुर का समस्त राजस्थानी समाज विदाई समारोह में शामिल हुआ और साध्वी के सुखद यात्रा की कामना की। इस मौके पर होलेनरशिपुर तेरापंथ समाज की तरफ से विमल पीतलिया, सिद्धार्थ बोहरा, हासन युवक परिषद के सदस्य, हासन महिला मंडल के सदस्य की उपस्थिति रही।

दपरे के 10 कर्मचारियों को सुरक्षा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव ने गुरुवार को हुब्बल्ली, गदग रोड स्थित रेल सौधा के महाप्रबंधक के सम्मेलन कक्ष में विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ सुरक्षा बैठक की। रेलवे सुरक्षा बढ़ाने पर इस महत्वपूर्ण चर्चा के बाद, अरविंद श्रीवास्तव ने दक्षिण पश्चिम रेलवे क्षेत्र के मैसूरु और बेंगलूरु डिवीजनों के कर्मचारियों

को महीने का सुरक्षा पुरुष पुरस्कार से सम्मानित किया। इन कर्मचारियों को उनकी अनुकरणीय सतर्कता और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया गया, जिससे दक्षिण पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में संभावित दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिली।

पुरस्कार विजेताओं ने बड़ी घटनाओं को टालते हुए और सुचारू रेलवे परिचालन सुनिश्चित करते हुए अनुकरणीय समर्पण और सूझबूझ का परिचय दिया। पुरस्कार विजेताओं में मैसूरु डिवीजन के अमित, स्टेशन मास्टर, बालेकेरे, रवि लमानी, स्टेशन मास्टर, ब्याडगी, यल्लप्पा मालागेर, पॉइंट्समैन, ब्याडगी, मंजूनाथ, लोको पायलट, रौशन कुमार, सहायक लोको पायलट, सुनील कुमार, तकनीशियन, चिकजाजुर, थिप्पेस्वामी, तकनीशियन, चिकजाजुर, अमित कुमार महतो, रात्रि गश्ती दल, मुहम्मद निशाद, गेटमैन और बेंगलूरु डिवीजन के रमेश टीएच ट्रैक मेंटेनर शामिल हैं।

तीन दिवसीय 87वां अखिल भारतीय कन्नड़ साहित्य सम्मेलन शुरू

जुलूस के साथ शुरू हुआ

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

तीन दिवसीय 87वां अखिल भारतीय कन्नड़ साहित्य सम्मेलन शुक्रवार को मांड्या के शुगर टाउन में ध्वजारोहण और सम्मेलन के अध्यक्ष गो रु चन्नबसप्पा (गोरुचा) के जुलूस के साथ शुरू हुआ।

सम्मेलन स्थल तक छह किलोमीटर लंबे मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में एकत्र लोगों ने जुलूस का जोरदार स्वागत किया। मांड्या जिले के प्रभारी मंत्री और स्वागत समिति के अध्यक्ष एन चालुवरायस्वामी ने गो रु चा की मौजूदगी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कन्नड़ साहित्य परिषद (केएसपी) के अध्यक्ष महेश जोशी ने केएसपी का ध्वज फहराया, जबकि मांड्या जिले के केएसपी की संयोजक मीरा शिवलिंगिया ने कर्नाटक ध्वज फहराया। आमंत्रण के अनुसार, पूर्ववर्ती राजपरिवार की सदस्य प्रमोदा देवी वाडियार जुलूस का शुभारंभ करने वाली थीं। हालांकि, वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं और इस प्रकार आदिचुंचनगिरी मठ के महंत निर्मलानंदनाथ स्वामी ने मैसूरु-बेंगलूरु राजमार्ग पर सर एम विश्वेश्वरैया प्रतिमा के पास जुलूस का शुभारंभ किया। विभिन्न कारणों से जुलूस में एक घंटे से अधिक की देरी हुई। 157 लोक कला मंडलियों के 2,200 से अधिक कलाकारों ने जुलूस में भाग लिया। विधायक और चामुंडेश्वरी विद्युत आपूर्ति निगम के अध्यक्ष रमेश बाबू बंदीसिद्देगौड़ा, एमएलसी दिनेश गू-लीगौड़ा, उपायुक्त कुमार, पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी और जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेख तनवीर आसिफ मौजूद थे। मांड्या के गणमान्य नागरिक और स्काउट्स एंड गाइड्स और भारत सेवा दल के बच्चे मौजूद थे। इसी बीच अध्यक्ष गो रु चन्नबसप्पा ने कहा कि यदि लगभग दो हजार वर्षों के इतिहास वाली समृद्ध भाषा कन्नड़ को जीवित रखना है, तो सरकारी स्कूलों को उन्नत किया जाना चाहिए और व्यापारियों, स्वयंसेवी संगठनों, जन प्रतिनिधियों और विदेशी कन्नडिगाओं को इसे बचाने और विकसित करने के प्रयास में हाथ मिलाना चाहिए। कन्नड़ साहित्य सम्मेलन के अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने कहा कि आज कन्नड़ पारंपरिक साहित्य जैसे कविता, कविता, नाटक, उपन्यास, व्याकरण आदि तक सीमित नहीं है। कन्नड़ विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कानून, चिकित्सा आदि क्षेत्रों में बढ़ रहा है। कन्नड़ भाषा के विकास के लिए प्रौद्योगिकी समर्थन आवश्यक है। उन्होंने कहा शुद्ध कन्नड़ प्रेम को गूगल और यांत्रिक बुद्धि में आने दीजिए। यदि कन्नड़ को ज्ञान प्राप्त करने की तकनीक में ढाल लिया जाए तो कन्नड़ ज्ञान की भाषा बन जाती है। हाल ही में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जन प्रतिनिधियों एवं उच्च अधिकारियों में कन्नड़ भाषा के प्रति प्रेम की कमी हो गयी है। कन्नड़ साहित्य परिषद को विभिन्न भाषाओं के साथ बड़े पैमाने पर आदान-प्रदान कार्यक्रम चलाने चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर भारतीय राज्यों में कला, नाटक, संगीत आदि को लाने का काम प्राथमिकता से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापार क्षेत्र के अन्य हिस्सों में सरल कन्नड़ शिक्षण केंद्र शुरू किए जा रहे हैं और अन्य भाषाओं के लोगों को कन्नड़ सीखने के लिए इनका लाभ उठाना चाहिए। ग्रामीण इलाकों के सैकड़ों सरकारी स्कूलों की छतें और दीवारें गिर रही हैं। सरकार को पहले इन्हें ठीक करना चाहिए और स्कूल को अपग्रेड कर इसे बच्चों और अभिभावकों के लिए आकर्षक बनाना चाहिए। कई विचारकों ने सुझाव दिया है कि प्रत्येक गाँव में नहीं तो प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्री-प्राइमरी, सीनियर प्राइमरी और हाई स्कूल की एक क्लस्टर प्रणाली खोली जानी चाहिए। सरकार को इसकी जांच करने की जरूरत है। इनमें से, कन्नड़ शिक्षा की भाषा होनी चाहिए और अंग्रेजी को पाठ्यक्रम में एक विषय बनाया जाना चाहिए। इसमें बेंगलूरु आईटी-बीटी सिटी के नाम से मशहूर है। किसी भी राज्य, किसी भी भाषा के लोग देश में कहीं भी बस सकते हैं। लेकिन उन्होंने कहा, जिस भूमि पर वे रहते हैं उसके प्रति सम्मान होना चाहिए।

मेंगलूरु पुलिस ने नए साल की पूर्व संध्या के लिए दिशा-निर्देशों की घोषणा की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने नए साल की पूर्व संध्या पर जश्न मनाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत होटल, रेस्तरां, क्लब, रिसॉर्ट और अन्य संगठनों के लिए उनके कार्यालय से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए आवेदन 23 दिसंबर को शाम 5 बजे तक जमा किए जाने चाहिए। यहां पत्रकारों से वार्ता में अग्रवाल ने इस बात पर जोर दिया कि नए साल की पूर्व संध्या पर जश्न आधी रात तक खत्म हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आयोजकों को अनुमति पत्र में उल्लिखित नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए। शराब की बिक्री और वितरण के लिए भी आबकारी विभाग से अनुमति लेना आवश्यक है और किसी भी उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिशा-निर्देशों में कई प्रमुख बिंदु शामिल हैं। आयोजकों को लाउडस्पीकर और साउंड सिस्टम का उपयोग करने की अनुमति लेनी चाहिए, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ध्वनि का स्तर ध्वनि प्रदूषण नियमों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन करता हो। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अग्निशामक यंत्र, एम्बुलेंस और अन्य प्रावधानों सहित सुरक्षा उपाय किए जाने चाहिए। डीजे पर सख्त प्रतिबंध है और 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्तियों को प्रवेश या शराब परोसने की अनुमति नहीं है। अश्लील नृत्य, नग्नता, जुआ और इसी तरह की अन्य गतिविधियों पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। इन दिशा-निर्देशों के तहत सार्वजनिक व्यवहार को भी विनियमित किया जाता है। बस स्टैंड, पार्क, स्टेडियम, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक क्षेत्रों में धूम्रपान और शराब पीना प्रतिबंधित है। सार्वजनिक रूप से शराब पीना, शोरगुल मचाना, दूसरों का अपमान करना, बोतलें फेंकना या समुद्र तट या सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीना प्रतिबंधित है। इसके अलावा, सार्वजनिक शांति को भंग करने वाले पटाखों का उपयोग निषिद्ध है। आयुक्त ने आगे बताया कि महिलाओं के उत्पीड़न को रोकने के लिए विशेष कार्य बल तैनात किए जाएंगे। एक त्वरित कार्रवाई बल शराब पीकर गाड़ी चलाने पर नजर रखेगा, जिससे पूरे शहर में सुरक्षा सुनिश्चित होगी। स्टंट व्हीलिंग, ड्रैग रेसिंग, ओवर-स्पीडिंग और वाहनों से अत्यधिक शोर पैदा करने जैसी गतिविधियों पर सख्त प्रतिबंध है, इन गतिविधियों को रोकने के लिए समर्पित टीमें मौजूद हैं। इन उपायों का उद्देश्य पूरे शहर में एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण नए साल की पूर्व संध्या का जश्न सुनिश्चित करना है।

घटना की शुरुआत रवि की कथित तौर पर राहुल गांधी को नशेड़ी कहने से हुई: गृह मंत्री

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सीटी रवि के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मीडिया को संबोधित करते हुए परमेश्वर ने कहा शिकायत के बाद उनके (सीटी रवि) खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। मुझे उनके सिर पर चोट के बारे में जानकारी नहीं है। पुलिस ने चेयरमैन से सलाह-मशविरा करने के बाद कार्रवाई की है। सीटी रवि की शिकायत की भी जांच की जाएगी। परमेश्वर ने कहा कि घटना की शुरुआत रवि द्वारा कथित तौर पर राहुल गांधी को नशेड़ी कहने से हुई। यह गलत है और किसी भी वरिष्ठ राजनेता को ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। एक वरिष्ठ राजनेता होने के नाते किसी को भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, वह

भी एक महिला के खिलाफ जो एक मंत्री है। मैं सड़क पर विरोध प्रदर्शन के दौरान सीटी रवि द्वारा लगाए गए किसी भी आरोप पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। उन्हें बेलगावी में अदालत में पेश किया जाएगा, फिर प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। यह राज्य की महिला और बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर द्वारा गुरुवार को आरोप लगाए जाने के बाद आया है कि भाजपा एमएलसी सीटी रवि ने उन्हें अश्लील शब्द से बुलाया। इस बीच, रवि के प्रतिनिधि अधिवक्ता एमबी जिरागी ने दावा किया कि भाजपा नेता को बीएनएस की धारा 75 और 79 के तहत गिरफ्तार किए जाने के बावजूद, पुलिस ने आधिकारिक तौर पर उनकी गिरफ्तारी दर्ज नहीं की या उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं किया, जो एक कानूनी आवश्यकता थी। सीटी रवि को बीएनएस की धारा 75 और 79 के तहत गिरफ्तार किया गया है। उन्हें शारीरिक रूप से गिरफ्तार किया गया है। लेकिन अभी तक, हमें रिकॉर्ड पर यह पुष्टि नहीं हुई है कि उन्हें गिरफ्तार किया गया है। वास्तव में, कर्नाटक पुलिस ने उन्हें पहले ही हिरासत में ले लिया है। वे उन्हें गुरुवार रात विभिन्न स्थानों पर ले गए। अभी तक, उन्होंने उन्हें कानून की अदालत में पेश नहीं किया है। वकील ने जोर देकर कहा कि कानून के तहत, रवि को उचित समय के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना चाहिए, जो अभी तक नहीं हुआ है। कानून के तहत यह अनिवार्य है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को उचित समय के भीतर निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना चाहिए।

रवि पर कथित हमले की कड़ी निंदा की

क्या कर्नाटक में लोकतंत्र मृत्युशैया पर है: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय उद्योग मंत्री और जेडीएस नेता एच डी कुमारस्वामी ने गुरुवार को महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के लिए बेल-गावी सुवर्ण विधान सौधा में भाजपा एमएलसी सी टी रवि पर कथित हमले की कड़ी निंदा की है और आश्चर्य जताया है कि क्या कर्नाटक में लोकतंत्र अपनी मृत्युशैया पर है, जब विपक्षी नेता भी सुरक्षित नहीं हैं? एक्स पर एक पोस्ट में, कुमारस्वामी ने राज्य विधानमंडल में अपनी सीटों के सामने डॉ बी आर अंबेडकर की तस्वीरें रखकर विरोध प्रदर्शन करने के लिए कांग्रेस पर कटाक्ष किया और पूछा विधानमंडल में किसी की तस्वीर रखने का क्या मतलब है?

सीटी रवि पर कथित हमला बेहद निंदनीय है। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि वह भाजपा नेता को उचित नहीं ठहरा रहे हैं, अगर उन्होंने मंत्री के खिलाफ अनुचित या अश्लील शब्दों का इस्तेमाल किया था। हालांकि, मंत्री की प्रतिक्रिया और उनके समर्थकों की गुंडागर्दी पूरी तरह से अस्वीकार्य है। डॉ. अंबेडकर के संविधान में हर मुद्दे के लिए कानून है और सदन के अध्यक्ष ने इस मामले में पहले ही फैसला दे दिया है। फिर भी, इसके बाद जो कुछ हुआ, जिसमें अध्यक्ष के प्रति अनादर और अपमानजनक व्यवहार शामिल है, वह चौंकाने वाला है।

उन्होंने कहा यह भी चिंताजनक है कि सरकार में कुछ लोग अपने स्वार्थ के लिए इस घटना को और भी तूल दे रहे हैं। कुमारस्वामी ने कहा कि जब पंचमसाली समुदाय के लोगों ने आरक्षण के लिए सुवर्ण सौधा के सामने विरोध प्रदर्शन किया, तो कांग्रेस सरकार ने लाठीचार्ज का आदेश देकर अपने तथाकथित साहस का परिचय दिया। उस दिन पुलिस की बर्बरता अवर्णनीय थी। उन्हें गेट पर ही रोक दिया गया और तब तक पीटा गया जब तक कि वे लहूलुहान नहीं हो गए। लेकिन अब, ये गुंडे सुवर्ण सौधा में कैसे घुस आए? क्या प्रदर्शनकारियों को रोकने वाली वही पुलिस यहां विफल रही? या उन्होंने जानबूझकर इन गुंडों को अंदर आने दिया? या यह सरकार द्वारा रची गई साजिश है? या शायद कुछ अदृश्य हाथ इसमें शामिल थे।

जब गुंडे विधानसभा के गलियारों में विधायकों का पीछा कर रहे हैं, हत्या का प्रयास कर रहे हैं, मार्शलों पर हमला कर रहे हैं और आपराधिक व्यवहार प्रदर्शित कर रहे हैं, तो यह स्पष्ट है कि उनके पास शक्तिशाली समर्थन है। जेडीएस नेता ने बताया कि मीडिया में प्रसारित वीडियो में मंत्री के निजी सहायक को गलियारों में लोहे के गेट तोड़ने का प्रयास करते और हिंसात्मक कृत्यों में शामिल होते हुए दिखाया गया है। ये दृश्य इस बात का पर्याप्त प्रमाण हैं कि राज्य अब सुरक्षित हाथों में नहीं है और उन्हें उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के उपनाम बंदे का मजबूत समर्थन प्राप्त है। जेडीएस नेता ने कहा सुवर्ण सौधा में घुसने वाले गुंडों को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए और उन पर असामाजिक गतिविधियों के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। वे सार्वजनिक शांति के लिए खतरा हैं और उन्हें सुवर्ण सौधा और विधान सौधा से स्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया जाना चाहिए। पुलिस इस पूरी घटना के लिए जवाबदेह हैं। अगर आपने पूरी रात सी.टी. रवि को पुलिस जीप में घुमाया, तो यह किसके आदेश पर किया गया? उन्होंने कहा इन गुंडों का गिरोह का नेता कौन है? आप सच्चाई जानते हैं और आपको इसे उजागर करना चाहिए।

गिरफ्तारी को लेकर ड्रामा जारी, मेरी हत्या की रची जा रही है साजिश: सीटी रवि

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी जिले में सी.टी. रवि द्वारा पुलिस पर हिरासत में उनकी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाए जाने के बाद शुक्रवार को भाजपा एमएलसी की गिरफ्तारी को लेकर ड्रामा जारी रहा।

सी.टी. रवि को महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ कथित अपमानजनक बयान के बाद यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मंत्री लक्ष्मी ने अपनी पुलिस शिकायत में सी.टी. रवि पर विधान परिषद में उनके खिलाफ बेहद आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। हीरेबागेवाड़ी पुलिस ने गुरुवार शाम को बेलगावी के सुवर्ण विधान सौधा से सी.टी. रवि को गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें खानपुर पुलिस स्टेशन ले जाया गया। वहां से रवि को रात भर पुलिस अलग-अलग स्थानों पर ले गई। शुक्रवार सुबह करीब 3 बजे भाजपा एमएलसी ने पुलिस के साथ रामदुर्गा जाने से इनकार कर दिया और सवाल किया कि उन्हें अलग-अलग स्थानों पर क्यों ले जाया जा रहा है। वह सड़क पर धरने पर बैठ गए और दावा किया कि पुलिस उनकी हत्या की साजिश कर रही है। सी.टी. रवि ने पुलिस पर भी सवाल उठाए और पूछा कि वे उन्हें हिरासत में क्यों नहीं ले रहे

हैं।

मेरे 35 साल के राजनीतिक जीवन में, मैंने कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं किया। पुलिस को समय-समय पर ऊपर से निर्देश मिलते हैं और उसी के अनुसार काम करते हैं। पुलिस भी असहाय हो गई है। मैं सत्र में भाग लेने आया था और अध्यक्ष मेरे केयरटेकर थे।

विधान परिषद के अध्यक्ष सत्र में जो कुछ हुआ, उस पर फैसला देंगे। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने मुझ पर मौखिक हमला किया था। मुझे सार्वजनिक रूप से हत्या की धमकियाँ दी गईं और सुवर्ण विधान सौधा में तीन बार मुझ पर हमला किया गया। मैंने खानपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और उन्होंने एफआईआर दर्ज नहीं की है और केवल मेरी शिकायत की प्राप्ति की पावती दी है। रवि को माथे से खून बहते हुए जबरदस्ती पुलिस वाहन में ले जाते हुए दिखाने वाला वीडियो सामने आया है और इसने पुलिस द्वारा मामले को संभालने पर सवाल खड़े किए हैं। पुलिस रवि को रामदुर्गा से किसी अज्ञात स्थान पर ले गई थी।

सुबह 10 बजे उन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए बेलगावी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया और सूत्रों ने बताया कि उन्हें बेलगावी अदालत में पेश किया जाएगा।

अराजकता और नाटक तब शुरू हुआ जब परिषद में पहले एक गरमागरम बहस के दौरान, सी.टी. रवि ने कथित तौर पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को ड्रग एडिक्ट कहा। टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए, मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने रवि की आलोचना की और कथित तौर पर उन्हें हत्यारा कहा। जवाब में, भाजपा नेता ने कथित तौर पर महिला मंत्री को वेश्या कहा, जिससे वह रोने लगीं। भाजपा ने सी.टी. रवि की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है।

खून बहने के बावजूद अस्पताल नहीं ले गए

सुवर्णसौधा में कांग्रेस के गुंडों ने किया सीटी रवि पर हमला: विजयेंद्र

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कांग्रेस के गुंडों को सुवर्णसौधा में आने और सीटी रवि पर हमला करने की अनुमति देने के लिए राज्य कांग्रेस सरकार की आलोचना की। वह यहां शुक्रवार को पूर्व मंत्री एवं विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कहा आप किसानों और पंचमसाली समाज पर लाठियां बरसाओगे। उन्होंने निंदा की कि सीटी रवि पर हमला किया गया और बाद में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पूरी रात में उन्होंने करीब 500 किलोमीटर का सफर तय किया है। उन्हें जबरन एक वाहन में गदग, रामदुर्गा, धारवाड़ जैसी जगहों पर ले जाया गया। लोग इस तरह से जन प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार करने की सरकार की नीति पर भी सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर लोकतंत्र का कत्लेआम करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कानून और संविधान की आशा का उल्लंघन करते हुए देश पर आपातकाल लागू करने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की।

उन्होंने शिकायत की कि सीटी रवि पर पुलिस ने जानलेवा हमला किया और उन्हें अस्पताल नहीं ले जाया गया, जबकि उनके सिर से खून बह रहा था। एक गिलास पानी भी नहीं दिया गया। बी वाई विजयेंद्र ने आपत्ति जताई कि सीटी रवि को चावल का एक निवाला भी नहीं दिया गया। पुलिस अधिकारी कांग्रेस के कहने पर काम कर रहे हैं। सिद्धरामैया, सत्ता शाश्वत नहीं है। सत्ता के नशे में चूर आप लोग सत्ता और धर्म के अहंकार में हम पर हमला करने का काम कर रहे हो। लेकिन याद रखें कि सत्ता स्थायी नहीं है।

इस मौके पर विपक्ष के नेता आर.अशोक, उपनेता अरविंद बेलाड, प्रदेश महासचिव सुनील कुमार और स्थानीय नेता मौजूद थे। इससे पहले विजयेंद्र ने इस बात पर आपत्ति जताई कि सीटी रवि के साथ राज्य सरकार ने आतंकवादी जैसा व्यवहार किया है। उन्होंने विश्लेषण किया कि ऐसी घटना न सिर्फ प्रदेश में बल्कि पूरे देश में नहीं हो सकती। उन्हें थाने ले जाकर बैठा दिया गया। उन्होंने इस बात की निंदा की कि विपक्षी नेताओं और वकीलों को अंदर नहीं जाने दिया गया। यहां तक कि सीटी रवि की शिकायत भी दर्ज नहीं की गई, हमारे सभी कार्यकर्ता रात में पुलिस स्टेशन के सामने बैठ गए और विरोध प्रदर्शन किया। सीटी रवि के सिर पर चोट लगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपमानजनक व्यवहार दिखाया है और सीटी रवि के बयान पर स्पीकर के फैसले पर भी गौर नहीं किया। सीटी रवि विधान परिषद के सदस्य हैं, पूर्व मंत्री हैं और वह कोई सामान्य व्यक्ति नहीं हैं। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि वह पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव के रूप में काम कर चुके हैं। ऐसा लग रहा है कि आतंकी को पुलिस पकड़ कर ले गई है। उन्होंने इस बात की निंदा की कि सरकार की मदद से ऐसा व्यवहार किया गया।

सीटी रवि द्वारा हेब्बालकर के खिलाफ

अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का कोई रिकॉर्ड नहीं: बसवराज होराट्टी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ भाजपा एमएलसी सी. टी. रवि द्वारा कथित तौर पर आपत्तिजनक शब्द के इस्तेमाल को लेकर उठे विवाद में एक बड़ा मोड़ आया है। परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि परिषद में इस्तेमाल किए गए अपमानजनक शब्द का कोई रिकॉर्ड नहीं है। हुब्बल्ली में मीडिया से बात करते हुए होराट्टी ने कहा कि रवि द्वारा कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए शब्द का परिषद में कोई रिकॉर्ड नहीं है। उन्होंने कहा सी. टी. रवि और मंत्री लक्ष्मी दोनों ने शिकायत की है और मैंने उनसे बात की है। बाद में, इस घटनाक्रम के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। होराट्टी ने कहा कि यतींद्र सिद्धरामैया, नागराज यादव, उमाश्री और एक अन्य सहित चार कांग्रेस एमएलसी ने कहा है कि उन्होंने सीटी रवि को मंत्री हेब्बालकर के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल करते हुए सुना और देखा है। इस बीच, रवि ने खानपुर पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मंत्री हेब्बालकर, एमएलसी चन्नाराज हट्टीहोली, मंत्री हेब्बालकर के भाई और अन्य ने सुवर्ण विधान सौधा में उन पर जान से मारने की नीयत से हमला किया। उन्होंने कहा मुझ पर हमला करने वाले समूह ने दावा किया था कि मेरा शव मेरे गृहनगर चिकमंगलूरु भेजा जाएगा। परिषद के सत्र के स्थगित होने के बाद, मंत्री हेब्बालकर ने ऊंचे स्वर में मुझे और मेरे परिवार को गाली दी और मुझे जान से मारने की धमकी दी।

रवि ने पुलिस को बताया उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने हाथ के इशारे से मुझे धमकाया कि वे देखेंगे कि मैं बेलगावी से सुरक्षित अपने घर कैसे लौटता हूं और यह भी कहा कि यह मेरे जीवन का आखिरी दिन होगा। रवि ने खानपुर पुलिस थाने से अपने वीडियो संदेश में कहा कि अगर उनकी जान को कुछ भी होता है, तो कांग्रेस सरकार, उपमुख्यमंत्री शिवकुमार और मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। रवि ने आगे कहा कि वह आतंकवादी नहीं है, बल्कि उसके साथ आतंकवादी जैसा व्यवहार किया जा रहा है। इससे पहले परिषद में गरमागरम बहस के दौरान अराजकता और ड्रामा तब शुरू हुआ, जब रवि ने कथित तौर पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को ड्रग एडिक्ट कहा। इस टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने रवि की आलोचना की और उन्हें हत्यारा कहा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता ने कथित तौर पर मंत्री को वेश्या कहा। रवि को गुरुवार को बेलगावी में सुवर्ण विधान सौधा के परिसर से गिरफ्तार किया गया।

प्याज की कीमतों में आई गिरावट, खीरा और बीन्स महंगे

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हाल ही में प्याज की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण सुर्खियां बटोरने वाले प्याज की कीमतों में क्रिसमस और नए साल के जश्न के साथ गिरावट आ रही है। कारोबारी बाजार में नए प्याज की आवक को कीमतों में गिरावट का कारण बता रहे हैं।

शुरुआत में नए प्याज में नमी की मात्रा अधिक थी और यह जल्दी खराब हो जाता था, जिससे उपभोक्ता 70-75 रुपये प्रति किलो की कम दर पर पुराने प्याज को खरीद रहे थे। हालांकि, अब जब पुराने प्याज में अंकुर आने लगे हैं, तो उपभोक्ता बेहतर गुणवत्ता वाले नए प्याज को प्राथमिकता दे रहे हैं। पिछले सप्ताह प्याज की कीमतें गिरकर 55 रुपये प्रति किलो पर आ गई हैं और आगे भी इसमें गिरावट आने की उम्मीद है। इस साल भारी बारिश के बाद कीमतों में उछाल की आशंका से प्याज जमा करने वाले स्टॉकिस्ट अब संभावित नुकसान को लेकर चिंतित हैं। सबरीमाला सीजन के चलते सब्जियों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। आलू की कीमतें गिरकर 40 रुपये प्रति किलो पर आ गई हैं, लेकिन बीन्स और भिंडी, जो 60 रुपये प्रति किलो बिक रही थीं, बढ़कर 90-100 रुपये पर पहुंच गई हैं। चुकंदर की कीमत अब 70-80 रुपये प्रति किलो हो गई है, जबकि खीरा 60 रुपये से बढ़कर 100 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया है। खीरे की कीमतें 30 रुपये से बढ़कर 60 रुपये प्रति किलो हो गई हैं, जबकि अन्य सब्जियों की कीमतों में भी इसी तरह की तेजी देखने को मिल रही है।

रवि द्वारा मंत्री के खिलाफ अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल करना अपराध: सिद्धरामैया

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को भाजपा एमएलसी सीटी रवि द्वारा मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल करने को अपराध करार दिया।

उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या पार्टी किसी महिला के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी का समर्थन करती है। गुरुवार को विधान परिषद में हेब्बालकर के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल रवि ने किया था। सदन की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित होने के बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी। क्या वे (भाजपा) किसी महिला के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी का समर्थन करेंगे? वे जो कह रहे हैं, वह झूठ है। सिद्धरामैया ने भाजपा द्वारा विरोध प्रदर्शन करने और रवि द्वारा आरोपों से इनकार करने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा क्या कोई अपनी गलती स्वीकार करेगा और यह स्वीकार करेगा कि उन्होंने लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया है? फिर उन्हें (रवि को) क्यों गिरफ्तार किया गया?

यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा आमतौर पर महिलाएं अपने खिलाफ की गई टिप्पणियों के बारे में झूठी शिकायत नहीं करती हैं। मुझे नहीं पता कि सी टी रवि ने ऐसा शब्द क्यों इस्तेमाल किया। यह एक अपराध है। यह देखते हुए कि रवि ने कहा था कि उन्होंने कोई अपमानजनक शब्द नहीं इस्तेमाल किया था और उनके द्वारा इस्तेमाल किया गया शब्द निराशाजनक था, सिद्धरामैया ने कहा यह बाद में सोचा गया लगता है।

मुझे नहीं पता, लेकिन हेब्बालकर ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उनके खिलाफ अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया गया था और अन्य लोगों ने भी इसे सुना है। साथ ही, मुझे बताया गया है कि ऑडियो और वीडियो भी है। मुझे नहीं पता। एक सवाल के जवाब में, जिसमें रवि ने अपनी जान को खतरा होने और इसके लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराने का दावा किया, उन्होंने कहा सभी अपराधी ऐसी बातें कहते हैं। अगर ऐसा है तो किसी पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। रवि को गुरुवार शाम को गिरफ्तार किया गया और सुवर्ण विधान सौधा के परिसर से पुलिस वैन में ले जाया गया।

रवि ने पुलिस पर मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, क्योंकि उन्होंने आरोप लगाया है कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उन्हें पूरी रात जिले के विभिन्न स्थानों पर घुमाया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, सीएम ने कहा उनके हितों को ध्यान में रखते हुए उन्हें खानपुर ले जाया गया, क्योंकि अगर वह बेलगावी (जहां से हेब्बालकर आती हैं) में होते तो लोग उपद्रव कर सकते थे।

वृक्षारोपण कर धर्मस्थल में खराब सड़क की स्थिति का किया विरोध

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ के धर्मस्थल के स्नान घाट को अजीकुरी से जोड़ने वाली सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा हो रही है।

स्थिति को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय लोगों ने एक अनोखे विरोध प्रदर्शन में सड़क पर केले सहित कई पेड़ लगाए, ताकि प्रशासन का ध्यान इस गंभीर स्थिति की ओर आकर्षित किया जा सके। क्षतिग्रस्त सड़क के कारण वाहनों की आवाजाही लगभग असंभव हो गई है, जिससे स्कूल और कॉलेज के छात्रों, बच्चों, पर्यटकों और आम जनता सहित हजारों दैनिक यात्री प्रभावित हो रहे हैं। लोगों द्वारा बार-बार गुहार लगाने के बावजूद, इस मुद्दे को हल करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। विरोध के प्रतीक के रूप में, लोगों ने क्षतिग्रस्त सड़कों पर केले और अन्य पौधे लगाकर एक अनूठा तरीका निकाला।

विधान परिषद में किसी भी भाजपा सदस्य ने सीटी रवि की टिप्पणी की निंदा नहीं की: लक्ष्मी हेब्बालकर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर गुरुवार को कर्नाटक विधान परिषद में अपने अनुभव के बारे में बेलगावी स्थित अपने आवास पर संवाददाताओं से बात करते हुए भावुक हो गईं।

उन्होंने कहा मुझे इस बात से दुख हुआ कि भाजपा के किसी भी सदस्य ने भाजपा एमएलसी सी. टी. रवि द्वारा मेरा अपमान करने की निंदा नहीं की। विधान परिषद वरिष्ठों और विद्वानों का सदन माना जाता है। लेकिन जब रवि ने मुझ पर मौखिक हमला किया, तो वे चुपचाप बैठे थे। उन्हें धृतराष्ट्र की तरह व्यवहार नहीं करना चाहिए था। कुछ भाजपा सदस्य, जिन्होंने टिप्पणी सुनी थी, मेरे पास आए और मुझसे व्यक्तिगत रूप से माफी मांगी, लेकिन उन्होंने खुले तौर पर इसकी निंदा नहीं की। हालांकि, मेरी पार्टी के सदस्य मेरे साथ खड़े रहे। हम विधान परिषद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा डॉ. बी. आर. अंबेडकर के कथित अपमान पर चर्चा कर रहे थे। भाजपा सदस्य सी. टी. रवि ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नशेड़ी कहना शुरू कर दिया। जब उन्होंने बार-बार ऐसा कहना शुरू किया, तो मैंने उनका विरोध किया। मैंने उनसे पूछा कि वह उन्हें नशेड़ी क्यों कह रहे हैं। मैंने उनसे पूछा कि क्या वह हत्यारा नहीं है, क्योंकि उन्होंने अपने वाहन से तीन लोगों को कुचल दिया था? जब मैंने यह कहा, तो उन्होंने अपमानजनक टिप्पणी के साथ जवाब दिया। यह इतना बुरा है कि मुझे आपके सामने इसे दोहराना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने उस अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल एक बार नहीं, बल्कि परिषद में सभी के सामने 10 बार किया। मैं बहुत आहत हूं। मैं एक मंत्री या राजनीतिक नेता हो सकती हूं, लेकिन मैं एक महिला, एक मां और बहन हूं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, मैंने रवि को हत्यारा कहा, क्योंकि उन्होंने बार-बार राहुल गांधी को नशेड़ी कहा। मैं इससे पीछे नहीं हटूंगी। हालांकि उन्होंने इस बात से इनकार किया होगा कि उन्होंने मेरा अपमान किया है। उन्होंने इससे इनकार किया हो सकता है, लेकिन ऑडियो और वीडियो रिकॉर्ड उपलब्ध हैं। कैमरे की फुटेज उपलब्ध है। कई लोगों ने इसे सोशल मीडिया पर साझा किया है। डॉ. अंबेडकर के कथित अपमान पर चर्चा में राहुल गांधी का नाम घसीटने की कोई जरूरत नहीं थी। मैंने रवि का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने (कार दुर्घटना में) तीन लोगों की हत्या की है। मैं इससे इनकार नहीं करती हूं। आज मैं जिस मुकाम पर हूं, वहां तक पहुंचने के लिए मैंने कड़ी मेहनत की है। एक आम कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत करते हुए, मैं राजनीति में आगे बढ़ी और मंत्री बनी और कर्नाटक की सभी महिलाओं का प्रतिनिधित्व करती हूं। मुझे लगता है कि मैंने कई महिलाओं को राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया है। लेकिन अगर हमारे साथ ऐसा ही व्यवहार किया जाता है, तो यह महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में प्रवेश करने से हतोत्साहित करेगा। अगर महिलाओं के साथ ऐसा ही व्यवहार किया जाता है, तो कौन सी महिला राजनीति में प्रवेश करने की कोशिश करेगी? मैं गहरे सदमे में हूं। लेकिन मैं किसी से नहीं डरती। मेरे बेटे और बेटी ने मुझे नैतिक समर्थन दिया है। मुझे यकीन है कि न्याय होगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने चिकमंगलूरु में रवि की गिरफ्तारी का किया विरोध

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा समर्थकों और स्थानीय नेताओं को शुक्रवार को यहां हनुमथप्पा सर्किल पर यातायात बाधित करने के लिए एहतियातन हिरासत में लिया गया, क्योंकि उन्होंने वरिष्ठ पार्टी नेता सी टी राव की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। भगवा पार्टी के पदाधिकारियों ने गिरफ्तारी की निंदा करते हुए बेलगावी, कलबुर्गी और राज्य के अन्य हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन किया। रवि को बेलगावी में विधान परिषद में राज्य मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए गुरुवार को पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ा। कांग्रेस सरकार के खिलाफ गुस्सा जाहिर करते हुए और नारे लगाते हुए भाजपा सदस्यों ने रवि की तत्काल रिहाई की मांग की। रवि की गिरफ्तारी के बाद पार्टी ने उनके गृह जिले चिकमंगलूरु में बंद का आह्वान किया था। पुलिस के अनुसार, भाजपा के करीब 100 सदस्य और समर्थक रवि की गिरफ्तारी के विरोध में हनुमथप्पा सर्किल पर एकत्र हुए और यातायात बाधित कर लोगों को असुविधा पहुंचाई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा हमने उन्हें एहतियातन पुलिस हिरासत में ले लिया है। स्थिति अब नियंत्रण में है। रवि ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को झूठा बताते हुए इनकार किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कानून के गलत इस्तेमाल पर लताड़ लगाई

महिलाओं के हित का कानून है जबरन वसूली के लिए नहीं

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में महिलाओं के हित के लिए बनाए गए कानूनों के दुरुपयोग पर गहरी चिंता जताई है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कानून महिलाओं के कल्याण के लिए है, न कि उनके पतियों को दंडित करने, धमकाने या उनसे जबरन वसूली करने के लिए। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने यह टिप्पणी की कि हिंदू विवाह एक पवित्र संबंध है, जो परिवार की नींव है और इसे किसी व्यावसायिक समझौते की तरह नहीं देखा जा सकता। कोर्ट ने कहा कि महिलाओं

के लिए बनाए गए कानूनों का उद्देश्य उनका सुरक्षा और सशक्तिकरण करना है लेकिन कभी-कभी कुछ महिलाएं इन कानूनों का गलत तरीके से इस्तेमाल करती हैं। पीठ ने यह टिप्पणी एक ऐसे दंपत्ति के मामले में की, जो अलग-अलग रह रहे थे और विवाह को खत्म करने का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा था। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में कानून का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए और यह सिर्फ महिलाओं के हित में होना चाहिए, न कि उन्हें अपने पतियों से धन एंठने का साधन।

इस मामले में, जहां एक अमेरिकी आईटी कंसल्टेंट ने तलाक की मांग की, वहीं पत्नी ने पति से 500 करोड़ रुपए के बराबर गुजारा भत्ता की मांग की थी, जो पति की पहली पत्नी को मिले थे। अदालत ने इस मामले में पति को आदेश दिया कि वह अपनी पत्नी को 12 करोड़ रुपए का स्थायी गुजारा भत्ता एक महीने के भीतर दे, लेकिन इसके साथ ही यह भी कहा कि महिलाओं को यह समझना होगा कि कानून का उद्देश्य परिवार को बचाना और महिलाओं को सशक्त बनाना है न कि इसे एक लेन-देन का साधन बनाना।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि महिला और उनके परिवार द्वारा आपराधिक शिकायतों का इस्तेमाल पति और उनके परिवार से अपनी मांगों को पूरा करने के लिए गलत तरीके से किया जा सकता है। कोर्ट ने महिलाओं को सतर्क रहने की सलाह दी और कहा कि कड़े कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग किसी भी हालत में नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ये कानून महिलाओं के भले के लिए बनाए गए हैं, न कि किसी अन्य उद्देश्य के लिए।

हंगामे की भेंट चढ़ गया संसद का शीतकालीन सत्र

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद का शीतकालीन सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। इस सत्र में राज्यसभा में केवल 40.03 फीसदी ही काम हुआ। राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सदन में केवल 43 घंटा 27 मिनट काम हुआ। जबकि लोकसभा का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा है। शुक्रवार को एक देश एक चुनाव विधेयक के लिए बन रही जेपीसी में राज्यसभा के 12 सांसदों को नामित किया गया। इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सुबह जब राज्यसभा में कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्ष ने प्रदर्शन किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद सभापति ने सदन के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बिना किसी हंगामे के सदन चलाने के लिए कहा। जब सदन की कार्यवाही 12 बजे फिर से शुरू हुई तो सभापति ने विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से एक देश एक चुनाव विधेयक को लेकर बन रही जेप-ीसी के लिए उच्च सदन से सदस्यों को नामित करने का प्रस्ताव रखने के लिए कहा। जेपीसी के लिए 12 सदस्यों को नामित करने के प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

इसके बाद अपने समापन भाषण में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि इस सत्र में 40.03 फीसदी ही काम हुआ। पूरे सत्र में 43 घंटा 27 मिनट काम हो सका। उन्होंने कहा कि सांसद के तौर पर देश के लोग हमारी कड़ी आलोचना कर रहे हैं। यह सही भी है क्योंकि लगातार हो रहे व्यवधान लोकतांत्रिक संस्थानों में जनता के विश्वास को लगातार कम कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान को लेकर हो रहे हंगामे के बीच लोकसभा से शुक्रवार को एक देश एक चुनाव से जुड़े दो विधेयकों को संयुक्त संसदीय समिति (जेप-ीसी) को भेजा गया। सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक 2024 को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव पेश करने को कहा। हंगामे के बीच प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसके बाद लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने नहीं सुनी धर्म संसद के खिलाफ याचिका

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद स्थित डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद के प्रस्तावित धर्म संसद के खिलाफ प्रशांत भूषण की याचिका खारिज कर दी। साथ ही कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। दरअसल, यति नरसिंहानंद फाउंडेशन 17-21 दिसंबर को डासना के शिव-शक्ति मंदिर में धर्म संसद आयोजित करने जा रहा है।

इस आयोजन के खिलाफ प्रशांत भूषण ने अपनी याचिका में कहा था कि यहां नफरती भाषण दिए जाने की आशंका है। इसे पर

सुनवाई से इनकार करते हुए मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा कि प्रदेश के अधिकारियों को सभी एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने कहा कि उसके पास अन्य गंभीर मामले भी हैं। इसलिए याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट से संपर्क करना चाहिए।

प्रशांत भूषण ने कहा कि नर-सिंहानंद को इस शर्त पर जमानत मिली थी कि वह नफरती भाषण नहीं देंगे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर आप सुप्रीम कोर्ट आ सकते हैं तो हाई कोर्ट क्यों नहीं जा सकते? कोर्ट ने धर्म संसद का वीडियो रिकॉर्डिंग करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल से निगरानी रखने के लिए कहा।

असम एसटीएफ ने केरल और बंगाल में मारा छापा

बांग्लादेशी आतंकी संगठन के 8 आतंकी गिरफ्तार

गुवाहाटी, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनकर घूम रहे इस्लामी कट्टरपंथी संगठनों पर असम एसटीएफ ने करारा प्रहार किया है। असम की स्पेशल टास्क फोर्स ने बंगाल पुलिस और केरल पुलिस के साथ मिलकर राज्यों में ऑपरेशन प्रघात चलाया और 8 आतंकियों को गिरफ्तार किया।

आतंकियों की पहचान मोहम्मद साब शेख, मिनारुल शेख, अब्बास अली, नूर इस्लाम मंडल, अब्दुल करीम मंडल, मोजीबार रहमान, हमीदुल इस्लाम और इनामुल हक के तौर पर हुई है। ये सभी लोग देश भर में स्लीपर सेल बनाने की गतिविधियों में संलग्न थे। इनमें साब शेख और अब्बास अली बांग्लादेशी हैं। अब्बास को पहले फर्जी पासपोर्ट मामले में भी अरेस्ट किया जा चुका था लेकिन इस बार गिरफ्तारी आतंकी गतिविधियों

को अंजाम देने की साजिश रचने के लिए हुई।

असम पुलिस के स्पेशल डीजीपी हरमीत सिंह ने इस कार्रवाई को लेकर बताया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और फलाकाटा में इस्लामी कट्टरपंथियों एक दूसरे से मिले थे। इन बैठकों में हिंदू नेताओं की हत्या की योजना के साथ देश में मजहबी तनाव भड़काकर, सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ना था। पुलिस ने सूचना पाते ही देश के अलग-अलग हिस्सों में अपनी टीमें भेजीं और 17-18 दिसंबर की रात इस मामले में छापेमारी हुई। छानबीन में इनके पास से कई आपत्तिजनक दस्तावेज और सामान भी मिले।

छानबीन में यह भी जानकारी सामने आई कि केरल और बंगाल में रहकर ये आतंकी किसी मोहम्मद फरहान इसराक के लिए काम कर रहे थे जिसका खुद का संबंध अलकायदा के आतंकियों से है।

इसके अलावा उसकी करीबी आतंकी संगठन अंसरुल्लाह बांग्ला टीम के सरगना जसीमुद्दीन से भी है। पुलिस इस एक्शन को एक बड़ी सफलता मान रही है और आगे देश की सुरक्षा के लिए आतंकियों की प्लानिंग के बारे में पता लगाने में जुटी है। अभी तक यही सामने आया है कि ये आतंकी बंगाल के मुर्शिदाबाद और फलाकाटा में कई बैठकें कर चुके थे। जहां नूर इस्लाम मंडल नाम का आतंकी अपने साथियों के साथ आया था और इस बैठक में आरएसएस सदस्यों और हिंदू संगठनों के सदस्यों को मारने की बात हुई थी।

भोपाल में पूर्व आरटीओ कांस्टेबल के घर लोकायुक्त का छापा

52 किलो सोना और 10 करोड़ नकद बरामद

भोपाल, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भोपाल में एक पूर्व आरटीओ कांस्टेबल सौरभ शर्मा और उनके साथी चंदन सिंह गौर के घर लोकायुक्त के छापे के बाद एक बड़ा खुलासा हुआ है। मेंडोरी गांव के पास एक गाड़ी से 52 किलो सोना और 10 करोड़ रुपए मिले हैं। यह सम्पत्ति शर्मा और गौर से जुड़ी हो सकती है, जिन पर पहले से ही आय से अधिक सम्पत्ति का मामला चल रहा था। गुरुवार को हुए छापे में शर्मा के घर से 2.5 करोड़ रुपए नकद, जेवर और प्रॉपर्टी के दस्तावेज मिले थे। शर्मा

ने एक साल पहले स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी और अब रियल एस्टेट के कारोबार में हैं।

लोकायुक्त की स्पेशल पुलिस एस्टेब्लिशमेंट ने गुरवार को सौरभ शर्मा और चंदन सिंह गौर के घरों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार और अवैध भूमि उपयोग की शिकायतों के बाद शुरू हुई थी। शर्मा के अरेरा कॉलोनी स्थित घर से 2.5 करोड़ रुपए नकद मिले। साथ ही सोने-चांदी के जेवर और प्रॉपर्टी के दस्तावेज भी बरामद हुए। इन सम्पत्तियों की कुल कीमत तीन करोड़ रुपए से ज्यादा आंकी गई है। शर्मा के अलावा गौर के घर से भी महत्व-पूर्ण दस्तावेज और सामग्री जब्त की गई।

इस मामले में सबसे चौंकाने वाला खुलासा मेंडोरी गांव के पास एक छोड़ी हुई गाड़ी से हुआ। इस गाड़ी से 52 किलो सोना और 10 करोड़ रुपए नकद मिले हैं। लोकायुक्त अधिकारियों को शक है कि यह सोना और नकदी शर्मा और गौर की अवैध कमाई का हिस्सा हो सकते हैं। एडीजी लोकायुक्त जयदीप प्रसाद ने इस बात की पुष्टि की है कि जांच अभी जारी है और आगे और भी खुलासे हो सकते हैं।

सौरभ शर्मा पहले आरटीओ में कांस्टेबल था। उसने एक साल पहले परिवहन विभाग से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी। अब वह रियल एस्टेट के कारोबार में है। छापेमारी में शर्मा की कई प्रॉपर्टी, एक होटल और एक स्कूल में निवेश का भी पता चला है। ये प्रॉपर्टी भोपाल सहित कई जिलों में फैली हुई है। शर्मा मूल रूप से ग्वालियर का रहने वाला है।

वन नेशन वन इलेक्शन बिल जेपीसी के हवाले

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा ने शुक्रवार को वन नेशन वन इलेक्शन प्रस्ताव पर विधेयक को आगे की समीक्षा के लिए जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी को भेजने का प्रस्ताव पारित किया। सदन में यह प्रस्ताव केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने पेश किया। जेपीसी में लोकसभा से 27 और राज्यसभा से 12 सदस्य होंगे। इनमें कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और मनीष तिवारी, भारतीय जनता पार्टी की बांसुरी स्वराज और अनुराग सिंह ठाकुर और एनसीपी की सुप्रिया सुले का नाम भी शामिल है। इनके अलावा, सुखदेव भगत, धर्मेंद्र यादव, छोटेलाल, कल्याण बनर्जी, टीएम सेल्वागणपति को भी जेपीसी में शामिल किया गया है।

जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी में राज्यसभा के भी 12 सदस्यों को शामिल किया गया है। इनमें घनश्याम तिवारी, भुवनेश्वर कलिता, के लक्ष्मण, कविता पाटीदार, संजय कुमार, रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल वासनिक, साकेत गोखले, पी विल्सन, संजय सिंह, मानस रंजन मनग्राज और वी विजय साई रेड्डी का नाम शामिल है। पिछले हफ्ते मोदी कैबिनेट से पास इस विधेयक का उद्देश्य पूरे भारत में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना है। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक पेश किए जाने का विरोध किया। इसके लिए वोटिंग भी हुई थी। इस विधेयक के समर्थन में 269 सदस्यों ने विधेयक पेश किए जाने के पक्ष में मतदान किया, जबकि 196 ने इसके खिलाफ मतदान किया। भारतीय जनता पार्टी के सांसद भर्तृहरि महताब को वन नेशन वन इलेक्शन के लिए गठित कमेटी का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। महताब को संसद की संयुक्त समिति का अध्यक्ष बनाने पर विचार किया जा रहा है। ओडीशा से सात बार लोकसभा सदस्य रह चुके महताब 31 सदस्यीय जेपीसी में शामिल हैं।

प्रियंका गांधी को भाजपा सांसद ने दिलाई सिख दंगे की याद

हाथ में थमाया 1984 दंगा लिखा हुआ बैग

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। इन दिनों अपने अलग-अलग बैग के कारण चर्चा में बनीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को भारतीय जनता पार्टी की सांसद अपराजिता सारंगी ने एक नया बैग गिफ्ट किया। अपराजिता सारंगी ने बताया कि प्रियंका गांधी अक्सर नए-नए बैग लेकर संसद आती हैं, इसलिए उन्होंने सोचा कि उन्हें एक विशेष बैग गिफ्ट करना चाहिए। इस बैग पर 1984 दंगा लिखा हुआ है, जो उस समय की भयावह घटनाओं की याद दिलाता है। 1984 में हुए दंगों में सैकड़ों सिखों की जान गई थी, और यह घटना आज भी कई लोगों के लिए एक दर्दनाक स्मृति है।

1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सड़कों पर सिखों के नरसंहार हुआ था जिसपर कांग्रेस कभी अपना मुंह नहीं खोलती। एक बार पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने उस नरसंहार को यह कहकर सही ठहराया था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो छोटे पेड़ पौधे दबते ही हैं।

अनुत्पादक और बेमानी साबित हो रही संसद

नेताओं ने संसद में लगाया करोड़ों का चूना

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त हो गया है। भारी हंगामे के बीच लगातार कई विवाद देखने को मिले। संसद के अंदर फैशन परेड और नुक्कड़छाप शोर-शराबे से लेकर संविधान, अंबेडकर और धक्का मुक्की तक, कई ऐसी घटनाएं रहीं जिन्होंने सुर्खियां तो बटोरीं, लेकिन भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली के प्रति लोगों के मन में वितृष्णा का भाव भर दिया। हर बार की तरह इस बार भी संसद में काम कम हुआ और हंगामा ज्यादा। इस बार की संसद 25 नवंबर को शुरू हुई और 29 नवंबर तक सिर्फ 40 मिनट की कार्यवाही हुई। यानी कि 4 दिनों में सिर्फ 40 मिनट। इसी तरह अगर 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक का हाल देखें तो फिर बवाल ही ज्यादा रहा और काम न के बराबर। आखिर के चार दिनों में संविधान पर बहस हुई, एक देश एक चुनाव बिल पेश हुआ और धक्का मुक्की वाले कांड ने विवाद खड़ा किया।

संसद की कार्यवाही पर हर मिनट ढाई लाख का खर्च होता है। एक घंटे के हिसाब से देखें तो 1.5 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। बड़ी बात यह है कि यो जो सारा पैसा संसद चलाने में इस्तेमाल हो रहा है, वो आम जनता के टैक्स का पैसा है। इसका मतलब यह है कि जितनी बार भी संसद को स्थगित किया जाता है, नुकसान सिर्फ समय का नहीं हो रहा है बल्कि आम लोगों के पैसों का भी नुकसान हो रहा है। वैसे पिछली बार जब मानसून सत्र हुआ था, तब जरूर सदन में ज्यादा काम भी देखने को मिला और कार्यवाही भी सुचारू रूप से चलती दिखी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने खुद बताया था कि मानसून सत्र के दौरान 115 घंटे की कार्यवाही हुई थी, 136 फीसदी काम हुआ था। यह लोकसभा में निर्धारित समय का 123 फीसदी रहा तो वहीं राज्यसभा में 110 फीसदी। बड़ी बात यह रही कि उस दौरान 12 सरकारी विधेयक संसद में पेश हुए थे, 4 को पारित भी किया गया। तब तो संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने भी कहा था कि कई सालों बाद संसद अच्छे तरीके से चला।

लेकिन इस बार शीतकालीन सत्र के लिए, ऐसा नहीं कहा जा सकता। इस बार तो लगातार ही संसद स्थगित होती रही, सिर्फ एक देश एक चुनाव बिल और संविधान बहस के दौरान थोड़ी बहुत संसद चली, लेकिन उसके अलावा पूरी कार्यवाही हंगामे के भेंट चढ़ी।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री

ओमप्रकाश चौटाला का निधन

गुरुग्राम, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला का गुरुग्राम में 89 साल की उम्र में निधन हो गया है। डॉक्टरों ने उनकी मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट बताई है। वह इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रमुख थे। उन्होंने अपना अंतिम चुनाव साल 2005 में रोड़ी विधानसभा से लड़ा था। वह ताऊ के नाम से प्रसिद्ध चौधरी देवीलाल के चार बेटों में से एक थे। चौटाला ने 87 साल की उम्र में 10वीं और 12वीं की परीक्षा दी थी और वे इसमें प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए थे। ओमप्रकाश चौटाला के दो बेटे हैं अजय चौटाला और अभय चौटाला। अजय चौटाला के बेटे का नाम दुष्यंत चौटाला और दिग्विजय चौटाला है। अभय चौटाला के बेटे का नाम कर्ण चौटाला और अर्जुन चौटाला है। अजय चौटाला के दोनों बेटे राजनीति में हैं। ओमप्रकाश चौटाला ने साल 1968 में अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, उन्हें अपने पहले विधानसभा चुनाव में हार का मुंह देखना पड़ा था। इसके एक साल बाद हुए चुनाव में वे कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़े और जीतकर विधायक बने। इसके बाद 2 दिसंबर 1989 को वह हरियाणा के सातवें मुख्यमंत्री बने थे।

अयोध्या में सीएम योगी बोले

सनातन ही राष्ट्रीय धर्म है

अयोध्या, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में दर्शन करने के बाद रामलला के दर्शन किए। इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने के लिए अशर्फी भवन पहुंचे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अशर्फी भवन के पास मंडप में आयोजित पंच नारायण महायज्ञ में आहुति अर्पित की। इस मौके पर सीएम ने कहा कि श्रीहरि की कृपा से यह सृष्टि संचालित है। अयोध्या धाम त्रेतायुग की अवधारणा को जिंदा कर रहा है। विश्व मानवता को बचाना है तो सनातन धर्म को सुरक्षित रखना होगा।

सीएम ने कहा कि विरासत को विस्मृत कर हम भौतिक विकास को नहीं बनाए रख सकते। विरासत और भौतिक विकास का समन्वय होना चाहिए। भारत की परंपरा इष्ट देवों, धर्म स्थलों, मान बिंदुओं से है। इन मूल्यों को याद कर आगे बढ़ेंगे तो भारत बना रहेगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत विकसित भारत के रूप में आगे बढ़ रहा है। सीएम

ने कहा कि विश्व मानवता को बचाना है तो सनातन धर्म को सुरक्षित रखना होगा। सनातन धर्म सुरक्षित है तो सब सुरक्षित हैं। कोई मत, मजहब नहीं है। इसमें सबके कल्याण की बात की गई हो। सनातन धर्म में वसुदेव कुटुंबकम की बात कही गई है। दुनिया के हर जाति, मत, मजहब, संप्रदाय के लोगों को विपत्ति के समय सनातन धर्म ने शरण दिया। लेकिन, आज दुनिया में हिंदुओं के साथ क्या हो रहा है? बांग्लादेश में क्या हो रहा है? हम सभी देख रहे हैं। पाकिस्तान-अफगानिस्तान में पहले क्या हुआ?

सीएम ने कहा कि कभी काशी विश्वनाथ तो कभी राम जन्मभूमि, मथुरा, संभल, हरिहर भूमि तो कभी भोज में मंदिरों को नष्ट किया जाता है, तोड़ा जाता है, अपवित्र किया जाता है। जिन्होंने अपवित्र किया मंदिरों को उनके कुल वंश नष्ट हुए। दुनिया के अंदर विश्व शांति की स्थापना करना है तो सनातन धर्म ही कर सकता है। भारत के अंदर सनातन धर्म ही राष्ट्रीय धर्म है। इसकी रक्षा संरक्षण के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि अशर्फी भवन सैकड़ों वर्षों से अपनी परंपरा के लिए जाना जाता है। मंदिर आंदोलन को यज्ञ मानकर धार्मिक पीठों ने सफलता की नई ऊंचाई तक पहुंचाया, जिसका परिणाम आज सबके सामने है। पांच फरवरी 2020 को पीएम मोदी के हाथों राम मंदिर की आधारशिला रखी गई, जबकि 22 जनवरी 2024 को रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं। कौन ऐसा रहा होगा जिसकी आंखों में श्रद्धा के आंसू न आए हों। सीएम ने कहा कि काशी, अयोध्या में त्रेता युग की स्मृतियां जीवंत हो रही है। रामलला का आगमन हो गया है।

यहां से निकलकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरयू अतिथि गृह पहुंचे और वहां समीक्षा बैठक की। सीएम योगी ने महाकुंभ और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के वर्षगांठ महोत्सव के साथ-साथ मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। बैठक में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, खाद्य रसद मंत्री सतीश शर्मा, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर और खेलकूद मंत्री गिरीश यादव मौजूद थे।

काशी में मंदिर को लेकर मिली धमकी

मंदिर में नहीं होने देंगे पूजा पाठ

वाराणसी, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। मुस्लिम बहुल क्षेत्र मदनपुरा में मिले महादेव के मंदिर को लेकर विवाद गहराता चला जा रहा है। एक ओर जहां हिंदू संगठन पूजा-पाठ शुरू करने के लिए तमाम प्रयास कर रहे हैं। वहीं जिस मकान में मंदिर मिला है। उस मकान के मालिक शहाबुद्दीन ने पूजा पाठ नहीं होने देने की धमकी दी है। उसका कहना है कि मंदिर जैसा था वैसा ही रहने दिया जाए।

शहाबुद्दीन ने बताया कि एक बंगाली परिवार से हमारे पूर्वज ताज बाबा ने प्रापर्टी खरीदी थी। जब बंगाली परिवार यहां से गया तो सब कुछ साथ लेकर गया। अब पूजा पाठ करने से स्थानीय लोगों पर असर पड़ेगा। यहां के लोग किसी तरह से जीविका चलाते है।

भीड़भाड़ का इलाका है, लोगों को परेशानी होगी। मंदिर का स्वरूप कभी बदला नहीं जाएगा। मंदिर 60 साल से बंद है। चल-अचल सम्पत्ति को परिवार अपने साथ ले गया।

एडीएम आलोक वर्मा ने बताया कि प्रकरण पर जांच चल रही। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ बताया जा सकता है। शांति व्यवस्था को देखते हुए सुरक्षा के लिए फोर्स तैनात कर दी गई है। काशी विद्वत परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री प्रो रामनारायण द्विवेदी ने बताया कि जिलाधिकारी को पत्र भेजकर पूजा पाठ की मांग की गई है। मंदिर मिलने के बाद पूजन करने देना चाहिए। इस मुद्दे पर किसी को आपत्ति नहीं होना चाहिए।

संभल पहुंची एएसआई की टीम

19 कूप और पांच तीर्थों का किया सर्वे

कार्बन डेटिंग के लिए शिव मंदिर के लिए नमूने

संभल, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल शहर और आसपास के 19 कूप और 5 तीर्थों का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम ने शुक्रवार को सर्वेक्षण किया। टीम ने प्राचीन शिव मंदिर परिसर के कुएं से कार्बन डेटिंग के नमूने लिए और डीएम के अनुरोध पर सर्वे रिपोर्ट तैयार करेगी। चार सदस्यीय टीम शुक्रवार की सुबह करीब छह बजे लखनऊ से संभल पहुंची। टीम ने खग्गू सराय में स्थित प्राचीन शिव मंदिर और इसके परिसर में खोले गए कुएं की कार्बन डेटिंग के लिए नमूने लिए हैं।

इसके अलावा शहर के अलग अलग स्थानों पर स्थित 19 कूप का भी सर्वे किया। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को पत्र लिखा था। इसी क्रम में चार सदस्यीय टीम संभल पहुंची। सुबह छह बजे से दोपहर साढ़े तीन बजे तक सर्वे किया है।

टीम अपनी रिपोर्ट देगी उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मालूम हो 14 दिसंबर को संभल एसडीएम वंदना मिश्रा ने पुरातत्व निदेशालय के निदेशक को पत्र लिखा था। जिसमें आग्रह किया गया था कि संभल में प्राचीन तीर्थों और कूपों के काल निर्धारण के लिए सर्वे किया जाए। इसके लिए टीम गठित करने का आग्रह किया था। इसी के आधार पर टीम ने संभल पहुंचकर सर्वे किया है।

कथा के दौरान मची भगदड़, कई महिलाएं चोटिल

मेरठ, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। मेरठ के शताब्दी नगर में चल रही प्रदीप मिश्रा की शिवमहापुराण के दौरान भगदड़ मच गई। कई महिलाओं को हल्की चोटें भी आई हैं। कथा का आज छठा दिन था।

हर दिन जहां डेढ़ लाख श्रद्धालु कथा सुनने पहुंच रहे थे वहीं आज श्रद्धालुओं की संख्या ढाई लाख पहुंच गई। बताया गया कि व्यवस्था बनाने में काफी दिक्कत आई। भीतर की तरफ पंडाल पूरी तरह फुल हो गया, जबकि बाहर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हो गए थे। इनमें काफी संख्या में महिलाएं भी थीं। बाहर जमा श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस दौरान कई महिलाएं मामूली रूप से चोटिल हो गईं। आयोजकों को कहना है

कि कथा स्थल पर भगदड़ नहीं मची बल्कि बाहर ज्यादा संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, ऐसे में पंडाल के बाहर जमा श्रद्धालुओं की व्यवस्था बनाने में परेशानी हुई। इस दौरान कुछ महिलाएं गिर गईं।

शताब्दीनगर में चल रही शिव महापुराण कथा में गुरुवार को कथा व्यास पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि परमात्मा ने जो भी अवसर दिए हैं, उनका सदुपयोग करें। अगर सदुपयोग कर लिया तो फिर कोई आपको गिराने वाला नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म दैवीय सुगंध है। सनातन की सुगंध को कोई मिटा नहीं सकता। कथा में महामंडलेश्वर अनंतदास महाराज (फ्लाइट बाबा) भी पहुंचे। पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने व्यास पीठ का पूजन किया। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि अगर कोई असमर्थ बालक या बालिका को शिक्षा दिलवा सके तो इससे बेहतर कोई दान नहीं है। महीने में एक शिवरात्रि, वर्ष में बारह शिवरात्रि और महाशिवरात्रि आती है, वहीं शिव कथा के मध्य में नित्य ही शिवरात्रि आती है। कथा से पूर्व वीआईपी पंडाल से कुर्सी हटा दी गई। कुर्सी हटाने पर उन्होंने कहा कि बहुत प्रसन्नता हो रही वीआईपी वालों के घुटने मेरे भोले बाबा ने सही कर दिए हैं। सभी नीचे जमीन पर आराम से बैठे हैं।

कथा व्यास ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी ने भी नारा दिया है- बंटोगे तो कटोगे। यह संदेश सबको साथ जोड़ने के लिए है। उन्होंने कहा कि सभी समूह में रहें। चींटी भी हमें ज्ञान देती हैं। चींटियां समूह में चलती हैं। इसलिए चींटी से एकजुट होना सीखें। वे एकजुट होकर कचरे में भी शक्कर का दाना निकाल लेती हैं। कथा के दौरान अंतिम दिन भारी भीड़ से अव्यवस्था हावी रही।

भीड़ अधिक होने के कारण हर तरफ बैरिकेडिंग की गई थी। वीआईपी कार्ड धारकों को गेट नंबर 1 से अंदर भेजा जा रहा था। इसी दौरान काफी संख्या में महिलाएं इस गेट की ओर चली आईं। पुलिस ने इस गेट से महिलाओं को जाने से रोका तो इसी दौरान कुछ महिलाएं पीछे लौटते समय नीचे गिर गईं। नीचे गिरी महिलाओं को अन्य श्रद्धालुओं ने उठाया। इसी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे कथा में भगदड़ की अफवाह फैल गई। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि कथा में किसी तरह की कोई भगदड़ नहीं मची है।

सपा सांसद बर्क के खिलाफ प्रशासन का एक्शन जारी

सांसद के घर के बाहर अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

बिजली चोरी में लगा 1.91 करोड़ का जुर्माना

संभल, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। जिला प्रशासन ने बीते 24 घंटों में उनके खिलाफ एक के बाद एक कार्रवाई की हैं। गुरुवार को बिजली चोरी का मामला सामने आने के बाद शुक्रवार को उनके घर पर प्रशासन का बुलडोजर चला।

सांसद पर बिजली चोरी का केस दर्ज करते हुए 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि सांसद और पूर्व सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क के नाम से लगे दो मीटरों की एमआरआई जांच में गड़बड़ी पाई गई। नों मीटरों से छेड़छाड़ कर बिजली चोरी की गई थी। मंगलवार को स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद जांच में गड़बड़ी का खुलासा हुआ। शुक्रवार को नगर निगम ने सपा सांसद के घर के बाहर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नाली पर बनी सीढ़ियां और स्लैब तोड़ दिए।

प्रशासन ने बताया कि यह निर्माण बिना

नक्शा पास कराए किया गया था। कार्रवाई के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही और ड्रोन से निगरानी की गई। सांसद के पिता पर विद्युत विभाग के अधिकारियों को धमकाने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। इन कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि जियाउर्रहमान बर्क प्रशासन के निशाने पर हैं। बिजली चोरी के मामले में भारी जुर्माना और अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाने से उनके लिए मुश्किलें और बढ़ गई हैं। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई नियमों का पालन करते हुए की जा रही है और आगे भी जारी रहेगी।

बिजली चोरी मामले में जुर्माने के साथ-साथ सपा सांसद को नोटिस देकर जवाब भी मांगा गया है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सांसद और पूर्व सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क के नाम से दो मीटर लगे हैं। दोनों की क्षमता चार किलोवाट है। दोनों ही मीटर से छेड़खानी कर बिजली चोरी की गई। इसी क्रम में जुर्माना बनाया गया है। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि मंगलवार को सांसद और पूर्व सांसद के नाम से लगे बिजली के पुराने मीटर बदले गए थे। उन मीटर की एमआरआई कराने पर गड़बड़ी पकड़ी गई थी। जितना भार था उससे कहीं ज्यादा कम यूनिट मीटर में मिले। स्मार्ट मीटर लगाने के बाद इस्तेमाल किए जाने वाले भार की जानकारी हुई थी। इसके बाद ही चेकिंग की गई। जिसमें बिजली चोरी का पूरा खुलासा हो सका।

राम मंदिर में नए पुजारियों की ड्यूटी लगी

अयोध्या, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। राम मंदिर में नए पुजारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। पुजारियों के लिए कई कठिन नियम भी बनाए गए हैं। पुजारियों के लिए राम मंदिर में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है। जल्द ही पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू करने की तैयारी है। राम मंदिर में अभी 14 पुजारी ड्यूटी दे रहे हैं। राम मंदिर समेत कुबेर टीला व हनुमान मंदिर में पूजन के लिए पुजारियों को सात-सात के दो ग्रुप में बांटा गया है। दो अलग-अलग पालियों में इनकी ड्यूटी भी लगाई जा रही है। चार पुजारी गर्भगृह में तो तीन पुजारियों की ड्यूटी गर्भगृह के बाहर लगाई गई है। अब पुजारी मंदिर में फोन का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। इसमें पीली चौबंदी, धोती, कुर्ता व सिर पर पीले रंग की ही पगड़ी शामिल होगी। भगवा रंग का ड्रेस भी शामिल किया जाएगा। जल्द ही पुजारियों के दूसरे बैच का प्रशिक्षण भी शुरू करने की तैयारी है। रामजन्मभूमि परिसर में कुल 19 मंदिर बन रहे हैं, इसलिए पुजारियों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

महिला खनन अधिकारी पर हमला करने के चार आरोपी गिरफ्तार

सीतापुर (एजेंसियां)। यूपी के सीतापुर में इमलिया सुल्तानपुर थाने की पुलिस ने महिला खनन अधिकारी पर हमले के आरोपी अरिजीत शुक्ला के बाबा हिस्ट्रीशीटर रामकुमार शुक्ला को गिरफ्तार किया है। इसके साथ उनके भाई अर्पित शुक्ला, चचेरे भाई शैलेश शुक्ला व लोकेश शुक्ला को भी गिरफ्तार किया गया है। रामकुमार शुक्ला पर 19 गम्भीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

एसपी चक्रेश मिश्र ने बताया कि यह अंतर्जनपदीय अपराधी हैं। जिनके विरुद्ध हत्या, बलवा, धोखाधड़ी, डकैती, चोरी,

छेड़छाड़ व अन्य आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बताया कि बीती 23 सितम्बर को उदयपुर कोरैया गांव में चकबंदी प्रक्रिया के दौरान विवाद किया था। यह सभी चार माह से वांछित थे। रामकुमार शुक्ला पर 19 मुकदमे, अर्पित शुक्ला 3 मुकदमे, शैलेश पर 1 मुकदमा और लोकेश पर एक मुकदमा दर्ज है।

बनारसी साड़ी : काशी के कारोबार की बढ़ रही चमक, सात समुंदर पार से भी आती हैं डिमांड

वाराणसी, 20 दिसंबर ताने बाने पर तैयार जीआई उत्पाद में शामिल बनारसी साड़ी की बिक्री दुनिया भर में हो रही है। कारोबार की नजरिए से देखें तो सात समुन्दर पार तक बनारसी साड़ी की मांग है। पहले और अब में दोगुना का अंतर आया है।

पिछले साल फर्म 761 थी तो इस साल फर्म की संख्या एक हजार पहुंच गई है। 600 करोड़ का सलाना कारोबार जीएसटी के आंकड़ों में दर्ज है। जीएसटी आंकड़ों पर गौर करें तो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 597 करोड़ 15 लाख 96 हजार का बनारसी साड़ी कारोबार हुआ है। 965 फ़र्म की संख्या है।

जिले में जीएसटी के कुल 21 खंड से बनारसी साड़ी का कारोबार सबसे अधिक खंड तीन से हुआ है। जबकि पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 में 466 करोड़ 13 लाख 48 हजार का कारोबार हुआ था। पिछले साल फर्म की संख्या 761 थी। वहीं, साड़ी उद्योग से जुड़े लोगों ने बताया कि यह सिर्फ कागजों के आंकड़ों में है। जबकि बनारसी साड़ी कारोबार और चढ़ा है। जीआई विशेषज्ञ डॉ. रजनीकांत ने बताया कि जीआई उत्पाद में शामिल बनारसी साड़ी की मांग बढ़ती जा रही है। दक्षिण भारतीय

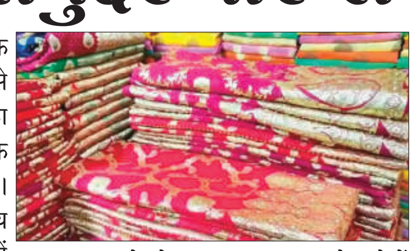

से लेकर अब हर राज्य के लोगों की पसंद बन चुकी है। देश की जानी मानी हस्तियों के आयोजनों में बनारसी साड़ी की चमक बिखर रही है। साल भर में की अपेक्षा ऑर्डर दोगुना हुए हैं। वैवाहिक सीजन में ऑर्डर थमने का नाम नहीं लिया। देश के उद्योगपति मुकेश ने अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की शादी में दुल्हन समेत अतिथियों के तन पर बनारसी साड़ी ही दिखी। बनारसी साड़ी वस्त्र उद्योग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजन बहल ने बताया कि बुनकरी और रंगाई-कढ़ाई से जुड़े कारीगरों को लगातार ऑर्डर मिल रहा है। बनारसी साड़ी कारोबार पिछले साल के मुकाबले तेजी से बढ़ा है।

नीता अंबानी और उनकी बहू राधिका के लिए बनारसी साड़ी बना चुके रामनगर के मच्छरहट्टा निवासी निलेश मौर्य ने पेरिस ओलंपिक में बनारसी साड़ी की प्रदर्शनी लगाई थी। रिलायंस समूह की ओर से लगाए गए फ़्रेयर में बनारसी साड़ी को खूब पसंद किया गया था।

युवाओं में बनारसी साड़ी का क्रेज बढ़ा है। शादियों के अलावा नवयुवतियां ऑफिस में भी बनारसी साड़ियां पहनकर जा रही हैं। कारोबारी शैलेष सिंह ने बताया कि बनारसी साड़ी की मांग युवाओं में ज्यादा है। भारत के पड़ोसी के अलावा अब यूरोपीय देशों में मांग बढ़ी है। वहां जो भारतीय रहते हैं, वे पसंद कर रहे हैं।

फिल्मों में भी बनारसी साड़ी की मांग है। जलालीपुरा के नसीम अहमद व वसीम अहमद ने बताया कि बनारसी साड़ी की मांग आज भी देश-विदेश में हैं। देश में सबसे ज्यादा दक्षिण भारत में करीब 40 फ़ीसदी है। इसके बाद महाराष्ट्र, गुजरात में हैं। हालांकि सूरत की साड़ी की मंडी सबसे बड़ी है। क्योंकि वहां के कारोबारी तकनीक रूप से आगे है।

संपादकीय

'अंबेडकर' एक सियासी फैशन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में बयान दे दिया कि अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर कहना अब एक राजनीतिक फैशन बन गया है। इस बयान से कुछ हद तक हम भी इत्तफाक रखते हैं, लेकिन गृहमंत्री ने यह भी कहा कि यदि इतनी बार भगवान का नाम लिया होता, तो सात जन्मों के लिए स्वर्ग ही मिल जाता।' बेशक बाद का कथन आपत्तिजनक है। संसद में ऐसे कथन 'असंसदीय' माने जाते रहे हैं। दरअसल बयान से न तो बाबा अंबेडकर का अपमान हुआ है और न ही किसी का सम्मान हुआ है। उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने गृहमंत्री का इस्तीफा मांगा और देश से माफी मांगने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से भी आग्रह किया कि अमित शाह को कैबिनेट से बर्खास्त कर दिया जाए। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर ही पलटवार कर सियासत को अलग दिशा दी। प्रधानमंत्री के बयान को सामान्य नहीं माना जा सकता। अंबेडकर ने भारत का संविधान लिखने में अग्रणी भूमिका निभाई, लेकिन आजादी के अल्पकाल के बाद ही उन्हें एहसास हो गया था कि संविधान गलत हाथों में चला गया है। इस संदर्भ में उन्होंने राज्यसभा में ऐसा बयान दिया था, जिसे हम दोहराना नहीं चाहते। उस बयान के निहितार्थ ये थे कि बाबा को संविधान तैयार करने का अफसोस, उनके भीतर, था। लेकिन उन्होंने संविधान के जरिए दलितों, वंचितों, पिछड़ों, आदिवासियों आदि के लिए आरक्षण की जो व्यवस्था की और सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक विषमताओं से लडऩे की जो क्षमता दी, उसके मद्देनजर ये वर्ग बाबा को 'महामानव' और 'भगवान' के समान ही मानते हैं। लिहाजा अंबेडकर के खिलाफ जो सियासत खेली जाती है या विवादास्पद बयान दिए जाते हैं, तो वे हरकतें इन तबकों को असहनीय लगती हैं। अंबेडकर से भाजपा (अथवा जनसंघ) के राजनीतिक सरोकार बेहद कम रहे हैं। देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू ने उन्हें देश की प्रथम राष्ट्रीय सरकार में कानून मंत्री बनाया था। उसी सरकार में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी उद्योग-वाणिज्य मंत्री थे। नेहरू और इन दोनों बौद्धिक नेताओं के बीच कई विरोधाभास थे। वे नेहरूवादी नीतियों से सहमत भी नहीं थे, नतीजतन दोनों ने मंत्री पद से इस्तीफे दिए। कांग्रेस में अंबेडकर की राजनीति के विरोध की शुरुआत यहीं से होती है। श्यामा प्रसाद ने 'जनसंघ' पार्टी की स्थापना की, तो अंबेडकर ने डॉ. राममनोहर लोहिया के साथ मिल कर 'सामाजिक न्याय' की राजनीति का सूत्रपात किया। उन्हें हिंदूवादी राजनीति का भी कुछ समर्थन मिला। नेहरू ऐसी सियासत के खिलाफ थे, नतीजतन उन्होंने भरपूर प्रचार और प्रयास कर अंबेडकर को दो बार लोकसभा चुनाव हराया। उन पराजयों पर नेहरू बेहद खुश थे। उन्होंने ही तब की हिंदूवादी राजनीति को 'सांप्रदायिक' करार दिया था। ये बातें नेहरू के तत्कालीन पत्रों में स्पष्ट कही गई थीं। कांग्रेस का अंबेडकर-विरोध यहां से घनीभूत होना शुरू और 6 दिसंबर, 1956 को बाबा के निधन तक जारी रहा। प्रधानमंत्री नेहरू ने 1955 में खुद को 'भारत-रत्न' सम्मान से नवाज लिया, लेकिन देश के संविधान के रचनाकार अंबेडकर को इस लायक नहीं समझा। उसके बाद कांग्रेस की जितनी भी सरकारें आईं, उन्होंने बाबा अंबेडकर को 'भारत-रत्न' नहीं समझा। अंततः 1990 में वीपी सिंह सरकार ने, जिसे भाजपा और वामदलों का भी समर्थन था, बाबा को इस सर्वोच्च सम्मान से नवाजा। हम आज उस इतिहास को बार-बार दोहराने के पक्ष में नहीं हैं। हम ऐसा कई बार कह भी चुके हैं, लेकिन देश की शीर्ष राजनीति ही यह लीक पीट रही है, लिहाजा अतीत का विश्लेषण भी प्रासंगिक लगता है। बहरहाल, अंबेडकर के सियासी अनुयायी ढोंगी हैं, क्योंकि उन्हें बाबा के जीवन और दर्शन से कोई सरोकार नहीं है, लिहाजा सियासत एक फैशन ही है। उनके नाम पर सियासत नहीं की जानी चाहिए।

> उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने गृहमंत्री का इस्तीफा मांगा और देश से माफी मांगने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से भी आग्रह किया कि अमित शाह को कैबिनेट से बर्खास्त कर दिया जाए। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर ही पलटवार कर सियासत को अलग दिशा दी। प्रधानमंत्री के बयान को सामान्य नहीं माना जा सकता। अंबेडकर ने भारत का संविधान लिखने में अग्रणी भूमिका निभाई, लेकिन आजादी के अल्पकाल के बाद ही उन्हें एहसास हो गया था कि संविधान गलत हाथों में चला गया है। इस संदर्भ में उन्होंने राज्यसभा में ऐसा बयान दिया था, जिसे हम दोहराना नहीं चाहते। उस बयान के निहितार्थ ये थे कि बाबा को संविधान तैयार करने का अफसोस, उनके भीतर, था।

प्रियंका गांधी अपने कन्धे पर 'फिलीस्तीन की आजादी' लिखा बैग लेकर संसद में जाए तो फिलीस्तीन आजाद हो सकता है

थैले में फिलीस्तीन की आजादी

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> प्रियंका गांधी का प्रश्न है, उसको शायद किसी ने बता दिया होगा कि आजकल देश में प्रमुख मुद्दा फिलीस्तीन की आजादी का है। यदि कांग्रेस फिलीस्तीन की आजादी के पक्ष में खड़ी हो जाती है, तो भारत के लोग कांग्रेस के पक्ष में खड़े हो सकते हैं। यानी भारत में कांग्रेस की सत्ता में वापसी का रास्ता फिलीस्तीन की आजादी में से होकर गुजरता है। लेकिन असली मसला तो यह था कि कांग्रेस या भारत की फिलीस्तीन को आजादी दिलवाने में क्या भूमिका हो सकती है? आजादी प्राप्त करने का तरीका क्या है? सोनिया गांधी परिवार के लिए गणित के इस कठिन प्रश्न का उत्तर पा लेना जरूरी था।

गांधी नेहरु परिवार लम्बे अरसे से राजनीति में सक्रिय है। लेकिन यह शायद पहली बार है कि लगभग सारा परिवार संसद में उपस्थित है। सोनिया गांधी राज्यसभा की सदस्य हैं, उनका बेटा राहुल गांधी और उनकी बेटी प्रियंका गांधी लोकसभा की सदस्य हैं। मोती लाल नेहरु से राजनीति शुरू करने वाला यह परिवार सोनिया गांधी तक पहुंचते-पहुंचते देश की राजनीति में तो बना हुआ है, लेकिन भारतीय संस्कृति, उसके इतिहास व समाजशास्त्र से बुरी तरह कट चुका है। इसमें परिवार की इस पीढ़ी का दोष नहीं है। सोनिया गांधी से इस प्रकार की आशा भी नहीं करनी चाहिए। जहां तक उनके बेटे और बेटी का प्रश्न है, वे छोटी उम्र में ही पिता के साये से मरहूम हो गए थे। इसलिए उन पर माता का ही प्रभाव पड़ सकता था। यह प्रभाव पड़ा भी। यही कारण है कि राहुल गांधी जलेबियों की फैक्टरियां लगवा कर चुनाव जीतने की रणनीति बनाने लगे। जहां तक प्रियंका गांधी का प्रश्न है, उसको शायद किसी ने बता दिया होगा कि आजकल देश में प्रमुख मुद्दा फिलीस्तीन की आजादी का है। यदि कांग्रेस फिलीस्तीन की आजादी के पक्ष में खड़ी हो जाती है, तो भारत के लोग कांग्रेस के पक्ष में खड़े हो सकते हैं। यानी भारत में कांग्रेस की सत्ता में वापसी का रास्ता फिलीस्तीन की आजादी में से होकर गुजरता है। लेकिन असली मसला तो यह था कि कांग्रेस या भारत की फिलीस्तीन को आजादी दिलवाने में क्या भूमिका हो सकती है? आजादी प्राप्त करने का तरीका क्या है? सोनिया गांधी परिवार के लिए गणित के इस कठिन प्रश्न का उत्तर पा लेना जरूरी था। अब इस कठिन प्रश्न का उत्तर कांग्रेस के लिहाज से एक ही हो सकता था कि प्रियंका गांधी अपने कन्धे पर 'फिलीस्तीन की आजादी' लिखा बैग लेकर संसद में जाए तो फिलीस्तीन आजाद हो सकता है। फिलीस्तीनी आजादी से प्रसन्न होकर भारत में कांग्रेस की सत्ता वापसी हो सकती है। दूसरे दिन किसी ने बता दिया कि 'फिलीस्तीन की आजादी' भारत का इश्यू नहीं है। यहां तो सत्ता वापसी का रास्ता 'बांग्लादेश' के हिंदू का मसला उठाने से बन

सकता है। तब दूसरे दिन प्रियंका गांधी अपने पर्स पर बांग्लादेश लिखवा लाईं। लेकिन चिंता तो है ही। समय निकलता जा रहा है और सत्ता वापस आने के आसार दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रहे। खुदा का शुक्र है कि सोनिया जी के दोनों बच्चे अंग्रेजी पढ़े लिखे हैं। पुराने 'ब्रिटिश मास्टर' की किताबों में दिन-रात खपते हैं। आखिर यूरोप के लोग दो सौ साल हिंदुस्तान पर राज कैसे कर गए? इस मामले में सोनिया गांधी भी कुछ न कुछ बताती ही होंगी या कम से कम माथा तो खपाता ही होंगी। तब पता चलता है कि वे भारत के लोगों में फूट डालते थे और राज करते थे। तभी से पूरा 'राज परिवार' भारत में हर हालत में जाति के आधार पर जनगणना करवाने को लेकर छटपटा रहा है। प्रतीक्षा करनी चाहिए, अब प्रियंका गांधी 'जाति गणना करवाएं' वाला बैग लेकर संसद में कब आती हैं। सत्ता वापसी का एक दूसरा रास्ता भी दिखाई दे रहा है। ईवीएम को लेकर प्रतिदिन मातमी धुनें बजाई जाएं। इससे देश के भविष्य का प्रश्न जोड़ा जाए। इसलिए हर रोज कायदे से ईवीएम के तबले पर घंटों रियाज किया जाता है। लेकिन राज परिवार की इन हरकतों से आसपास के राजनीतिक पड़ोसी भी घबराहट में हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने तो इस बेमानी शोर शराबे से तंग आकर कह ही दिया कि लगता है आप लोगों से यह हो नहीं पाएगा। ईवीएम का रोना धोना बंद करो, सत्ता प्राप्ति का कोई दूसरा रास्ता तलाशो। लेकिन राज परिवार का यही तो संकट है। सत्ता तक पहुंच पाने का दूसरा रास्ता कहां है, सोनिया-राहुल-प्रियंका ने उस रास्ते की तलाश में मल्लिकार्जुन खडग़े साहिब को आगे कर दिया। वह हाथ में डंडा लेकर अंधेरे में टटोलते हुए एक-एक कदम आगे चलते हैं और राज परिवार उनके पीछे चलता है। दुनिया आशा पर ही टिकी हुई है। वैसे भी खडग़े देसी आदमी हैं, इस देश को बखूबी समझते हैं। कहीं न कहीं तो पहुंचाएंगे ही। परंतु खडग़े भी बेचारा क्या कर सकता है। दुनिया की नजर में तो वह आगे-आगे दिखाई देता है, लेकिन आज्ञा पीछे से राज परिवार ही दे रहा है। कभी दाएं मुड़, कभी बाएं मुड़। इस बुढ़ौती में खडग़े साहिब परेशान हैं। लेकिन हर हालत में इस पुराने राज परिवार के बच्चों को इस देश के तख्त पर बिठाना है। पर बच्चे नटखट हैं। खडग़े की सुनते नहीं, उन पर अपना हुक्म चलाते हैं। कभी सोरोस जार्ज के कन्धों पर सवार होकर चिकोटी काटते हैं और कभी अमेरिका की भारत विरोधी 'डीप सटेट' के अंग संग दिखाई देते हैं। यह डीप सटेट इतना तो समझ ही गई है कि भारत को तोडऩे का जो सामान और पटाखे उसने लम्बे अरसे से तैयार कर रखे थे, अब भारत में उसके माल का असली ग्राहक मिल गया है। इसलिए 'फाइव आईज' से ये पटाखे लेकर राज परिवार के बच्चे हर रोज भारत के आंगन में जलाते हैं और विदेशी षड्यन्त्रों का प्रदूषण फैलाते हैं। किसान को तो रोज समझाया और डराया जा रहा है कि पराली मत जलाओ, इससे प्रदूषण फैलता है। लेकिन यह पुराना राज परिवार विदेशी षड्यन्त्रों का जहरीला धुआं हर रोज फैलाता है। पर इनको कौन समझाए? खडग़े साहिब समझाते तो जरूर होंगे। पर बेचारे क्या करें? लाचार हैं। इस उम्र में राज परिवार की सेवा से किनारा भी तो नहीं कर सकते। अब राज परिवार पर एक नया भूत चढ़ बैठा है। हिंदू को छोड़ो, मुसलमान को पकड़ लो। वही इस भवसागर से पार लगाएगा और सत्ता के किनारे तक पहुंचा देगा। दूर पार के लोगों ने समझाया भी यहां हिन्दुस्तान में मुसलमान जैसा कुछ नहीं है। ये सब इसी देश के लोग हैं, इटली या अरब से आए हुए लोग नहीं हैं।

दृष्टि कोण

अनहद में समाया जाकिर हुसैन का तबला

विश्वविख्यात तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन का इस भौतिक जगत से ब्रह्म नाद में समा जाना पूरी दुनिया में शून्य पैदा कर गया। दुनिया भर के संचार माध्यम, रेडियो, टेलीविजन, समाचार पत्र, न्यूज चैनल, इंस्टाग्राम, ट्विटर, फेसबुक तथा वाट्सएप शोक संदेश तथा उस्ताद जाकिर हुसैन के किस्सों तथा तबला वादन के क्लिप्स से भर गए। नौ मार्च उन्नीस सौ इक्यावन को पैदा हुआ यह महान भारतीय कलाकार अपनी सुर और लय की सांगीतिक यात्रा पूर्ण कर पन्द्रह दिसम्बर दो हजार चौबीस को दुनिया में तबले का धमाल पैदा कर हमेशा के लिए ओझल हो गया। आने वाली पीढिय़ां विश्वास नहीं करेंगी कि भारतीय संगीत का पूरे विश्व में डंका बजाने बारे उस्ताद जाकिर हुसैन जैसा शख्स भी इस धरती पर अवतरित हुआ था। उनका इस धरा पर अवतरित होना तथा खो जाना अकल्पनीय है। अब दुनिया में तबले पर शिव के डमरू का नाद, शंख की ध्वनि, घोड़े का दौडऩा, दौड़ती रेलगाड़ी की आवाज, झगड़ते हुए पति-पत्नी की गुफ्तगू की ध्वनियां सुनने को नहीं मिलेंगी। संगीत के तराने, घरानों के सबक, महान गुरुओं के किस्से, जीवन के अनुभव, सांगीतिक एवं मानवीय संस्कार, अनुकरणीय उस्ताद की नम्रता और विनम्रता अब देखने को नहीं मिलेगी क्योंकि यह सत्य है और हमें विश्वास करना होगा कि मनुष्यों तथा कलाकारों में श्रेष्ठ उस्ताद जाकिर हुसैन जैसा अकल्पनीय तबला वादक अब हमारे बीच में नहीं है और वह नाद ब्रह्म की सेवा के लिए अनंत यात्रा पर निकल चुके हैं। ऐसा लग रहा है मानो लय थम सी गई है, सुर घुट सा रहा है तथा संगीत सिसकारियां भर रहा है। यह एक ऐसे श्रेष्ठ व्यक्ति की कहानी है जिसे लिखने के लिए जहां शब्द निःशब्द हो जाते हैं तथा गणनाएं शून्य हो जाती हैं, कल्पनाएं बड़ा आकार लेने के कारण उन्हें समेटा नहीं जा सकता तथा केवल अनुभव एवं अनुभूत किया जा सकता है। सौभाग्यशाली हैं वो लोग जिन्होंने उस्ताद जाकिर हुसैन के दर्शन किए हैं और उनका विलक्षण तबला वादन सुना है। एक ही बात मुंह से निकलती थी- वाह उस्ताद वाह, क्या बात है। बालक जाकिर हुसैन ने मात्र बारह वर्ष की आयु से ही व्यावसायिक तबला वादन का जलवा बिखेरना शुरू कर दिया था। उनके पिता अल्ला रक्खा खां साहब ने उनके तबले की तालीम तथा मां बीबी बेगम ने उनकी पढ़ाई पर केन्द्रित किया। उस्ताद जाकिर हुसैन पारिवारिक संस्कारों तथा पिता विश्वप्रसिद्ध पंजाब घराने के तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा खां साहब की कड़ी तालीम तथा देखरेख में आगे बढ़े हैं। तबले को आम आदमी की जिंदगी से जोडऩा तथा सामान्य घटनाओं, सूक्ष्म अनुभूतियों तथा ध्वनियों को तबले पर उतारना उनकी विशेषता रही है। उस्ताद जाकिर हुसैन ने विश्व भर के युवा तबला वादकों में एक खास अंदाज तथा तबला वादन के लिए एक विशेष आकर्षण पैदा किया है। उन्होंने विश्व में एकल तबला वादकों में प्रस्तुति का एक विशेष प्रदर्शन कौशल का अंदाज दिया है। जाकिर हुसैन ने लय-ताल तथा तबले के साथ विश्वभर के पाश्चात्य ताल वादकों के साथ अनेकों प्रयोग किए। तबला वादक होने के साथ वे एक संगीत निर्देशक, प्रयोगधर्मी तथा अभिनेता भी रहे हैं। उनको एक सम्पूर्ण कलाकार तथा श्रेष्ठ, अनुकरणीय एवं उदाहरणीय संगीतज्ञ के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। संगीत के करियर में उन्हें पांच ग्रैमी अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। जाकिर हुसैन ताउम्र देश-विदेश तथा अन्तरराष्ट्रीय संगीत समारोहों में अपने तबले का कमाल दिखाते रहे। वे दुनिया भर में भारतीय कला तथा संगीत के अग्रदूत थे। भारत सरकार द्वारा सन 1988 में महज 37 वर्ष की आयु में नागरिक अवार्ड पद्मश्री, 2002 में पद्म भूषण दिया गया तथा 22 मार्च 2023 को भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, अकादमी रत्न पुरस्कार, इंडो-अमेरिकन अवार्ड, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कालीदास सम्मान तथा अनेकों प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इस अनूठे तथा आकर्षक तबला वादक ने दुनिया भर में एक विशेष इज्जत तथा नाम कमाया है जो कि बिरले ही व्यक्ति को नसीब होता है। इतनी बड़ी शख्सियत के जाने पर महमूद रामपुरी का शे'र याद आता है, 'मौत उसी की है करे जिसका जमाना अफसोस/यूं तो दुनिया में सभी आए हैं मरने के लिए'। संगीत की दुनिया में अद्वितीय एवं अकल्पनीय योगदान देने के लिए भारतीय संगीत जगत उन्हें अनंत काल तक याद रखेगा। संगीत का यह सूर्य कभी भी अस्त नहीं हो सकता। संगीत के क्षेत्र में दुनिया में भारत का परचम लहराने के लिए भारतीय संगीत समाज में उस्ताद जाकिर हुसैन को भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रतिष्ठित सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' की मांग होने लगी है। निश्चित रूप से ऐसा होना भारत माता के अद्वितीय सपूत का सम्मान होने के साथ-साथ भारतीय कलाओं तथा कलाकारों का सम्मान होगा। संगीत जगत में उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा।

कुछ अलग

पिघली अवरोध की बर्फ

यह हकीकत है कि चीन भौगोलिक रूप से हमारा पड़ोसी है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। ऐसे में जरूरी है कि तमाम विसंगतियों के बावजूद अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के साथ पड़ोसी से रिश्ते बेहतर बनाए जाएं। लंबी खटास व तनातनी के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई हालिया बैठक के सार्थक परिणाम सामने आए हैं। बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्तूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जतायी। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सीमा व्यापार बढ़ाने, सीमा पार नदियों का डेटा साझा करने तथा कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहन करने के उद्देश्य से छह सत्री सहमति पर भी जोर दिया गया। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की सहमति से सारी चुनौतियां एकदम खत्म हो चुकी हैं। निर्विवाद रूप से सीमा विवाद एक संवेदनशील व जटिल मुद्दा बना है। जिसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि आपसी विश्वास में व्याप्त कमी को दूर किया जाए। निश्चित रूप से व्यावहारिक कूटनीति के साथ विश्वास निर्माण के उपायों को कदम दर कदम बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि इन प्रतिबद्धताओं को अमलीजामा पहनाने के लिये सतर्कता के साथ और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होगी। बहरहाल, खट्टे-मीठे रिश्तों और लंबी कटुताओं के बावजूद इस बैठक के निहितार्थों को व्यापक संदर्भों में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निर्विवाद रूप से चीन आज दूसरी बड़ी वैश्विक शक्ति है। भारत ने भी आर्थिक व अन्य क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है। इसके बावजूद दोनों ही देश वैश्विक शक्ति की बदलती गतिशीलता से जूझ रहे हैं। खासकर अमेरिका में होने जा रहे राजनीतिक परिवर्तन से उबरने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर। ऐसे में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को दोनों देशों की एकजुटता प्रभावित करने की क्षमता रखती है। खासकर व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय प्लेटफॉर्मों में सहयोगात्मक पहल से क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। निस्संदेह, दोनों देशों की सीमा पर शांति की पहल एक शुरुआत मात्र है। इसके उपरांत दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क, व्यापार बाधाओं व असंतुलन को दूर करना वक्त की जरूरत है। हमें सांस्कृतिक सहयोग के जरिये दोनों देशों के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने का लाभ उठाना चाहिए। विश्वास कायम करने और संघर्ष की छाया दूर करने के लिये ऐसे सकारात्मक कदम जरूरी हैं। निस्संदेह, रिश्तों को सामान्य बनाने का रास्ता लंबा है, लेकिन सार्थक संवाद से अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की आशा लगातार बनी रहती है। भारत और चीन के लिये शांति सिर्फ एक आदर्श मात्र नहीं बल्कि एक अपरिहार्य आवश्यकता है।

देश दुनिया से

संविधान का मर्म समझ अनुकरण की जरूरत

भले ही घोषित उद्देश्य कुछ भी रहा हो पर संसद के दोनों सदनों में भारत के संविधान के संदर्भ में हुई चार दिन की बहस कुल मिलाकर निराश करने वाली ही थी। निश्चित रूप से यह एक ऐसा अवसर था जब हमारे सांसद न केवल संविधान को नये सिरे से समझने की कोशिश के रूप में उपयोग में ला सकते थे, बल्कि देश के सामने एक ऐसी रूप-रेखा भी रख सकते थे जो 'संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य' की स्थापना के लिए 'हम भारत के लोगों ने समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के आधार पर अपने लिए बनाया था। हमारा संविधान नागरिक के अधिकारों के साथ-साथ उसके कर्तव्यों को भी परिभाषित करता है। 75 साल पहले हमने अपने लिए यह संविधान बनाया था और एक सपना देखा था कि इसके आधार पर हम एक नया भारत बनायेंगे। इसीलिए, यह एक अवसर था जब हम मिल-जुल कर यह आकलन करते कि हमारा यह संविधान, जो विश्व का सबसे वृहद लिखित संविधान है, अब तक अपने उद्देश्यों को पूरा करने में कितना सफल रहा है; नागरिक से और राजनेताओं से संविधान जो अपेक्षाएं करता है, उन्हें किस हद तक पूरा किया गया है; और हमें अपने लक्ष्यों तक पहुंचाने में यह संविधान अब तक कितना कुछ कर पाया है। यह अवसर था जब हम देखते कि संविधान में वर्णित सपनों को पूरा करने में हम कितनी दूरी तक पहुंच पाये हैं? वस्तुतः यह आत्म-विश्लेषण का भी अवसर था। अपनी उपलब्धियों और कमियों का ईमानदार आकलन होना चाहिए था। लेकिन, दुर्भाग्य से ऐसा कुछ हुआ नहीं। इस संदर्भ में संसद के दोनों सदनों में जो कुछ हुआ वह कुल- मिलाकर निराश करने वाला ही था। सारी बहस के दौरान कहीं ऐसा नहीं लगा कि सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष ने इस संदर्भ में कोई विशेष तैयारी की थी। एक-दूसरे पर आरोपों-प्रत्यारोपों का वही सिलसिला इस बार भी दिखा जो दुर्भाग्य से हमारी संसद में होने वाली बहसों की एक पहचान बन चुका है। यह कहना ग़लत होगा कि हमारी संसद में सही सोच वाले और दूसरे की बात को सही ढंग से समझने वाले लोग हैं ही नहीं, पर पता नहीं क्यों हमारे राजनीतिक दल और अधिकांश राजनेता व्यक्तिगत आरोपों-प्रत्यारोपों से ऊपर उठकर कुछ सोचने-कहने के लिए तैयार ही नहीं दिखते। विश्व का सबसे विस्तृत संविधान बनाने वाले हमारे संविधान-निर्माताओं ने इसे तैयार करने के लिए हर धारा, हर शब्द पर गहराई और गंभीरता से विचार किया था। संविधान-सभा की सारी कार्रवाई उपलब्ध है। वे सारी बातें और भाषण मौजूद हैं जिनके माध्यम से संविधान के लक्ष्यों को प्राप्त करने की आशाएं बांधी गयी थीं। ऐसा नहीं है कि हमारे संविधान-निर्माताओं में मतभेद नहीं थे। खूब मतभेद थे। पर उन्होंने बड़े ही धैर्य से मतभेदों की कंटीली राहों में विवेक के आधार पर पगडंडियां बनायीं- हमारे लिए एक ऐसी विरासत छोड़ गये जो हमारी राहों को सुगम बना सकती थी। यह अवसर उस विरासत के बारे में विचार करने का था, उन दार्शनिक आधारों को समझने का था जो हमारी विकास-यात्रा के लिए हमारे पूर्वजों ने हमें सौंपे थे। दुर्भाग्य ही है कि संसद में हुई चार दिन की बहस कुछ व्यक्तियों-परिवारों की आलोचना में सिमट कर रह गयी। लगभग सभी वक्ता वही सब बोले जो वह चुनावी सभाओं में बोलते चले आ रहे हैं। वही सोच, वही शब्दावली। मैं दुहराना चाहता हूं कि यह अवसर आरोपों-प्रत्यारोपों का नहीं, आत्मालोचन का था। संसद में पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए दूसरे की कमीज़ को अधिक मैला साबित करने के बजाय अपनी कमीज़ के दागों को देखने का मौका था यह। यह मौका उन्होंने गंवा दिया। नुकसान उनका नहीं हुआ, नुकसान हुआ है भारत के उस आम नागरिक का जो सब कुछ देखने के बावजूद उम्मीद लगाये बैठा है कि उसके नेता कभी तो सही राह पर आयेंगे। पिछले एक लंबे अरसे से हम यह देख रहे हैं कि हमारी संसद में होने वाली बहस का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। सारी बहस व्यक्तियों पर केंद्रित होकर रह जाती है। व्यक्तियों की गलतियों की चर्चा होनी चाहिए, पर यह चर्चा यहीं सिमटनी भी नहीं चाहिए। बात विचारों पर होनी चाहिए। सोचा जाना चाहिए था कि बाबा साहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल, मौलाना आज़ाद, पुरुषोत्तम दास टंडन, श्यामाप्रसाद मुखर्जी, अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर जैसे व्यक्तित्वों ने क्या सोचकर हमें एक ऐसा संविधान दिया जिसके कारण पिछले पिचहत्तर साल में हमारा लोकतंत्र सारी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दुनिया भर के लिए मिसाल बना हुआ है? ऐसा नहीं है कि इस दौरान संविधान के संदर्भ में कोई ग़लती नहीं हुई। आपातकाल निश्चित रूप से एक काले अध्याय के रूप में याद रखा जाना चाहिए– पर यह याद इसलिए नहीं होनी चाहिए कि किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा ग़लत, कहना चाहिए आपराधिक, कदम उठाया था, इस काले अध्याय को याद इसलिए रखा जाना चाहिए ताकि फिर कोई शासक इस तरह का अपराध न कर पाये। संविधान में उचित संशोधन करके इस आशंका को मिटाने की कोशिश की गयी है, पर आवश्यकता नेतृत्व की सोच में संशोधन करने की है। यह याद रखना ज़रूरी है कि हमने संविधान जब बनाया तो देश विभाजन की त्रासदी से गुजर रहा था। सांप्रदायिकता की आग में जलने के बावजूद तब हमारे नेतृत्व ने हमें एक पंथ-निरपेक्ष समाज के निर्माण का संदेश दिया था, हमें बताया था कि समानता का अर्थ यह है कि धर्म और जाति से ऊपर उठकर एक मानवीय समाज की रचना करके ही हम एक न्यायपूर्ण व्यवस्था को अपना सकते हैं। हमारे नेता आज संविधान को सर्वोपरि मानने की बात तो करते हैं, पर उनकी करनी में वह सब दिखाई नहीं देता जिसकी अपेक्षा हमारा संविधान उनसे करता है। हमें हमारे संविधान-निर्माताओं ने बंधुता का आदर्श दिया था, हम धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर स्वयं को दूसरे से बेहतर स्थापित करने में लगे हैं। संविधान को लागू करने के 75वें साल में हमें अपने संविधान के आमुख में कही बातों को सही अर्थों में समझने की कोशिश करनी चाहिए थी, पर संसद में हुई बहस व्यक्तियों की आलोचना में सिमट कर रह गयी। विचार और व्यक्ति को अलग करके देखने-समझने का विवेक जैसे हमने खो दिया है। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस बहस के दौरान ऐसा कुछ अहसास नहीं होने दिया, जो यह बताता कि हमारे नेता संविधान को सचमुच आदर की दृष्टि से देखते हैं। संविधान को हाथ में लेकर शपथ लेने अथवा संविधान के समक्ष माथा टेकने के नाटक से उबरना होगा हमें। आवश्यकता संविधान की भावना को समझने, उसे जीने, की है।

आप का नजरिया

चर्चा की खोज में तपोवन

कारवां आया मेरे घर तक मगर, बताया गया कि यहीं तक था सफर। अपनी बाउंड्री पर चौके-छक्के मारती हिमाचल की राजनीति के सामने शीतकालीन सत्र की अहमियत सिर्फ कौए की कांव-कावं सरीखी है। यानी सूचनाएं बहुत हैं, लेकिन मुंह पर पट्टी बांधे सवाल मौन हैं। पहले दिन के घटनाक्रम की खोज में तपोवन के बजाय जोरावर सिंह स्टेडियम की ताल पर विपक्ष के आरोप खूब नाचे। यह शक्ति प्रदर्शन था या सरकार के दो साल के सफर का विरोध, कम से कम विपक्ष सदन में तो नहीं था और जो थे, उन्हें प्रश्न काल नहीं मिला। कहां तो शून्य काल को प्रतीक्षारत ध्वनियां आकाशीय अपेक्षाएं कर रही थीं और कहां कट गए प्रश्न इस इंतजार में। सरकार को सदन चलाना था, इसलिए कई महत्त्वाकांक्षी कानूनों में बदलाव की अर्जियां मुकम्मल होती गईं और एक साथ विधेयक पेश हो गए। इन बदलावों में सरकार के बर्ताव में कुछ किफायतें, कुछ सुधार और कुछ वक्त का तकाजा इस्तेमाल किया गया। भर्ती नियमों से अधिकृत कर्मचारी वर्ग की खुली बाहों में वित्तीय अनुशासन का हल्का सा टीका लग रहा है, ताकि कल कोई जिरह पेश हो तो फैसले की जद में केवल नियमित होने की तारीख ही परिभाषित की जा सके। यह इसलिए भी कि हिमाचल में भर्ती नियमों में इतने छेद हैं कि कानूनी पैरवी में सरकारों के हाथ पांव फूल जाते हैं और जब निर्णय आता है तो बजट में उधार का संदूक और खुल जाता है। जनता के दबाव और राधा स्वामी सत्संग ब्यास के भोटा अस्पताल के प्रभाव में लैंड सीलिंग एक्ट की दीवारों को थोड़ा पीछे हटाने की जरूरत ने लैंड सीलिंग एक्ट का नया सीमांकन करने का रास्ता खोजा है। देखना यह है कि यह रहम, मरहम या वहम है कि इसके बाद इस स्तर की नौबत नहीं आएगी या कानून की सीमाओं के भीतर आगे भगदड़ नहीं होगी। सरकारी नौकरी में कामकाज की लाज को पुख्ता करने के लिए आइंदा पब्लिक सर्वेंट की वांछित अरेस्ट से पहले सरकार से ताकीद करनी होगी। कोई भी एजेंसी सीधे हाथ नहीं डाल पाएगी। बहुत शिकायतें करते हैं और सतर्कता विभाग के सबूत अकसर किसी रिश्वत के आरोप पर गर्दन तक पहुंच जाते हैं। सरकारी महकमों की मिट्टी कुरेदती शिकायतें अकसर इतनी पैनी होती हैं कि पब्लिक सर्वेंट को अब सरकार की अनुमति की कुछ तो ढाल मिलेगी। प्रशासनिक सुधारों की दृष्टि से पुलिस एक्ट में बदलाव आने से कांस्टेबल कॉडर अब राज्य स्तरीय नियुक्तियों का पैमाना होगा। कानून व्यवस्था में राज्य कॉडर का अपना एक खास आयाम है और तमाम कैटेगिरी में ऐसी व्यवस्था की जरूरत महसूस की जाती है। बहरहाल सरकार को अपने विधेयक पेश करने की सदन में सहूलियत मिली तो बाहर विपक्ष को अपनी आक्रोश रैली में गूंजने का मौका मिला, लेकिन इन दोनों घटनाक्रमों के बीच जनता के सवाल दूर-दूर से तपोवन तक पहुंच कर भी शिद्दत से दस्तक नहीं दे सके। यहां विपक्ष का काम रोको प्रस्ताव स्वीकार हुआ तो भ्रष्टाचार के आरोपों पर सबूत मांगने की कुश्ती ने इसे पटकनी लगा दी। जाहिर तौर पर विपक्ष सदन के भीतर जिन आरोपों के बलबूते बड़ी बहस करना चाहता था, उसके लिए उसे जोरावर स्टेडियम की मिट्टी काम आ गई। यहां एक मुकाबला नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के बीच भी सदन के बाहर देखा जा सकता है।

अमेरिका में बन रहा न्यूक्लियर फ्यूजन संयंत्र, हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा से पैदा होगी बिजली

वाशिंगटन, 20 दिसंबर (एजेंसियां)।

सौर और परमाणु ऊर्जा के बाद अब नई तकनीक से बिजली उत्पादन की दिशा में दुनिया एक कदम आगे बढ़ रही है। अमेरिका ने पहला ग्रिड-स्केल न्यूक्लियर फ्यूजन बिजली संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है, जो हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा से बिजली पैदा करेगा। अगर यह योजना सफल रही, तो भविष्य में बिजली की कमी का संकट खत्म हो सकता है। इस संयंत्र का खास पहलू यह है कि यह हाइड्रोजन आधारित क्लीन एनर्जी पर आधारित होगा, जो सूरज की ऊर्जा पैदा करने की तकनीक से प्रेरित है।

इस संयंत्र से करीब 400 मेगावाट बिजली उत्पादन होने की संभावना

इस संयंत्र के निर्माण का लक्ष्य है कि 2030 तक इसे कार्यशील किया जा सके। इस संयंत्र से करीब 400 मेगावाट बिजली का उत्पादन होने की संभावना है, जो करीब 1.5 लाख घरों को बिजली उपलब्ध कराएगा। इस प्रोजेक्ट पर काम करने वाली स्टार्टअप कंपनी, कॉमनवेल्थ फ्यूजन सिस्टम्स (सीएफएस) इस प्रक्रिया के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रही है। न्यूक्लियर फ्यूजन वह प्रक्रिया है जिसमें परमाणु एक-दूसरे से जुड़कर ऊर्जा पैदा करते हैं, ठीक वैसे ही जैसे सूरज में होता है। इस प्रक्रिया में हाइड्रोजन अणु एक साथ मिलकर ऊर्जा का विस्फोटक स्रोत पैदा करते हैं, जिससे ऊर्जा का निरंतर प्रवाह होता है। यह एक क्लीन एनर्जी है क्योंकि इसमें कोई हानिकारक कार्बन उत्सर्जन नहीं होता। अब तक यह तकनीक व्यावहारिक रूप से लागू नहीं हो पाई है, लेकिन यदि यह सफल होती है, तो यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। न्यूक्लियर फ्यूजन एनर्जी से उत्पादन होने वाली बिजली को हर मौसम में, निरंतर और बिना किसी प्रदूषण के पैदा किया जा सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में तबलीगी जमात प्रवक्ता मुआज बिन नूर गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के टोंगी बिस्वा इज्तेमा मैदान पर कब्जे को लेकर तबलीगी जमात के दो गुटों के बीच बुधवार को हुए खूनखराबा पर अंतरिम सरकार ने कठोर कदम उठाया है। इस संबंध में मौलाना साद गुट के तबलीगी जमात के प्रवक्ता मुआज बिन नूर (40) को आज तड़के गिरफ्तार कर लिया गया। इस खूनखराबा में तीन श्रद्धालुओं की जान गई है।नूर का घर ढाका के उत्तरा में है। तबलीगी जमात के दूसरे गुट के नेता मौलाना जुबेर हैं। जुबेर गुट ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कराया है। इस केस में गिरफ्तार नूर पांचवां आरोपित है। इस केस में 29 लोग नामजद हैं। टोंगी वेस्ट पुलिस स्टेशन के प्रभारी इस्कंदर हबीबुर रहमान ने कहा, नूर को तड़के उत्तरा में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

श्रीलंका की नौसेना ने 25 बच्चों समेत 102 रोहिंग्याओं को बचाया

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने उत्तर-पूर्वी तट के निकट समुद्र क्षेत्र में संकट में फंसे म्यामांर के 25 बच्चों समेत 102 रोहिंग्याओं को बचा लिया। स्थानीय मछुआरों ने इनको सबसे पहले मुल्लईतिवु जिले के वेल्ला मुल्लीवैक्कल क्षेत्र में देखा। मछुआरों ने नौसेना को इसकी सूचना दी। नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन गयान विक्रमसूर्या ने कहा कि म्यांमार से 102 संदिग्ध अवैध प्रवासियों को ले जा रही नाव रास्ता भटक कर उत्तर-पूर्व में मुल्लईतिवु जिले में मुल्लैवैक्कल तट से दूर समुद्र की ओर बह गई थी। मछुआरों ने इनको 19 दिसंबर को देखा था। सूचना मिलते ही नौसेना के जवान उनके पास पहुंचे और सब को सुरक्षित बचा लिया। नाव में कुल 102 लोग सवार थे। इनमें 25 बच्चे और 40 महिलाएं शामिल हैं। इनमें एक महिला गर्भवती है। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें त्रिंकोमाली लाया गया है। नौसेना ने दिसंबर 2022 में भी श्रीलंकाई जल क्षेत्र में 100 से अधिक रोहिंग्याओं को बचाया था। कैप्टन विक्रमसूर्या ने बताया कि सभी 102 लोगों को ताजा पानी, भोजन और दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। विदेश और रक्षा मंत्रालय को इसकी सूचना भेज दी गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निलुका कादुर्गामुवा ने कहा कि सभी 102 लोगों की स्थिति का आकलन किया जा रहा है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल को देशद्रोह के आरोप में पूछताछ के लिए फिर बुलाया गया

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल को एक बार फिर मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा से संबद्ध देशद्रोह के आरोप में पूछताछ के लिए संयुक्त जांच दल के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया है। इससे पहले उन्हें 16 दिसंबर को समन जारी कर 18 दिसंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। मगर वह नहीं गए थे। संयुक्त जांच दल के आज के समन में राष्ट्रपति को भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) में 25 दिसंबर को सुबह 10 बजे तलब किया गया है। संयुक्त जांच दल में सभी एजेंसियों के उच्च अधिकारी शामिल हैं। सीआईओ ग्योंगगी प्रांत के ग्वाचेन में है। राष्ट्रपति से राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी और राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के संबंध में पूछताछ की जानी है। समन में सभी आरोप निर्दिष्ट किए गए हैं। इनमें देशद्रोह के कृत्यों को अंजाम देना, सत्ता का दुरुपयोग और अधिकारियों के कर्तव्यों के प्रयोग में बाधा पहुंचाना शामिल है। सीआईओ ने ई-मेल और आधिकारिक इलेक्ट्रॉनिक संचार के माध्यम से तीन स्थानों (राष्ट्रपति निवास, राष्ट्रपति सचिवालय, और सामान्य मामलों के लिए राष्ट्रपति सचिव का कार्यालय) पर समन पहुंचाया है।

वाशिंगटन और दमिश्क के संबंधों में बदलाव का संकेत, अमेरिकी राजनयिक का सीरिया दौरा जल्द

दमिश्क, 20 दिसंबर (एजेंसियां)।

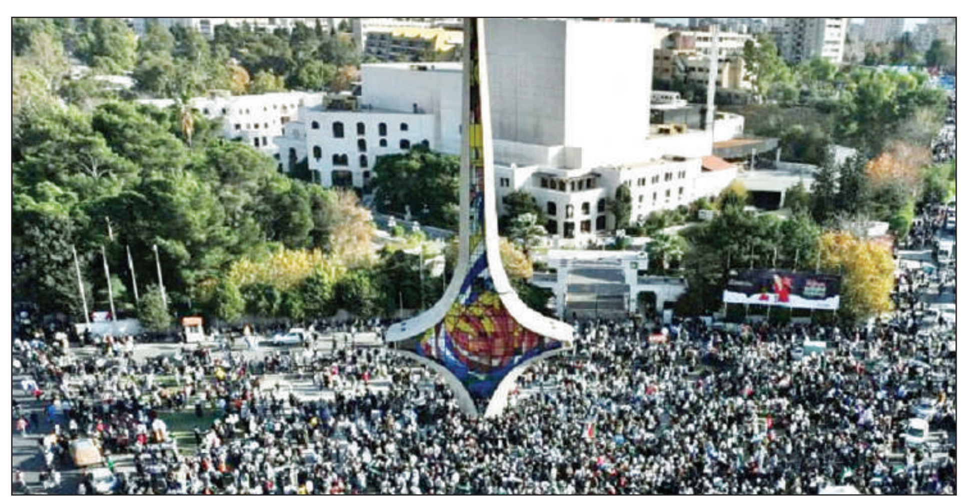

सीरिया में गृहयुद्ध थमने के बाद पहली बार वाशिंगटन और दमिश्क के संबंधों में बदलाव का संकेत मिला है। संयुक्त राज्य अमेरिका के एक वरिष्ठ राजनयिक के जल्द ही सीरिया पहुंचने की उम्मीद है। उनकी सीरिया के अधिकारियों से मिलने का कार्यक्रम है।

खबर के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने आज घोषणा की कि 13 साल के गृह युद्ध के बाद मध्य पूर्वी मामलों की सहायक सचिव बारबरा लीफ प्रतिनिधिमंडल के साथ जल्द ही सीरिया का दौरा करेंगी। प्रतिनिधिमंडल की आतंकवादी संगठन के रूप में वर्गीकृत हयात तहरीर अल-शाम के प्रतिनिधियों और नागरिक समाज के प्रतिनिधयों से मुलाकत होगी। सीरिया पर नियंत्रण करने वाले हयात तहरीर अल-शाम के नेता सीरिया के भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण से अमेरिकी राजनयिक को अवगत कराएंगे।

कमांडर की दुनिया से आर्थिक प्रतिबंध हटाने की गुहार

खबर के अनुसार, सीरिया में सैन्य अभियानों के कमांडर अहमद अल-शरा उर्फ अबू मोहम्मद अल-जुलानी ने कहा कि सीरिया युद्ध से थक चुका है। वह अपने पड़ोसियों या पश्चिम के लिए कोई खतरा पैदा नहीं करेगा। उन्होंने दुनिया से गुहार लगाई है कि सीरिया पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटा ले। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार, अगर आर्थिक प्रतिबंध नहीं हटाए जाते तो सीरिया का पुनर्निर्माण असंभव है। बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद सीरिया के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है। फ्रांस में रहने वाले आर्थिक विश्लेषक यूसुफ लाहलाली का कहना है कि आर्थिक प्रतिबंधों का जारी रहना सीरियाई अर्थव्यवस्था को शुरू करने और पुनर्निर्माण कार्यों को शुरू करने में एक बड़ी बाधा है।

यूक्रेनी ड्रोनों का पता लगाने उत्तर कोरिया सेना ने बनाई निगरानी चौकियां

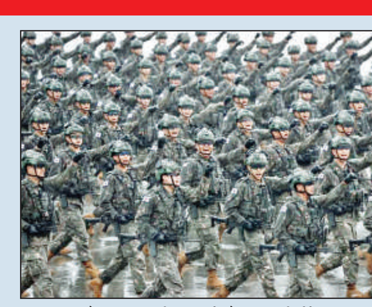

सोल। यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई के लिए रूस भेजे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यूक्रेनी ड्रोनों का पता लगाने निगरानी चौकियां स्थापित की हैं। मीडिया रिपोर्ट में यूक्रेन की सैन्य खुफिया सेवा ने जानकारी दी कि उत्तर कोरियाई सेना को युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। यूक्रेन की रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईयू) के बयान में कहा गया है, गंभीर नुकसान झेलने के बाद, उत्तर कोरिया की इकाइयों ने यूक्रेन के सुरक्षा और रक्षा बलों के ड्रोन का पता लगाने के लिए अतिरिक्त निगरानी चौकियां स्थापित की हैं। पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्र कुर्स्क में रूस अब भी उत्तर कोरियाई सैनिकों का इस्तेमाल कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कुर्स्क क्षेत्र में उत्तर कोरियाई सेना के कर्मियों द्वारा लगातार हमला करने वाले समूहों का जमा होना यह दर्शाता है कि मास्को आक्रामक कार्रवाइयों की गति को खोना नहीं चाहता है। उत्तर कोरियाई सैनिक मोर्चे पर अपनी पहचान के लिए लालफीताशाही का इस्तेमाल करते हैं। रूस भेजे गए कम से कम 100 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए हैं। वहीं, करीब एक हजार के घायल होने का अनुमान है। राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने मरने वालों में ज्यादातर के लिए इस तथ्य को जिम्मेदार ठहराया कि उत्तर कोरियाई सैनिकों का ड्रोन के साथ उनके अनुभव की कमी के कारण अपरिचित युद्धक्षेत्रों में अग्रिम पंक्ति के हमलावर बलों के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इसमें यह भी कहा गया है कि रूस की सेना ने शिकायत की है कि ड्रोन के बारे में उनकी अज्ञानता के कारण उत्तर कोरियाई सैनिक बोझ हैं।

इराकी दूतावास के कर्मचारी लेबनान से दमिश्क लौटे

इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने गुरुवार शाम घोषणा की इराकी दूतावास के कर्मचारी लेबनान से दमिश्क लौट गए हैं।

दूतावास ने काम करना शुरू कर दिया है। सुदानी ने कहा कि बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद दूतावास के कर्मचारी सड़क मार्ग से लेबनान चले गए थे।

यूक्रेन मुद्दे पर डोनाल्ड ट्रम्प से किसी भी समय बातचीत को तैयार पुतिन

वाशिंगटन, 20 दिसंबर (एजेंसियां)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध पर वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत करने को तैयार हैं। पुतिन ने कहा कि चूंकि युद्ध खत्म करने के लिए रूस और यूक्रेन दोनों को समझौता करना होगा। इसके लिए कोई शर्त नहीं है। दरअसल, एक बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कार्यालय में आने के कुछ ही घंटों के भीतर वो यूक्रेन शांति समझौता कराने की बात कही थी। इसी को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साल की आखरिरी प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वो अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार हैं। पुतिन ने आगे कहा कि रूस इस समय 2022 से ज्यादा मजबूत स्थिति में है। यूक्रेन में रूसी सेना आगे बढ़ रही है, बावजूद इसके वह वार्ता और समझौते के लिए तैयार हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुतिन ने यह भी स्वीकार किया कि यूक्रेन में लड़ाई जटिल है लेकिन रूसी सेना यूक्रेनी सशस्त्र बलों को कुर्स्क क्षेत्र से जरूर बाहर निकाल देगी। उन्होंने कहा कि हमारे लोग लड़ रहे हैं। अभी लड़ाई चल रही है और गंभीर लड़ाई चल रही है। निश्चित रूप से हमारी सेना उन्हें बाहर निकाल देगी, इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है।

नेपाल सुप्रीम कोर्ट का सरकारी रिकार्ड से जनयुद्ध शब्द हटाने का आदेश

काठमांडू। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने जनयुद्ध शब्द को असंवैधानिक करार देते हुए सरकारी अभिलेखों और दस्तावेजों से इसे हटाने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह अहम फैसला गुरुवार को सुनाया। नेपाल में माओवादी अपने 10 वर्ष के सशस्त्र द्वंद्व काल को जनयुद्ध कहते हैं। इन्होंने सत्ता में रहते हुए बजट सहित अन्य सरकारी कामकाज में इस शब्द का इस्तेमाल है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत की अध्यक्षता वाली सात जजों की संवैधानिक बेंच ने फैसले में जनयुद्ध शब्द को असंवैधानिक करार दिया। साथ ही अब तक जितने भी सरकारी अभिलेख और दस्तावेजों में इस शब्द का इस्तेमाल किया गया है उसे रिकॉर्ड से हटाने का आदेश दिया। संवैधानिक बेंच ने फैसले में कहा कि नेपाल का संविधान जनयुद्ध शब्द को अंगीकार नहीं करता है। इसलिए सरकारी बजट भाषण या अन्य दस्तावेज में इस शब्द के इस्तेमाल को मान्यता नहीं दी सकती है।

पत्रकार वार्ता

मास्को में रुस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन साल के अंत में एक पत्रकार वार्ता में भाग लेते हुए।

बांग्लादेश और पाकिस्तान ने भारत की टेंशन बढ़ाने वाले किए फैसले

काहिरा, 20 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुस्लिम देशों के संगठन डी-8 की गुरुवार को मिस्र के काहिरा में मीटिंग थी। इस बैठक में तुर्की, ईरान, नाइजीरिया, मलयेशिया और इंडोनेशिया जैसे कई देशों के नेता पहुंचे थे, लेकिन पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की मीटिंग देखने लायक थी।

शकों तक भारत के करीबी रहे बांग्लादेश का रुख अब कैसे पाकिस्तान की ओर मुड़ रहा है, यह इस मीटिंग में देखा गया। डी-8 की मीटिंग के इतर भी दोनों नेताओं ने मुलाकात की। यही नहीं पाकिस्तान ने डी-8 की मीटिंग में यह भी बताया कि कैसे बांग्लादेश ने उसके साथ

रिश्तों को बेहतर करने की पहल की है।

शहबाज शरीफ ने बताया कि अब पाकिस्तान से बांग्लादेश पहुंचने वाले किसी भी माल की फिजिकल चेंकिंग नहीं की जाती है। इसके अलावा बांग्लादेश पहुंचने वाले पाकिस्तान के नागरिकों के लिए भी प्रक्रिया को आसान किया गया है। ढाका एयरपोर्ट पर पहले पाकिस्तानी नागरिकों की जांच के लिए अलग से सिक्योरिटी डेस्क थी, जिसे अब हटा लिया गया है। इसके अलावा वीजा की प्रक्रिया भी आसान हो गई है।

यही नहीं इस दौरान शहबाज शरीफ और मोहम्मद यूनुस ने सांस्कृतिक संबंध बढ़ाने, खेल, अकादमिक और छात्रों के बीच आवाजाही को भी बढ़ावा देने पर सहमति जताई।

इस दौरान शहबाज शरीफ ने बांग्लादेशी क्रिकेट टीम के पाकिस्तान में आकर खेलने का भी जिक्र किया। इसके अलावा एक पाकिस्तानी म्यूजिक बैंड का ढाका में कंसर्ट आयोजित करने का भी उदाहरण दिया।

इस तरह मीटिंग में देखा गया कि कैसे बांग्लादेश और पाकिस्तान की करीबी बढ़ गई है। यह करीबी भारत के लिए चिंता की बात हो सकती है। इसकी वजह यह भी है कि बांग्लादेश के साथ भारत के दोस्ताना संबंध रहे हैं, जो अब पहले जैसे नहीं रहे हैं।

लेखिका तस्लीमा भी हैरान, क्या बांग्लादेश दूसरा सीरिया बनने जा रहा है

एक कल्चर प्रोग्राम में छात्रों ने नकली हथियार लेकर पहनी आतंकी वाली ड्रेस

ढाका

बांग्लादेश के जेसोर के जामिया इस्लामिया मदरसा में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें छात्रों को अपने हिसाब से कपड़े पहनने का निर्देश दिया, लेकिन कई छात्र आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के आतंकियों जैसे कपड़े पहनकर वहां पहुंच गए उनके हाथों में बंदूकें थीं। इसको लेकर बांग्लादेश की लेखिका तस्लीमा नसरीन ने एक और पोस्ट शेयर की, जिसमें छोटे-छोटे बच्चे बंदूकों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

नसरीन ने कहा कि यही बच्चे आगे चलकर

असली हथियार उठाएंगे। सोशल मीडिया में यह तस्वीर वायरल हो गई। लोग पूछने लगे कि क्या बांग्लादेश दूसरा सीरिया बनने जा रहा है बांग्लादेश को प्यार करने वाली कई हस्तियों ने इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। दावा किया जा रहा है कि बांग्लादेश के जेसोर जिले में जिहाद का आह्वान किया गया। एक यूजर ने एक्स पर शेयर करते हुए लिखा- बांग्लादेश का जेसोर जामिया इस्लामिया मदरसा जहां इस्लामिक आतंकवादी खुलेआम मशीन गन से धमकी दे रहे हैं।

इस वीडियो को मशहूर बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- जेसोर के मदरसे के छात्र वार्षिक समारोह में एक नाटक पेश कर रहे हैं। इसमें वे इस्लामी आतंकवादियों की तरह पहने कपड़ों में जिहाद के समर्थन में कुरआन की आयतें पढ़ रहे हैं। वे बंदूकें लहरा रहे हैं। अभी तो यह खिलौना बंदूकें हैं, लेकिन कौन जानता है कि बाद में ये बंदूकें असली होंगी।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने भी इस वीडियो की आलोचना की है। इतना ही नहीं लेखिका तस्लीमा ने एक और वीडियो पोस्ट किया, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चे हाथों में बंदूक थामे कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने लिखा, ये बांग्लादेश के मदरसे हैं, जहां ऐसी तालीम दी जा रही है। आतंकियों की तरह पोशाक पहने शख्स उंगली उठाकर बैठा है, जबकि उसकी आतंकी सेना बंदूकों, तलवारों और हथगोले से लैस खड़ी है। जब ये बच्चे बड़े होंगे, तो इस्लामी कानून की अवहेलना करने वालों को मारने के लिए असली बंदूकें, तलवारें और हथगोले उठाएंगे। उनका लक्ष्य दुनिया को इस्लामी तरीके पर चलाना होगा।

वीडियो जब वायरल हुआ तो मदरसा के प्रमुख मुफ्ती लुत्फुर रहमान फारूकी ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि यह एक नाटक था। इसका नाम 'गो ऐज यू लाइक' रखा गया था। मंच से अरबी में जो भाषण दिए गए, उसमें उग्रवाद की कोई बात नहीं थी। छात्रों के हाथों में दिख रहा हथियार असली नहीं है, बल्कि यह खिलौना था। जेस्सोर पुलिस के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने वीडियो और आतंकवाद के बीच किसी भी संबंध से इनकार किया है।

राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप : ओलंपियन धीरज, दीपिका ने अंतिम दिन रिकर्व खिताब जीता, टीम पदक भी जीते

जमशेदपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां) ।

ओलंपियन बी. धीरज और दीपिका कुमारी शुक्रवार को गोपाल मैदान में राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप के अंतिम दिन क्रमश: रिकर्व पुरुष और महिला वर्ग में चैंपियन बनकर उभरे। उन्होंने टीम मेडल जीतकर अपनी खुशी दोगुनी कर दी।

दिव्यांश चौधरी के साथ व्यक्तिगत खिताबी मुकाबले में धीरज ने पहले दो सेटों में अंक बांटे, जबकि दूसरे सेट में उन्होंने परफेक्ट 30 स्कोर किया, उन्होंने लगातार येलो जोन में पहुंचकर 6-2 के स्कोर के साथ अपना पहला खिताब जीता। उनके 18 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी पहली बार पोडियम पर शूटिंग करने के दबाव को नहीं झेल पाए। धीरज ने सर्विसेस पुरुष टीम की कांस्य पदक जीत में भी योगदान दिया।

धीरज ने कहा, यह एक अच्छा प्रदर्शन था। मैंने जो कुछ भी किया है, वह सही दिशा में जा रहा है। पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन के रंग में रंगी दीपिका ने अपने पति अतनु दास के साथ मिलकर पंजाब की सिमरनजीत कौर और आदित्य चौधरी की जोड़ी को 6-2 से हराकर मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

महिलाओं के व्यक्तिगत फाइनल में दीपिका ने स्थानीय पसंदीदा अंकिता भक्त को 6-2 से हराकर अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दीपिका ने कहा, मैं नतीजों की परवाह किए बिना कुछ प्रयोग कर रही हूं। मेरा अंतिम लक्ष्य ओलंपिक है।

परिणाम:

रिकर्व: व्यक्तिगत: पुरुष: स्वर्ण: बी. धीरज (एसएससीबी) ने दिव्यांश चौधरी (हरियाणा) को 6-2 से हराया; कांस्य: अतुल वर्मा (उत्तराखंड) ने चिंगखम अचनबा सिंह (अरुणाचल) को 7-1 से हराया।

महिला: स्वर्ण: दीपिका कुमारी (पीएसपीबी) ने अंकिता भक्त (झा) को 6-2 से हराया; कांस्य: सिमरनजीत कौर (पंजाब) ने भार्गवी भगोरा (गुजरात) को 6-5 (शूट-ऑफ: 8-7) से हराया। टीम: पुरुष: स्वर्ण: रेलवे ने हरियाणा को 6-2 से हराया; कांस्य: एसएससीबी ने राजस्थान को 5-4 से हराया (शूट-ऑफ: 29-28)। महिला: स्वर्ण: मध्य प्रदेश को 5-3 से हराया; कांस्य: महाराष्ट्र ने रेलवे को 6-2 से हराया; मिश्रित: स्वर्ण: पीएसपीबी ने पंजाब को 6-2 से हराया; कांस्य: : मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को 5-1 से हराया।

न्यूज ब्रीफ

जीपीकेएल, आईपीकेएल का हुआ विलय साथ मिलकर करेंगे ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग का आयोजन

गुरुग्राम। कबड्डी जगत में एक महत्वपूर्ण घोषणा हुई, जब ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग (जीपीकेएल) के आयोजकों ने इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग (आईपीकेएल) के साथ इसके विलय की घोषणा की। इस रणनीतिक गठबंधन के परिणामस्वरूप ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) की शुरुआत हुई, जिसमें पुरुष और महिला दोनों एक ही आकार के मैट पर एकीकृत लीग बैनर के तहत प्रतिस्पर्धा करेंगे, जो खेल के इतिहास में पहली बार होगा। यह विलय कबड्डी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें महिला सशक्तिकरण पर जीपीकेएल का ध्यान और वैश्विक स्तर पर प्रतिध्वनित लीग बनाने के लिए आईपीकेएल का व्यापक दृष्टिकोण शामिल है। जीआई-पीकेएल दुनिया भर के देशों से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी को बढ़ावा देने के लिए विविध प्रतिभाओं को एक साथ लाया जाता है। विलय को लेकर होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कंथी डी सुरेश ने कहा, एक ही बैनर के नीचे पुरुषों और महिलाओं का एक साथ प्रतिभागी बनाना हमारी महिला सशक्तिकरण की रणनीति का ही हिस्सा है। यह न केवल हमें लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करेगा, बल्कि महिलाओं का अपने पुरुष समकक्षों के साथ एक ही लीग के तहत खेलना समानता का भी संदेश देगा, जो पहले कभी नहीं हुआ। फिलहाल हमारा फोकस जल्द से जल्द इसे क्रियान्वित करने पर है। आईपीकेएल के निदेशक सोहन तुसीर ने कहा, इस विलय के बाद फ्रेंचाइजी मालिक भी एक साथ पुरुष और महिला दोनों ही टीमों को अपना हिस्सा बनाने में रुचि दिखा रहे हैं। फिलहाल कुछ मशहूर हस्तियों को भी जीआई-पीकेएल का हिस्सा बनाने और एक साथ दो टीमों का मालिक बनाने पर विचार किया जा रहा है। हमेशा से ही होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन कबड्डी के वैश्विक विकास को लेकर प्रतिबद्ध रहा है। 2023 में जीपीकेएल ने दुनिया भर में महिला कबड्डी को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इससे पहले, होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने सभी महाद्वीपों में खेल का विस्तार करने के लिए यूनाइटेड किंगडम स्थित विश्व कबड्डी निकाय के साथ भी 10 वर्ष के लिए करार किया था । यह प्रयास चार महाद्वीपों में पुरुषों के लिए कम से कम 75 देशों और महिलाओं के लिए 45 देशों में सक्रिय भागीदारी जैसे मानदंडों को पूरा करके ओलंपिक में कबड्डी को शामिल करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर आधारित है। तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले फिल्म फौजा के मुख्य अभिनेता और जीपीकेएल के एवीपी कार्तिक दम्मू ने कहा, जीआई-पीकेएल का चैंपियनशिप ट्रॉफी विजेता प्रशंसकों के लिए एक आश्चर्य की तरह होने वाला है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : अंतिम दो टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर हुए मैकस्वीनी, कोंस्टास को मौका

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के बाकी बचे मैचों के लिए ओपनर नाथन मैकस्वीनी को टीम से बाहर कर दिया है। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में डेब्यू करने वाले मैकस्वीनी ने अब तक तीन टेस्ट मैचों में 10, 0, 39, 10*, 9 और 4 रन बनाए हैं। उनकी जगह 19 वर्षीय न्यू साउथ वेल्स के ओपनर सैम कोंस्टास को टीम में शामिल किया है। कोंस्टास सीरीज से पहले डेविड वॉर्नर की खाली जगह भरने की दौड़ में थे, लेकिन प्रबंधन ने शुरुआत में मैकस्वीनी को ही मौका दिया। कोंस्टास ने पिछले महीने इंडिया ए के खिलाफ़ नाबाद 73 रन और प्रधानमंत्री एकादश के लिए पिंक बॉल वार्म-अप गेम में 107 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने इस महीने की शुरुआत में शेफ़ील्ड शील्ड में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ न्यू साउथ वेल्स के लिए 88 रन और तीन दिन पहले बिग बैश लीग में सिडनी थंडर के लिए 27 गेंदों में 56 रन बनाए।

आईओसी ने अध्यक्ष पद की उम्मीदवारी के दस्तावेज जारी किये

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने गुरुवार को ग्रीस में 144वें आईओसी सत्र में होने वाले आईओसी अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए सात उम्मीदवारों के उम्मीदवारी दस्तावेज जारी किए। ये दस्तावेज सभी के लिए डाउनलोड करने और देखने के लिए उपलब्ध हैं, और कुछ दस्तावेज अंग्रेजी, फ्रेंच और स्पेनिश संस्करणों में उपलब्ध कराए गए हैं। सात उम्मीदवार, एचआरएच प्रिंस फैसल अल हुसैन (जॉर्डन ओलंपिक समिति के अध्यक्ष), डेविड लैपर्टिएंट (यूनियन साइक्लिस्ट इंटरनेशनेल के अध्यक्ष), जोहान एलियाश (अंतरराष्ट्रीय स्की और स्नोबोर्ड फेडरेशन के अध्यक्ष), जुआन एंटोनियो समरंच (आईओसी के उपाध्यक्ष), क्रिस्टी कोवेंट्री (जिम्बाब्वे के तैराक और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता), सेबेस्टियन को (विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष), मोरिनारी वतनबे (अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ के अध्यक्ष), 30 जनवरी, 2025 को स्विट्जरलैंड के लॉज़ेन में आईओसी सदस्यों के समक्ष ऑनलाइन अपने अध्यक्षीय उम्मीदवारी की प्रस्तुति देंगे।

पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी करेगा नई दिल्ली

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां) ।

पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 26 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगा, जो अगले मार्च में पहली बार विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स की मेजबानी भी करेगा।

अगले साल पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप नई दिल्ली में होगी, जो पहली बार भारत में इस आयोजन की मेजबानी करेगा, विश्व पैरा एथलेटिक्स (डब्ल्यूपीए) ने गुरुवार (19 दिसंबर) को उक्त घोषणा की।

पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप, दुनिया की सबसे बड़ी एकल पैरा खेल प्रतियोगिता, 26 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। नई दिल्ली 2025 चैंपियनशिप का 12वां संस्करण होगा और दोहा 2015, दुबई 2019 और कोबे 2024 के बाद चौथी बार एशिया में इसकी मेजबानी की जाएगी।

इसके अलावा, डब्ल्यूपीए ने घोषणा की कि नई दिल्ली अगले साल पहली बार विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स की मेजबानी भी करेगा।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 11 से 13 मार्च तक होने वाला यह आयोजन प्रशंसकों को विश्व चैंपियनशिप से पहले पैरा एथलेटिक्स के रोमांच का अनुभव करने का एक प्रारंभिक अवसर देगा।

विश्व पैरा एथलेटिक्स के प्रमुख पॉल फिट्ज़गेराल्ड ने विश्व पैरा एथलेटिक्स प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि लॉस एंजिल्स 2028 की ओर नए पैरालंपिक चक्र की पहली प्रमुख चैंपियनशिप नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। 2025 पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप भारत में होने वाली अब तक की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पैरा खेल प्रतियोगिता होगी, जो हमारे खेल, हमारे प्रशंसक आधार को बढ़ाने और दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में विकलांग व्यक्तियों के बारे में समाज की धारणा को प्रभावित करने का एक बड़ा अवसर पेश करेगी।

उन्होंने कहा, भारत पिछले दशक में पैरा एथलेटिक्स के विकास का सबसे अच्छा उदाहरण है। दोहा 2015 विश्व चैंपियनशिप में दो रजत पदक जीतने से लेकर कोबे में इस साल के विश्व चैंपियनशिप में छह स्वर्ण सहित 17 पदक हासिल करने तक, प्रगति स्पष्ट है। यह सफलता भारत की राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के काम और देश में खेलों, विशेष रूप से पैरा एथलेटिक्स में किए जा रहे निवेश को दर्शाती है। हमने देखा है कि प्रमुख आयोजनों का क्या प्रभाव हो सकता है और वे पैरा खेलों को और अधिक दृश्यमान और सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए क्या विरासत छोड़ सकते हैं। हमारा मानना है कि यह नई दिल्ली में हो सकता है, और हम अगले साल भारत में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

भारतीय राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (एनपीसी इंडिया) ने एक बयान में कहा, एनपीसी इंडिया को भारत में पहली बार पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है। यह ऐतिहासिक आयोजन भारत के वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए हमारी बोली को मजबूत करता है। यह प्रतिष्ठित चैंपियनशिप न केवल वैश्विक खेल मानचित्र पर भारत की स्थिति को ऊंचा करेगी बल्कि देश के भीतर पैरालंपिक आंदोलन को गति देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। 60 मिलियन से अधिक विकलांग व्यक्तियों की आबादी के साथ, यह आयोजन समावेशिता को बढ़ावा देने, एथलीटों को सशक्त बनाने और विकलांग एथलीटों के लिए अवसरों का विस्तार करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बयान में कहा गया, हम पैरा खेलों के क्षेत्र में भारत की अद्वितीय प्रगति को प्रदर्शित करने के लिए दुनिया भर के एथलीटों, कोचों और अधिकारियों का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। यह आयोजन भारत के विकास का प्रमाण होगा, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जोर दिए गए नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप होगा। मई में जापान के कोबे में आयोजित विश्व चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में सौ से अधिक देशों के 1,000 से अधिक एथलीटों ने हिस्सा लिया था। चीन 33 स्वर्ण सहित 87 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा, जबकि भारत पहली बार शीर्ष छह में रहा।

चेन्नइयन एफसी के खिलाफ आक्रामकता जारी रखने उतरेगी मुम्बई सिटी

मुम्बई, 20 दिसंबर (एजेंसियां) ।

मुम्बई सिटी एफसी शनिवार शाम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले के लिए मुम्बई फुटबॉल एरिना (एमएफए) में चेन्नइयन एफसी की मेजबानी करेगी। मुम्बई चेन्नइयन एफसी के खिलाफ अपने पिछले नौ आईएसएल मुकाबलों में सात जीत और दो ड्रा के साथ अपराजित रहे हैं। मुम्बई ने अपने पिछले पांच मैचों में दो जीते हैं और दो ड्रा खेले हैं। मुम्बई सिटी एफसी 11 मैचों में चार जीत, पांच ड्रा और दो हार से 17 अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है।

चेन्नइयन एफसी 12 मैचों में चार जीत, तीन ड्रा और पांच हार से 15 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। लेकिन उसने अपने पिछले पांच मुकाबलों में तीन हारे हैं। मुम्बई ने अपने पिछले तीन आईएसएल मैचों में कोई गोल नहीं खाया है। मुम्बई ने इस सीजन में सात बार पोस्ट-क्रॉसबार को निशाना बनाया है, जो दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। पिछले साल, उसने 10 बार सबसे ज्यादा पोस्ट-क्रॉसबार पर निशाने मारे थे। चेन्नइयन एफसी अपने पिछले दो अवे मैच हारी है, जिनमें कोई गोल नहीं कर पाई है। चेन्नइयन ने घर से बाहर लंबे समय तक दिसंबर 2023 और फरवरी 2024 के बीच चार मैच हारे थे। चेन्नइयन ने इस सीजन में अपने मैचों के पहले हाफ में केवल सबसे कम चार गोल खाए हैं। हालांकि, उन्होंने दूसरे हाफ में 14 गोल खाए और यह केरला ब्लास्टर्स के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। मुम्बई के चेक हेड कोच पीटर क्रेटकी चाहते हैं कि उनकी टीम चेन्नइयन एफसी के खिलाफ आगामी मुकाबले में सुधार करे। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम अच्छी तरह से बचाव करें, तेज गति से हमले करें और अधिक मौके बनाकर गोल दागें। इन क्षेत्रों पर हम अभी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। चेन्नइयन एफसी के सहायक कोच नोएल विल्सन ने कहा कि उनकी टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए पिछले सीजन के दूसरे हाफ के अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराना चाहेगी। उन्होंने कहा, हम हमेशा प्लेऑफ में पहुंचना चाहते हैं। हमने पिछले सीजन के दूसरे हाफ में बहुत सारे मैच जीतकर ऐसा ही किया था और इस बार भी ऐसा करना हमारा लक्ष्य होगा।

ट्रॉफी के साथ अगस्ता और फोबे जोंस

मेलबर्न में डीन जोंस ट्रॉफी को पेश करते हुए अगस्ता और फोबे जोंस।

कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट ईश्वरदेव की जीत में चमके अमित

वाराणसी, 20 दिसंबर (एजेंसियां) ।

मैन आफ द मैच अमित मिश्र (अजेय 37 रन, 2 विकेट) के हरफनमौला खेल की बदौलत गत उपजेता ईश्वरदेव मिश्र एकादश ने विद्याभास्कर एकादश को आठ विकेट से पराजित कर दिया। शुक्रवार को आनन्द चंदोला खेल महोत्सव के तहत खेली जा रही 37वीं कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट के उद्घाटन मुकाबले में विद्याभास्कर एकादश टास हारने पर पहले खेलने के लिए बाध्य हुई।

काशी पत्रकार संघ से संचालित वाराणसी प्रेस क्लब एवं जिला प्रशासन के संयुक्त बैनर तले सांसद सांस्कृतिक जागरूकता महोत्सव के अन्तर्गत डॉक्टर सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स सिगरा में यह मैच खेला गया। विद्याभास्कर एकादश ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 96 रन बनाये। विनय शंकर सिंह ने 28, सुभाष राय, सुब्रतो ने 12-12 तथा राहुल ने 11 रन बनाये। अमित मिश्र के अलावा रवि सिंह ने तीन विकेट लिए। जवाब में ईश्वरदेव मिश्र एकादश ने 11.4 ओवर में दो विकेट खोकर 97 रन बना लिए। अमित के अलावा अमित मिश्र द्वितीय ने 34 रन बनाये। इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन पूर्व ब्लाक प्रमुख एवं समाजसेवी अवधेश पाठक ने किया। इस मौके पर काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष डॉ. अत्रि भारद्वाज, महामंत्री अखिलेश मिश्र, कोषाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी, वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरुण मिश्र, मंत्री विनय शंकर सिंह, कोषाध्यक्ष संदीप गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष केडीएन राय, योगेश कुमार गुप्त, सुभाषचन्द्र सिंह, बीबी यादव, राजनाथ तिवारी, शुभाकर दुबे, केबी रावत, सुरेश सिंह, जितेन्द्र श्रीवास्तव आदि की मौजूदगी रही।

एचआईएल का भव्य समारोह के साथ होगा आगाज; सारा अली खान और किंग होंगे मुख्य आकर्षण

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां) ।

बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 भव्य शैली में वापसी करने के लिए तैयार है, जिसकी शुरुआत 28 दिसंबर को उद्घाटन मैच से पहले राउरकेला के बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगी।

यह कार्यक्रम, जो खेल, मनोरंजन और अत्याधुनिक तकनीक का एक शानदार उत्सव होने का वादा करता है, में शीर्ष भारतीय हस्तियों द्वारा शानदार प्रदर्शन किया जाएगा, जिसका थीम हॉकी का जश्न होगा। बॉलीवुड सनसनी सारा अली खान और प्रसिद्ध संगीत कलाकार किंग अपने शानदार प्रदर्शन के साथ शाम को सुर्खियाँ बटोरेंगे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित श्यामक डावर डांस ट्रूप गतिशील कोरियोग्राफी के साथ मंच को जीवंत करेंगे।

रात की एक खास विशेषता अभिनव एनामॉर्फिक फ़्लोर प्रोजेक्शन मैपिंग होगी, जो स्टेडियम के फ़्लोर पर प्रोजेक्ट किए गए 3डी भ्रम के साथ प्रशंसकों के लिए एक विज़ुअल इमर्सिव अनुभव प्रदान करेगी।

प्रशंसकों को एक्शन के और करीब लाने के प्रयास में, राउरकेला में दर्शकों के लिए उद्घाटन समारोह और एचआईएल 2024-25 के सभी मैचों के टिकट नि:शुल्क होंगे। इस पहल का उद्देश्य लीग को देश भर के प्रशंसकों के लिए और अधिक सुलभ बनाना है, ताकि वे विश्व स्तरीय खेल तमाशा लाइव देख सकें।

हॉकी इंडिया लीग के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने एचआईएल द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, राउरकेला हॉकी के प्रति गहरा प्रेम रखने वाला शहर है, और यह उचित ही है कि हम यहाँ इतने भव्य समारोह के साथ लीग का शुभारंभ करें।

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने उद्घाटन समारोह के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, इस साल का उद्घाटन समारोह पहले कभी नहीं हुआ है।

हम इसे हॉकी का एक सच्चा उत्सव बनाना चाहते थे, जिसमें मनोरंजन और नवाचार का मिश्रण इस तरह से हो कि प्रशंसक उत्साहित हों और खेल को उनके और करीब लाए। सारा अली खान और किंग के प्रदर्शन से लेकर अत्याधुनिक दृश्य प्रभावों तक, हमें विश्वास है कि यह कार्यक्रम हॉकी के अविस्मरणीय सत्र के लिए मंच तैयार करेगा।

उन्होंने कहा, उद्घाटन समारोह में न केवल खेल का जश्न मनाया जाएगा, बल्कि उन प्रशंसकों का भी जश्न मनाया जाएगा जो हीरो एचआईएल की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हम सभी को इस असाधारण आयोजन का अनुभव लेने के लिए आमंत्रित करते हुए रोमांचित हैं।

देश के पहले अपतटीय क्षेत्र खनिज ब्लॉक नीलामी पर रोड शो करेगा खान मंत्रालय

नई दिल्ली,20 दिसंबर (एजेंसियां)।

खान मंत्रालय शनिवार (21 दिसंबर) को गुजरात के पोरबंदर में बड़ा रोड शो करेगा। इसमें देश के अपतटीय क्षेत्रों में खनिज ब्लॉकों की पहली ई-नीलामी की झांकी प्रमुखता से दर्शाई जाएगी। ई-नीलामी के इस चरण में कुल 13 खनिज ब्लॉक शामिल हैं।

खान मंत्रालय की तरफ से शुक्रवार को जारी बयान के मुताबिक कार्यक्रम की अध्यक्षता खान मंत्रालय के सचिव वीएल कांथा राव करेंगे। गुजरात के भूविज्ञान और खान आयुक्त धवल पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा उद्योग जगत के नेता इसमें शामिल होंगे। इसके साथ ही खनन, सीमेंट और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के इसमें भाग लेने की संभावना है, जो इस परिवर्तनकारी अवसर में बढ़ती रुचि को दिखाता है।

मंत्रालय ने कहा कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण अपतटीय ब्लॉकों की खनिज क्षमता पर तकनीकी प्रस्तुति देगा। रोड शो में एसबीआई कैपिटल मार्केट्स (एसबीआईसीएपीएस), मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएसटीसी) और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की तरफ से प्रस्तुतियां दी जाएंगी। वहीं, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स नीलामी प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करेगा, जिसमें समय-सीमा, निविदा और भागीदारी की शर्तें शामिल होंगी। साथ ही मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड निर्बाध और पारदर्शी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करने वाले उन्नत ई-नीलामी प्लेटफ़ॉर्म प्रस्तुत करेगा।

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने 28 नवंबर 2024 को अपतटीय खनिज ब्लॉकों की भारत की पहली ई-नीलामी का शुभारंभ किया था। यह कार्यक्रम इसी सिलसिले में आयोजित किया जा रहा है। नीलामी के इस चरण में लिए कुल 13 खनिज ब्लॉक हैं। ई-नीलामी में गुजरात में 3 लाइममड (चूना-पत्थर) ब्लॉक, केरल में 3 भवन निर्माण रेत ब्लॉक के साथ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सात पॉलीमेटेलिक नोड्यूल और क्रस्ट ब्लॉक है।

न्यूज ब्रीफ

भारत ने यूरोपीय संघ के समक्ष व्यापार बाधाओं का मुद्दा उठायाः वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) के बाजारों में घरेलू उद्योग के सामने आ रही बाधाओं को रेखांकित कर इन्हें हल करने का आग्रह किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक के बीच देर रात वर्चुअल बातचीत की। इस दौरान दोनों के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति के अलावा कई मुद्दे पर चर्चा की गई। मंत्रालय ने बताया कि वाणिज्य मंत्री गोयल ने मारोस सेफकोविक के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई बातचीत में व्यापार में बाधा डाल रही गैर-टैरिफ बाधाओं पर चर्चा की। गोयल ने चर्चा के दौरान विश्वास बनाने के उपाय के रूप में लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने एक संतुलित, न्यायसंगत, महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए की खोज करने पर सहमति व्यक्त की। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने भारत और यूरोपीय संघ के लगभग 2 बिलियन (2 अरब) लोगों के लिए अधिक धन और समृद्धि सुनिश्चित करने के तरीकों का पता लगाने पर सहमति व्यक्त की। मंत्रालय ने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) के नए यूरोपीय आयोग का कार्यभार संभालने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली परिचयात्मक बैठक थी।

सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

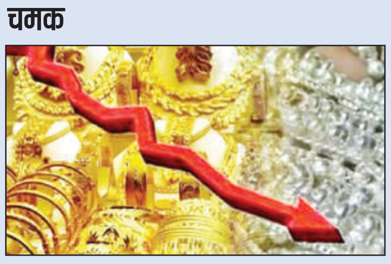

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में कमजोरी नजर आ रही है। सोना 650 रुपये से 710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। सोने की कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना भी 77,280 रुपये से लेकर 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 70,850 रुपये से लेकर 70,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी भी 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हुआ है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

अब 31 दिसंबर तक दाखिल कर सकेंगे विलंबित आईटीआर

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए विलंबित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब 31 दिसंबर तक आईटीआर दाखिल किया जा सकता है। यह जानकारी आयकर विभाग ने शुक्रवार को दी है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर एक बयान जारी कर कहा कि यदि आप आकलन वर्ष 2024-25 कि लिए अपना आईटीआर दाखिल करने से चूक गए हैं, तो आपके लिए विलंबित आयकर रिटर्न जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2024 है। आखिरी समय का इंतजार न करें और ही अपना आयकर रिटर्न दाखिल करें विभाग के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 और आकलन वर्ष 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 थी, लेकिन अगर कोई करदाता आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि से चूक गया है, तो भी लेट फीस के साथ वह अपना रिटर्न दाखिल कर सकता है। इसे विलंबित आईटीआर फाइलिंग कहते हैं। आयकर विभाग के मुताबिक विलंबित आयकर रिटर्न दाखिल करने पर आयकर अधिनियम की धारा 234 के तहत जुर्माना लगेगा। अगर आकलन वर्ष 2024-25 के आईटीआर 31 दिसंबर को या उससे पहले दाखिल किया जाता है तो जुर्माना पांच हजार रुपये होगा। अगर रिटर्न 31 दिसंबर के बाद लेकिन आकलन वर्ष की समाप्ति 31 मार्च, 2025 से पहले दाखिल किया जाता है तो जुर्माना 10,000 रुपये होगा। लेकिन अगर कुल इनकम पांच लाख रुपये से अधिक नहीं है, तो जुर्माना एक हजार रुपये होगा।

लगातार पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में कमजोरी, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली,20 दिसंबर (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच दबाव में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। पहले आधे घंटे के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने तेजी का रुख दिखाया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से शेयर बाजार ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.48 प्रतिशत और निफ्टी 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

कारोबार शुरू होने के एक घंटे बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शहरों में से डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, टाइटन कंपनी, एनटीपीसी, अडाणी एंटरप्राइजेज और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 2.22 प्रतिशत से लेकर 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, सिप्ला, जेएसडब्ल्यू स्टील और लार्सन एंड टूब्रो के शेर 2.10 प्रतिशत से लेकर 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,333 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,142 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,191 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 24 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स 117.43 अंक की मजबूती के साथ 79,335.48 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक ये सूचकांक मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार करता रहा, लेकिन पहले 15 मिनट के बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 79,587.15 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये मजबूती अधिक देर तक नहीं टिक सकी। अगले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार पर बिकवाल हावी हो गए, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 381.71 अंक की कमजोरी के साथ 78,836.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 9 अंक की मामूली बढ़त के साथ 23,960.70 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। पहले आधे घंटे के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक भी उछल कर 24,065.80 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण इस सूचकांक ने भी लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 97.40 अंक की गिरावट के साथ 23,854.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 964.15 अंक यानी 1.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 79,218.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 247.15 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,951.70 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

जैसलमेर में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक शनिवार को, हेल्थ और जीवन बीमा पॉलिसियों पर चर्चा संभव

नई दिल्ली,20 दिसंबर (एजेंसियां)।

जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक शनिवार, 21 दिसंबर को राजस्थान के जैसलमेर में होगी। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियों पर जीएसटी छूट पर चर्चा होगी।

आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि वित्त मंत्री सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक में करीब 148 वस्तुओं की जीएसटी दर में फेरबदल पर चर्चा होने की संभावना है। बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता वाले मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने अपनी रिपोर्ट जीएसटी परिषद को सौंप दी है। जीएसटी परिषद बीमा 'प्रीमियम' पर कर में कटौती सहित कई अन्य वस्तुओं पर जीएसटी दर में बदलाव का फैसला कर सकती है।

जैसलमेर में आयोजित जीएसटी परिषद अपनी 55वीं बैठक में जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी की दरें कम करने, उच्च श्रेणी की कलाई घड़ियों, जूतों और परिधानों पर कर बढ़ाने के अलावा 35 फीसदी अलग से कर लगाने पर विचार कर सकती है। इसके अलावा स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती पर बैठक में चर्चा हो सकती है।

इसके अलावा बैठक में विमानन उद्योग की परिचालन लागत के एक प्रमुख घटक एविएशन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) को जीएसटी के दायरे में लाने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

इसके अलावा इस बैठक में जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूह को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए जून, 2025 तक छह महीने का विस्तार मिलने की संभावना है। दरअसल क्षतिपूर्ति उपकर व्यवस्था मार्च, 2026 में समाप्त हो जाएगी और जीएसटी परिषद ने मंत्रियों का एक पैनल गठित किया है। केंद्रीय वित्तमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित जीएसटी परिषद की में राज्यों के वित्त मंत्री भी शामिल होंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नेहरू ने अंबेडकर...

लेना-देना नहीं है। मैंने निश्चित तौर पर ये नहीं कहा कि अनुसूचित जाति के लोगों को पूना पैक्ट के तहत राजनैतिक लाभ नहीं मिलेंगे। लेकिन मेरा पूरा जोर इस बात पर था कि अंबेडकर ने ब्रिटिश सरकार के साथ गठजोड़ किया था और कांग्रेस के खिलाफ थे। हम उनसे डील नहीं कर सकते।

नेहरू के पत्र के इस अंश को हाईलाइट करके अब सोशल मीडिया पर कांग्रेस से सवाल पूछे जा रहे हैं। भाजपा नेता अमित मालवीय ने लिखा, यह सोच से भी परे है कि नेहरू ने अमृत कौर को लिखे पत्र में बाबा साहेब को गद्दार कहा और उनपर ब्रिटिशों के साथ गठजोड़ करने का आरोप लगाया। संविधान के रचयिता बाबा साहेब की इससे बड़ी बेइज्जती नहीं हो सकती। सोशल मीडिया पर अमिताभ चौधरी लिखते हैं, 1946 में अमृत कौर को लिखे गए पत्र में नेहरू ने अंबेडकर को गद्दार कहा था और उनपर ब्रिटिशों के साथ गठजोड़ करने का आरोप लगाया था। आज उन्हीं का खून राहुल गांधी और कांग्रेस के लोग वीर सावरकर को भी ब्रिटिश एजेंट बोलते हैं।

सोशल मीडिया पर लोग ये सवाल भी कर रहे हैं कि कांग्रेस आज जितना प्यार बाबा साहेब के लिए दिखा रही है, तो उन्हें ये भी बताना चाहिए कि बाबा साहेब ने नेहरू के रवैये से तंग आ कर 1951 में कानून मंत्री पद से इस्तीफा क्यों दिया था? क्या जब बाबा साहेब देश के पहले कानून मंत्री बने थे उस समय उन्हें रक्षा संबंधी, विदेश संबंधी और वित्त संबंधी हर प्रमुख निर्णय लेने में शामिल करने के बजाय, किनारे नहीं किया गया था? क्या नेहरू ने उनपर ब्रिटिशों के साथ गठबंधन करने का आरोप लगाकर गद्दार नहीं कहा था?

जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू करने का भी बाबा साहेब अंबेडकर ने पुरजोर विरोध किया था। बाबा साहेब ने इस मसले पर पैरवी कर रहे शेख अब्दुल्ला को फटकार लगा कर अपने कक्ष से बाहर निकाल दिया था। इससे नेहरू इतने गुस्से में थे कि उन्होंने कानून मंत्री बाबा साहेब अंबेडकर को दरकिनार कर तत्कालीन रेल मंत्री अयंगार के जरिए अनुच्छेद 370 का मसला संसद के पटल पर रखवाया और सरदार पटेल ने नेहरू की प्रतिष्ठा का मसला बता कर इसे कांग्रेसी सदस्यों से पारित कराया था। बाबा साहेब जैसे देशभक्त की वफादारी पर संदेह करने वाली कांग्रेस पार्टी को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।

सांसदों को ...

खड़गे को धक्का दिया। राहुल ने कहा कि हमें धक्का-मुक्की से फर्क नहीं पड़ता है। यह प्रवेश द्वार है और हमें अंदर जाने का अधिकार है। भाजपा सांसद हमें अंदर जाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे, मुख्य मुद्दा यह है कि वे संविधान पर हमला कर रहे हैं और अंबेडकर जी की स्मृति का अपमान कर रहे हैं।

संसद में इस हाथापाई के भाजपा-कांग्रेस सांसदों के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर चला। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर और बांसुरी स्वराज समेत एनडीए के तीन सांसद संसद मार्ग पुलिस थाने पहुंचे और हाथापाई के सिलसिले में शिकायत दर्ज कराई। कुछ घंटों बाद कांग्रेस के सांसदों ने भी जाकर भाजपा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता धारा 117, 115, 125, 131, 351 और 3 (5) के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। राहुल गांधी के खिलाफ जिन धाराओं में केस दर्ज किया गया है। उनमें से धारा 117 और 125 संगीन अपराध की श्रेणी में आते हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि ऐसे अपराधों में गिरफ्तारी अनिवार्य नहीं, जिनमें सात साल से कम सज़ा संभावित हो। भाजपा की शिकायत के बाद कांग्रेस ने भी काउंटर एफआईआर दर्ज कराई। दिग्विजय सिंह और प्रमोद तिवारी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को जो चोट लगी है उसे लेकर कांग्रेस ने शिकायत दी। कांग्रेस इसमें भी खड़गे की जाति का कार्ड खेलने से नहीं चूकी। कांग्रेस ने एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज करने की मांग की है।

दूसरी तरफ, झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन और सदन के अपमान का नोटिस दिया है। दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेजे नोटिस में गृह मंत्री अमित शाह के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया है। साथ ही इस मामले में फैसला आने तक राहुल गांधी को सदन से निलंबित करने की अपील की है। निशिकांत दुबे ने इस मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजने की अपील भी की है। उन्होंने मांग की है कि जब तक समिति इस मामले में फैसला नहीं करती, तब राहुल गांधी को लोकसभा से निलंबित किया जाए। अमित शाह ने डॉक्टर अंबेडकर पर कांग्रेस के दोहरे रवैये का आरोप लगाते हुए टिप्पणी की थी। उनके भाषण के एक अंश को काट कर कांग्रेस ने अंबेडकर का अपमान किए जाने की हवा चलाई।

राज्यसभा के...

राज्यसभा के इतिहास में पहली बार सभापति को हटाने का प्रस्ताव पेश किया गया। इंडी गठबंधन ने सभापति जगदीप धनखड़ पर पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करने का आरोप लगाया। 25 नवंबर को शुरू हुए इस सत्र में विपक्ष और सत्तारूढ़ दल के बीच लगातार टकराव देखने को मिला। राज्यसभा में सभापति के बचाव में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें किसान का बेटा बताया। उन्होंने सदन की सदन की गरिमा को बनाए रखा। विपक्षी सांसदों पर निशाना साधते हुए रिजिजू ने कहा, अगर आप आसन का सम्मान नहीं कर सकते तो आपको सदस्य बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। हमने देश की संप्रभुता की रक्षा करने की शपथ ली है।

विपक्ष ने धनखड़ पर सदन में पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया था। कांग्रेस नेता जयराम रमेश समेत 60 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए थे। विपक्ष का कहना है कि उन्होंने केवल अपने अपमान के खिलाफ आवाज उठाई है। हरिवंश ने इस नोटिस को संविधान और प्रक्रियाओं के खिलाफ बताते हुए खारिज कर दिया।

पूर्वोत्तर के तीन...

बिगड़ने की संभावना बनी रहती है।

गृह मंत्रालय ने कहा है कि राज्य सरकार ने हाल ही में एक संगठन द्वारा भेजी गई चेतावनी का संज्ञान लिया था। इसमें कहा गया था कि मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को सेनापति जिले में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए कांगपोकपी जिले से होकर नहीं गुजरना चाहिए। वह धमकी कुकी जो काउंसिल के नाम पर दी गई थी। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और मामले की सच्चाई का पता लगाने के लिए प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। गृह मंत्रालय ने यह भी कहा कि जनता को ऐसे संदिग्ध संगठनों के बयानों और दावों पर ध्यान नहीं देना चाहिए जो समाज में भ्रम और अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।

इसी बीच, मणिपुर में मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को धमकी देने और अपमानजनक पोस्ट को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने मणिपुर न्यूज ग्रुप 2024 नामक फेसबुक पेज पर हिंसा भड़काने वाले पोस्ट को प्रकाशित किया था। इनमें मुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट मंत्रियों को जान से मारने की धमकी दी गई थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को पांच दिन की हिरासत में भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

हादसे को ...

उससे भूल क्यों कराई गई, यह जांच का विषय नहीं था।

इस दुर्घटना में जनरल बिपिन रावत के साथ उनकी पत्नी मधुलिका रावत, उनके रक्षा सहायक ब्रिगेडियर एलएस लिडर, लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह, विंग कमांडर पृथ्वी सिंह चौहान, हेलीकॉप्टर के पायलट स्क्वाड्रन लीडर कुलदीप सिंह, सह-पायलट जूनियर वारंट ऑफिसर राणा प्रताप दास, जूनियर वारंट ऑफिसर अरक्कल प्रदीप, हवलदार सतपाल राय, नायक गुरसेवक सिंह, नायक जितेंद्र कुमार, लांस नायक विवेक कुमार और लांस नायक बी साई तेजा की मौत हुई थी।

कोलकाता आओ...

गिरोह का खुलासा होने के बाद अब राज्य खुफिया विभाग पासपोर्ट के आवेदकों से 1971 के पहले के दस्तावेज दिखाने की मांग कर रहा है।

उत्तर प्रदेश एटीएस ने हिंदू नाम से भारतीय लोगों के फर्जी दस्तावेज लगाकर बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों को विदेश भेजने वाले रैकेट का नवंबर 2021 को पर्दाफाश किया था। एटीएस ने इस रैकेट से जुड़े एक आरोपी को सहारनपुर से गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम अजय घिल्डियाल है, जो एयर इंडिया के कस्टमर केयर में काम करता था।

अजय पर अब तक लगभग 40 लोगों को फर्जी दस्तावेजों के सहारे स्पेन, ब्रिटेन सहित अन्य यूरोपीय देशों भेजे जाने का आरोप लगे थे। एटीएस ने बांग्लादेश और म्यांमार से मुस्लिमों को भारत में हिंदू नाम से प्रवेश करवाने वाले रैकेट का खुलासा किया था। इस मामले में मानव तस्करी गिरोह का मददगार विक्रम को गाज़ियाबाद और समीर मंडल को भी पश्चिम बंगाल के 24 परगना से गिरफ्तार किया गया था।

समीर मंडल ट्रैवल एजेंसी चलाता था। ये आरोपित बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुसलमानों को भारत की नागरिकता दिलाने का भी काम करते थे। इसी भारतीय नागरिकता के सहारे बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को विदेश भेजा जाता था। विक्रम से हुई पूछताछ के बाद उसके सहयोगी अजय घिल्डियाल को पकड़ा गया था। अजय फर्जी दस्तावेजों के सहारे विदेश भेजे जाने वाले हर व्यक्ति पर 15 हजार रुपए लेता था। इस पैसे में कई अन्य कर्मचारी भी हिस्सा बँटवाते थे, जो एयरलाइंस ड्यूटी में तैनात थे। इस मामले में एक अन्य आरोपित गुरप्रीत था, जो लंदन पासपोर्ट ऑफिस में काम करता था। गुरप्रीत आरोपित अजय को फोन पर निर्देश दिया करता था।

वार्षिक राशिफल 2025

2.वृषभ राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि वृष राशि वालों के लिए 2025 का वर्ष मिश्रित फल देने वाला रहेगा, जिसमें कुछ शानदार अवसर और कुछ चुनौतियां भी होंगी। यह वर्ष आपको अपने जीवन में कुछ महत्वपूर्ण बदलावों का सामना करवा सकता है लेकिन साथ ही साथ आपके आत्मविश्वास और परिश्रम के कारण सफलता की संभावनाएं भी अधिक रहेंगी। देवगुरु बृहस्पति का दूसरे भाव से गोचर आपके जीवन में कई उतार-चढ़ाव लेकर आएगा। आपको अपने आर्थिक निर्णय बहुत ही सोच-समझकर लेने होंगे। आपको बड़े निवेश से पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेनी चाहिए। किसी भी परिस्थिति की पूरी तरह जांच-पड़ताल करने के बाद ही निवेश करें। शेयर मार्किट या सट्टेबाजी से दूर ही रहेंगे तो आपके लिए बेहतर होगा। वैवाहिक जीवन में तनाव रह सकता है। घर के सदस्यों का आपस में मनमुटाव बढ़ेगा। मार्च में शनि का एकादश भाव से गोचर आपके जीवन में राहत लेकर आएगा। आपकी परिस्थितियां धीरे-धीरे बदलेंगी। आपको भाग्य का साथ मिलेगा। आपकी आमदनी में बदलाव होगा। व्यापारियों को अपने सौदों में मुनाफ़ा मिलेगा। यदि जॉब चेंज करने का सोच रहें हैं तो यह समय आपके लिए विशेष रुप से फलदायी रहेगा। आपको अपने काम से पहचान मिलेगी। इस अवधि में आपको बिजनेस से जुड़ी छोटी-छोटी यात्राओं पर जाने का मौका मिलेगा। पहले से चल रही आर्थिक तंगी से आपको कुछ हद तक छुटकारा मिलेगा। यदि मेहनत करेंगे तो कर्मदाता शनि आपसे प्रसन्न रहेंगे और आपको नौकरी व व्यापार में उत्तम परिणाम देंगे। छात्रों के लिए यह समय शुभ रहेगा। आपको विदेश भूमि से आकस्मिक लाभ मिल सकता है। आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। लंबे समय से रुका हुआ धन आपको इस समय मिल सकता है। सेहत की दृष्टि से बात करें तो इस साल आपको उत्तम सेहत का लाभ मिलेगा। थोड़ी बहुत परेशानी हो सकती है लेकिन कोई गंभीर परेशानी नहीं होगी। मई 2025 में राहू का दसवें और केतु का चतुर्थ भाव से गोचर आपके जीवन में नकारात्मक परिणाम ला सकता है। आपको आर्थिक व पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कर्ज, उधार या खर्चे आपकी मुश्किलें बढ़ा सकते हैं।

कैरियर– करियर के मामले में यह वर्ष आपके लिए सकारात्मक रहेगा। विशेष रूप से मध्य वर्ष (जून से सितंबर) के बीच आपको नौकरी में उन्नति या नए अवसर मिल सकते हैं। यदि आप स्वयं का व्यवसाय करते हैं, तो आपको सही दिशा में मेहनत करने से लाभ होगा। हालांकि, वर्ष की शुरुआत और अंत में कार्यों में थोड़ी बाधाएं आ सकती हैं लेकिन धैर्य और प्रयास से आप इन पर काबू पा सकते हैं। वित्तीय स्थिति में भी सुधार होगा लेकिन आपको खर्चों पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। कुछ अप्रत्याशित खर्चे आ सकते हैं, जिससे आपकी बचत में कमी हो सकती है। निवेश करने से पहले अच्छे से विचार करें और जोखिम से बचने की कोशिश करें। आपके लिए यह वर्ष संघर्ष से भरा रहेगा। वर्ष 2025 की शुरुआत में आपको अपने हर कार्य में सफलता पाने के लिए मेहनत करनी पड़ेगी। आप इस अवधि में अच्छा धन कमा सकते हैं। शनि का गोचर आपके इनकम भाव में वृद्धि करेगा। आपको नौकरी में परिवर्तन करने से अच्छा धन लाभ मिल सकता है। आपके काम को सराहा जाएगा। मई में राहू का दसवें भाव से गोचर आपको विदेश जाने का मौका दिलाएगा। आपको करियर में कई आकस्मिक बदलाव देखने को मिलेंगे। राहू आपके करियर में अच्छे या बुरे परिणाम ला सकता है। आपका बजट भी बिगड़ सकता है। केतु का चौथे भाव से गोचर आपके लिए नकारात्मक परिणाम लाएगा। छात्रों के लिए यह गोचर सही नहीं है। करियर में नुकसान हो सकता है। कहीं पर भी निवेश करने से बचें या सोच समझकर ही निवेश करें। इस अवधि में आपको मानसिक चिंतन या मानसिक तनाव हो सकता है। आप अपने भविष्य को लेकर परेशान रहेंगे। आपके मन में बेचैनी व क्रोध बढ़ेगा। इस समय नौकरी पर आपको हर काम संभाल कर करना होगा। आपकी एक गलती भी इस दौरान आप पर भारी पड़ सकती है। आपको अपने विरोधियों का सामना करना पड़ सकता है। पार्टनरशिप में भी आपको नुकसान होने की संभावना है। परिस्थितियां एकदम विपरीत नजर आ रही है। आपको हर कार्य में अधिक मेहनत करनी होगी तभी आपको सफलता हासिल होगी। आपकी लापरवाही के कारण आपको अपनी नौकरी से भी हाथ धोना पड़ सकता है इसलिए काम के प्रति सच्ची लगन बनाए रखें। इस समय आपको आर्थिक तंगी से भी गुजरना पड़ सकता है। आपको आय के साधनों में कमी महसूस होगी। आपको धैर्य से काम लेना है और इस समय के गुजर जाने का इंतज़ार करना है। यह समय आपके करियर के लिहाज़ से थोड़ा धीमा रहेगा। आप पर काम का बोझ महसूस हो सकता है।

आर्थिक स्थिति – नौकरीपेशा लोगों के लिए भी समय थोड़ा कष्टदायी रहेगा। यह समय आपके लिए आर्थिक नुकसान लेकर आ सकता है। इस स्थिति में आपको अत्यधिक चिंतन छोड़कर कार्य पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत होगी। मेहनत करते रहेंगे तो इसका सकारात्मक परिणाम अवश्य मिलेगा। यदि प्रॉपर्टी में निवेश करना चाहते हैं तो किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह अवश्य लें और उसके बाद ही किसी नतीजे पर पहुंचे। इस दौरान आपको आर्थिक तंगी का अनुभव होगा। बेवजह खर्चे बढ़ सकते हैं। सोच-समझकर धन खर्च करें नहीं तो आपको धन-बचत में भी परेशानी आ सकती है। धन आएगा तो जरूर पर टिकेगा नहीं। वर्ष के मध्य अवधि आपके लिए बेहद शुभ रहेगी। आपके कार्य धीरे-धीरे रफ़्तार पकड़ने लगेंगे। जितना अधिक फोकस होकर आप अपने कार्य करेंगे उतने ही अधिक अच्छे रिज़ल्ट आपको मिलेंगे। आमदनी के रास्ते बनते चले जाएंगे। नई नौकरी मिलने की संभावना बन रही है। आपके धन में अकस्मात वृद्धि हो सकती है। आपको विदेश जाकर व्यापार करने के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आप अपने पिछले उधार चुकाने में कामयाब रहोगे। मेहनत के द्वारा किए गए कामों में आपको सफलता जरूर मिलेगी। भाग्य भी आपका साथ तभी देगा जब आप सच्ची लग्न के साथ अपना कार्य करेंगे। वर्ष के अंत में राहू और केतु का आपकी राशि से गोचर आपके लिए शुभ नहीं रहेगा। आपके जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकेंगे। आपकी योजना के अनुसार कार्य नहीं होंगे। किसी भी तरह का बदलाव आपके लिए कुछ खास अच्छे परिणाम नहीं लाएगा। आपको आर्थिक तंगी के साथ-साथ अपने बिजनेस पार्टनर से धोखा मिलने की भी प्रबल आशंका है। प्रॉपर्टी खरीदने या बेचने से आपको बड़ा आर्थिक नुकसान होगा। आपके जीवन में वित्तीय समस्याएं भी खड़ी हो सकती हैं। आपको अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर मानसिक तनाव भी हो सकता है। राहू के प्रभाव से आप पर काम की अधिकता रहेगी और इसका असर आपके निर्णय लेने

की क्षमता पर भी दिखाई देगा। वर्ष में आपके लिए यही सलाह है की जल्दबाजी में आकर कोई भी आर्थिक निर्णय न लें नहीं तो इससे आपको तगड़ा नुकसान और मानसिक तनाव हो सकता है।

परिवार – साल में शनि का प्रभाव रहेगा, जबकि कुंडली में केतु की उपस्थिति पारिवारिक माहौल से अलगाव का कारण बनेगी। वृषभ राशि के जातकों और आपके परिवारों के लिए उतार-चढ़ाव भरा प्रतीत होता है। इसके लिए बहुत अधिक शांति और धैर्य की आवश्यकता होगी। घरेलू माहौल स्थिर लेकिन नकारात्मक रहेगा। ऐसा हो सकता है कि आप अपने घर में सुरक्षित महसूस न करें। आपकी राय आपके परिवार के सदस्यों से भिन्न होगी और वे घर पर आपकी उपस्थिति से थोड़े चिढ़ेंगे। यदि आप अपने घर से दूर रहते हैं, तो आप लंबे समय तक वापस लौटने में असमर्थ हो सकते हैं। आपकी माता के साथ संबंध बहुत मधुर नहीं रहेंगे। आपके बीच बार-बार बहस हो सकती है और संबंध में कड़वाहट आ सकती है। एक साधारण चर्चा भी बहस में बदल सकती है। आपके पिता के साथ आपके रिश्ते बिल्कुल सामान्य रहेंगे। थोड़ा संवाद होगा, लेकिन नकारात्मकता का कोई संकेत नहीं है। आपके भाई-बहनों के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। पूरे साल नियमित रूप से छोटी यात्राएँ और धार्मिक स्थलों की यात्रा होने की संभावना है, कुछ भाई-बहनों के साथ और कुछ आपके पार्टनर या माता-पिता के साथ। इस साल धार्मिक यात्राएं आपके लिए बेहद फायदेमंद रहेंगी।

प्रेम – रोमांस – साल आपकी लव लाइफ के लिए मिले-जुले परिणाम दे सकता है। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने तक आपके पंचम भाव में केतु विराजमान रहेंगे, जो बीच-बीच में प्रेम संबंध में गलतफहमियां उत्पन्न करने का काम करेंगे। हालांकि इन सबके बीच अनुकूल बात यह रहेगी की लगभग उसी समय तक अर्थात मई महीने के मध्य तक बृहस्पति देव पंचम दृष्टि से आपके पंचम भाव को देखेंगे और उस गलतफहमी को जल्द से जल्द दूर करवाना चाहेंगे। अर्थात प्रेम संबंध में कुछ दिक्कतें तो आएंगी लेकिन जल्दी ही दूर भी हो जाएंगी। मई महीने के मध्य भाग के बाद बृहस्पति का गोचर दूसरे भाव में हो जाएगा और केतु का गोचर चतुर्थ भाव में हो जाएगा इस तरह से गलतफहमियों का लेवल कम होगा लेकिन उस समय शनि का प्रभाव पंचम भाव पर रहेगा। अतः सामान्य लेवल की गलतफहमियां तो दूर हो जाएगी लेकिन वास्तव में की गई गलतियां नुकसान दे सकती हैं। कहने का तात्पर्य है कि यदि आप सच्चा प्रेम करते हैं तो इस वर्ष आपको कोई परेशानी नहीं होगी बल्कि सब कुछ ठीक-ठाक बना रहेगा। वहीं प्रेम के प्रति समर्पण के भाव न होने की स्थिति में या प्रेम का दिखावा मात्र करने की स्थिति में मार्च के बाद शनि देव प्रेम संबंधों में परेशानियां दे सकते हैं लेकिन यदि आप सच्चा प्रेम करते हैं तो आपको चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। यदि आपकी उम्र विवाह की हो चुकी है और आप विवाह के लिए प्रयत्न भी कर रहे हैं तो यह साल इस मामले में आपको अच्छे परिणाम दे सकता है। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य तक बृहस्पति देव आपके पहले भाव में रहकर आपके पंचम तथा सप्तम भाव को देखेंगे। जो विवाह करवाने के लिए अनुकूल स्थितियां कही गई हैं। अर्थात सगाई के लिए या फिर विवाह के लिए यह गोचर अनुकूल माना जाएगा। विशेषकर प्रेम विवाह की इच्छा रखने वाले लोगों की मनोकामना पूर्ति भी हो सकती है। वहीं मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति का गोचर आपके दूसरे भाव में होकर पारिवारिक लोगों की संख्या बढ़ाने का काम करेगा।

शिक्षा– शिक्षा के क्षेत्र में वृष राशि वाले छात्रों के लिए साल बहुत अच्छा रहेगा। कड़ी मेहनत और सही दिशा में प्रयास करने से अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। जो लोग उच्च शिक्षा या विदेश में अध्ययन करने की योजना बना रहे हैं, उनके लिए यह वर्ष शुभ रहेगा।

आध्यात्मिक और आत्मविकास के लिए भी यह समय अच्छा है। आपको अपने अंदर की शक्ति को पहचानने का मौका मिलेगा। यदि आप ध्यान, योग या किसी प्रकार के मानसिक विकास में रुचि रखते हैं तो यह वर्ष इसे अपनाने के लिए एक अच्छा समय है। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य तक उच्च शिक्षा का कारक बृहस्पति प्रथम भाव में स्थित होकर पंचम तथा नवम भाव को दिखेगा। फलस्वरुप आप शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कर सकेंगे। वहीं मई मध्य के बाद बृहस्पति दूसरे भाव में जाकर सकारात्मक ऊर्जा के लेवल को और बढ़ा सकते हैं। आपके आसपास का माहौल शिक्षा के दृष्टिकोण से और अच्छा हो सकता है। घर परिवार के लोग भी आपको पढ़ाई लिखाई के मामले में प्रोत्साहित करते हुए देखे जा सकेंगे। बुध ग्रह का गोचर भी कुछ-कुछ समय के लिए थोड़ा बहुत कमजोर रहेगा लेकिन अधिकांश समय अच्छे परिणाम देना चाहेगा। यही कारण है कि इस वर्ष आप शिक्षा के मामले में काफी अच्छा कर सकते हैं। इसके बावजूद भी चतुर्थ भाव पर साल की शुरुआत में शनि तथा बाद में केतु के प्रभाव को देखते हुए मन को उद्विग्न होने से रोकने की जरूरत रहेगी। यानी शांत होकर अध्ययन पर फोकस करेंगे तो इस वर्ष आप काफी अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

स्वास्थ्य – स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से साल 2025 सामान्य तौर पर अनुकूल रह सकता है। इस वर्ष किसी बड़ी स्वास्थ्य समस्या के योग नजर नहीं आ रहे हैं। विशेषकर मार्च के बाद जब शनि का गोचर आपके लाभ भाव में हो जाएगा, उसके बाद से समस्याएं और भी कम हो जानी चाहिए। हालांकि पूरी तरह से स्वास्थ्य समस्याएँ दूर नहीं होंगी क्योंकि साल की शुरुआत से मार्च तक शनि ग्रह की चतुर्थ भाव पर दृष्टि रहेगी जो हृदय या सीने के आसपास की तकलीफों को बढ़ाने का काम कर सकती है। ऐसे में जिन्हें हृदय या फेफड़ों से संबंधित कोई परेशानी पहले से ही है उन्हें इन शुरुआती महीनों में कुछ परेशानी रह सकती है लेकिन इसके बाद शनि का प्रभाव चतुर्थ भाव से समाप्त हो जाएगा। जो पुराने और क्लिस्ट रोगों को दूर करने में मददगार बनेगा। हालांकि मई के बाद से चतुर्थ भाव में केतु का प्रभाव शुरू हो जाएगा। अतः छोटी-मोटी विसंगतियां उस अवधि में भी रह सकती हैं लेकिन बड़ी समस्याओं के कम होने से आप राहत की सांस ले सकेंगे। इसके अलावा यदि आप योग व्यायाम इत्यादि करते रहेंगे, साथ ही साथ शुद्ध और सात्विक भोजन लेते रहेंगे तो मई मध्य के बाद बृहस्पति ग्रह की अनुकूलता आपके स्वास्थ्य को और भी अच्छा करने में मददगार बनेगी और आप तुलनात्मक रूप से बेहतर स्वास्थ्य का आनंद ले सकेंगे। नियमित अंतराल पर थोड़ा थोड़ा भोजन करें ऐसा करने से आपको पाचन से जुड़ी कोई बड़ी समस्या नहीं होगी। वृषभ राशि की महिलाएं अपने घर और बाहर दोनों तरफ़ एक्टिव रहेंगी जिसके कारण आपको मानसिक तनाव हो सकता है। आपको तनाव से बाहर आने के लिए मेडिटेशन का सहारा लेना होगा। 35 से अधिक उम्र की महिलाओं को अपने डाइट का अधिक ध्यान रखना चाहिए क्योंकि यह हार्मोनल चेंज का समय होता है। ऐसे में आपको इम्यूनिटी पॉवर बढ़ाने वाले विटामिन ज्यादा लेने चाहिए। आपको रिफाइंड, मैदा और चीनी का इस्तेमाल कम से कम करना चाहिए।

ज्योतिष उपाय – 9 वर्ष से छोटी कन्याओं को भोजन कराए और उनके चरण छूकर प्रतिदिन उनका आशीर्वाद लें। शुक्रवार के दिन सफेद मिठाई का दान करें। शनिवार के दिन चीटियों को आटा डालें और गौ-माता की सेवा करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

यह मंदिर कहलाता है दक्षिण का द्वारका द्वापर युग से जुड़े हैं इसके तार

आज हम आपको केरल के गुरुवयूर शहर के प्रसिद्ध गुरुवयूर मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। इस मंदिर के प्रति भक्तों की अटूट श्रद्धा का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस मंदिर को दक्षिण की द्वारका के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर में स्थापित मूर्ति का इतिहास भगवान श्रीकृष्ण के युग यानी द्वापर युग से भी जुड़ा हुआ माना जाता है।

मिलती है यह कथा – इस मंदिर को लेकर एक पौराणिक कथा भी प्रचलित है, जिसके अनुसार यह माना जाता है कि कलयुग की शुरुआत में देवगुरु बृहस्पति और वायु देव को भगवान कृष्ण की एक मूर्ति मिली थी। जिसे लेकर यह माना जाता है कि यह मूर्ति द्वारिका की भयंकर बाढ़ में बहकर यहां आई थी। ऐसे में गुरु बृहस्पति और वायु देव ने एक मंदिर में इसकी स्थापना की और इन दोनों के नाम को मिलाकर ही पर ही मंदिर का नाम गुरुवयूर पड़ा।

किसने किया निर्माण – गुरुवयूर मंदिर लगभग 5000 साल पुराना बताया जाता है। इस मंदिर को लेकर यह मान्यता चली आ रही है कि इस मंदिर का निर्माण स्वंय भगवान विश्वकर्मा ने किया गया था। वहीं कुछ मान्यताओं के अनुसार, यह कहा जाता है कि मंदिर का निर्माण देवगुरु बृहस्पति द्वारा किया गया था। इस मंदिर का निर्माण कुछ इस प्रकार हुआ कि सूर्य की किरणें सबसे पहले भगवान गुरुवयूर के चरणों पर गिरे।

कैसा है मूर्ति का स्वरूप – गुरुवयूर मंदिर में विराजमान भगवान कृष्ण की उनके बाल स्वरूप की मानी जाती है, जो उन्नीकृष्णन नाम से भी प्रसिद्ध है। मूर्ति में भगवान कृष्ण के चार हाथ हैं, जिसमें से एक हाथ में श्रीकृष्ण ने शंख, दूसरे में सुदर्शन चक्र, तीसरे में कमल और चौथे हाथ में गदा धारण किया हुआ है। ये मूर्ति की पूजा भगवान कृष्ण के बाल रुप यानी बचपन के रुप में की जाती है। जन्माष्टमी के अवसर पर यहां भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है।

राशि अनुसार कर लें ये काम, पैसों की किल्लत से मिलेगा छुटकारा

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, साल 2025 में कई बड़े ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। इनमें सबसे पहले सुखों के कारक शुक्र देव राशि परिवर्तन करेंगे। वहीं, कर्मफल दाता मार्च महीने में राशि परिवर्तन करेंगे। जबकि, देवगुरु बृहस्पति मई महीने में राशि परिवर्तन करेंगे। इन ग्रहों के राशि परिवर्तन से राशिचक्र की सभी राशियों पर भाव अनुसार प्रभाव पड़ सकता है। इनमें कई राशि के जातकों को लाभ होगा। वहीं, कई राशि के जातकों को सफलता प्राप्त करने के लिए विशेष प्रयास करना पड़ सकता है। अगर आप भी चाहते हैं कि आने वाला वर्ष आपका मंगलमय गुजरे, तो नए साल की शुरुआत होने से पहले राशि अनुसार ये काम कर लें।

मेष राशि – देवगुरु बृहस्पति की कृपा के चलते साल 2024 शानदार रहा है। हालांकि, साल 2025 में साढ़े साती शुरू होगी। इसके लिए नया साल शुरू होने से पहले सभी पुराने काम को निपटा दें। साथ ही पार्टनर के साथ बिगड़े रिश्ते को मधुर बनाने की कोशिश करें।

वृषभ राशि – गुरु के गोचर के चलते वृषभ राशि के जातकों के लिए साल 2024 बेहतरीन रहा है। आने वाले साल का स्वागत करें। वहीं, पेंडिंग कामों को निपटा लें। साथ ही अपने पार्टनर के साथ बैठकर नए साल के लिए प्लानिंग करें।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के जातकों के लिए नया साल बेहतरीन साबित हो सकता है। गुरु के गोचर से मिथुन राशि के जातकों को लाभ होगा। मिथुन राशि के जातक पुराने कामों को नया साल शुरू होने से पहले निपटा लें।

कर्क राशि –कर्क राशि के जातकों के लिए नया साल शुभ रहने वाला है। शनि की ढैय्या समाप्त हो जाएगी। इसके लिए नए काम को मार्च महीने तक के लिए रोक सकते हैं। हालांकि, लेखन करें और अपने विचार को नया रूप देने की कोशिश करें।

सिंह राशि – आने वाला साल आपके लिए थोड़ा कठिन हो सकता है। इसके लिए अभी से पुराने कामों को सही समय पर कर दें। अगले साल शनि की ढैय्या शुरू होगी। इसके लिए सभी काम को दिसंबर अंत तक कर लें।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों को अगले साल केतु से मुक्ति मिलेगी। इसके लिए अपने काम पर ध्यान दें और अपने विकास पर नजर रखें। नए साल के लिए तैयारी करें। गोल सेट करें।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों के लिए साल 2025 शुभ रहने वाला है। आप ऊर्जा से लबरेज रहेंगे। अपने पार्टनर के साथ समय बिताएं, उन्हें समझने की कोशिश करें। रिश्ते को मधुर बनाएं। वहीं, अगले साल के लिए रोडमैप तैयार करें।

वृश्चिक राशि– अगले साल वृश्चिक राशि के जातकों को भी शनि की ढैय्या से मुक्ति मिलेगी। इसके लिए आने वाला समय उत्तम रहने वाला है। साल के अंत तक सभी अधूरे काम को पूरा कर लें। नए साल की शुरुआत नए सिरे से करें।

धनु राशि – धनु राशि के जातकों पर शनि की ढैय्या शुरू होगी। इसके लिए सभी कामों को पूरा कर लें। किसी काम को अधूरा न छोड़े। नई स्किल सीखने की कोशिश करें। अपने विचार को नई उड़ान दें।

मकर राशि – मकर राशि के जातकों को साढ़े साती से मुक्ति मिल जाएगी। हालांकि, कर्मशील बने रहें। अपने कार्य को पूरा करने की कोशिश करें। सेट गोल को अचीव करें।

कुंभ राशि– कुंभ राशि के जातकों पर अगले साल साढ़े साती का अंतिम चरण शुरू होगा। इसके लिए धैर्यपूर्वक रहें। अपने काम में व्यस्त रहें। पेंडिंग पड़े काम को पूरा कर लें। न्यू स्किल सीखने की कोशिश करें।

मीन राशि –मीन राशि के जातकों को भी अगले साल मायावी ग्रह से मुक्ति मिल जाएगी। हालांकि, शनि की साढ़े साती जारी रहेगी। अगले साल से दूसरा चरण शुरू होगा। इसके लिए अपने काम में संतुलन बना कर रखने की कोशिश करें। नए साल के लिए गाइडलाइन तैयार करें।

करियर में खूब तरक्की पाते हैं इन तारीखों पर जन्में लोग, मेहनत का मिलता है पूरा फल

ज्योतिष दृष्टि से व्यक्ति का मूलांक भी उसके स्वभाव से लेकर उसके करियर के बारे में बहुत-सी बातें पता लगाने में मदद करता है। आज हम एक ऐसे मूलांक की बात करने जा रहे हैं, जिसे अपने कार्यक्षेत्र में अपनी मेहनत का पूरा फल मिलता है। साथ ही इन लोगों का स्वभाव भी इन्हें सफलता दिलाने में मदद करता है। ऐसे में चलिए जानते हैं इस विषय में।

ये मूलांक है खास – जब किसी जातक का जन्म किसी महीने की 07, 16 या फिर 25 तारीख को होता है, तो उनका मूलांक 07 माना जाता है। क्योंकि इन संख्याओं को आपस में जोड़ने पर 07 अंक प्राप्त होता है। इस मूलांक का स्वामी केतु ग्रह है।

कैसा होता है स्वभाव – मूलांक 07 के जातक ही दार्शनिक स्वभाव के होते हैं और इन्हें नई चीजों के बारे में रिसर्च करना भी काफी पसंद होता है। साथ ही यह जातक काफी दृढ़ निश्चयी भी होते हैं और अपने काम को पूरा करके ही दम लेते हैं। अपनी इन्हीं खासियतों के चलते ये लोग अपने कार्यक्षेत्र सफलता हासिल करते हैं। अपनी कड़ी मेहनत के दम पर ये जातक बहुत बड़े पद तक जाते हैं। साथ ही यह बहुत ही साधारण व्यक्तित्व के लोग होते हैं और साथ ही आध्यात्मिक प्रवृत्ति के भी होते हैं।

होती हैं कुछ कमियां भी – हर इंसान में कुछ-न-कुछ कमी होना है। इसी तरह मूलांक 07 के जातकों में कुछ कमियां भी होती हैं। ये लोग जल्द किसी पर भरोसा नहीं कर पाते। इनके अंदर निराशा भी जल्दी आ जाती है, जिससे ये जातक जल्दी किसी से जुड़ाव नहीं महसूस कर पाते।

कर सकते हैं ये उपाय – मूलांक 7 के को रोजाना ध्यान करना चाहिए। इसी के साथ आप अच्छे साहित्य और किताबें पढ़ने की आदत बनाएं। इससे आपके मन में बुरे ख्याल नहीं आएंगे। लोगों से मिलना-जुलना भी आपके लिए एक बेहतर उपाय है।

पुष्पा 2 ने ऑस्ट्रेलिया में रचा इतिहास

14वें दिन की कमाई से बनाया ये रिकॉर्ड, भारत में 1,000 करोड़ की ओर बढ़ रही फिल्म

पुष्पा 2 इंडियन सिनेमा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. पुष्पा 2 द रूल घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. पुष्पा 2 ने कोरोनाकाल के बाद रिलीज हुई फिल्मों को कमाई में पीछे छोड़ दिया है. वहीं, घरेलू बॉक्स ऑफिस सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में बाहुबली 2 अभी भी टॉप पर विराजमान है. अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर तकरीबन सभी फिल्मों को पानी पिला दिया है. पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपने शानदार दो हफ्ते पूरे कर लिए हैं.बता दें, पुष्पा 2 वर्ल्डवाइड 1500 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है और फिल्म जल्द ही भारत में 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने जा रही है. यह तय है कि पुष्पा 2 आज अपने 15वें दिन की कमाई से घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये छापने में कामयाब रहेगी. वहीं, पुष्पा 2 की 14वें दिन की कमाई की बात करें तो एक बार फिर पुष्पा 2 की कमाई में गिरावट दर्ज हुई है. सैकनिल्क के अनुसार, 14वें दिन पुष्पा 2 की कमाई में 10.92 फीसदी की गिरावट देखी गई है. वहीं, फिल्म पुष्पा 2 ने 14वें दिन भारत में 20.8 करोड़ रुपये की कमाई की है. इसी के साथ पुष्पा 2 का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल कलेक्शन 973.65 करोड़ रुपये हो गया है.बता दें, पुष्पा 2 ऑस्ट्रेलिया में साल 2024 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. पुष्पा 2 ने ऑस्ट्रेलिया में 4 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई कर इतिहास रच दिया है.बता दें, पुष्पा 2 ना सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस बल्कि वर्ल्डवाइड सबसे ज्यादा कमाई करने वाली इंडियन फिल्म बनने जा रही है. पुष्पा 2 ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 14 दिनों में 1500 करोड़ रुपये तकरीबन कमाई कर ली है और फिल्म के पास अभी एक और फ्री हफ्ता बचा है, जिसमें पुष्पा 2 अपनी कमाई में रफ्तार लाएगी. बता दें, दंगल (2000 करोड़ रुपये से ज्यादा) और बाहुबली 2 (1800 करोड़ रुपये से ज्यादा) का रिकॉर्ड तोड़ पुष्पा 2 भारत की सबसे कमाऊ फिल्म बनने जा रही है.

अनुष्का शर्मा ने रविचंद्रन अश्विन की विरासत की सराहना की

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा, जो मातृत्व कर्तव्यों के कारण अभिनय से दूर हैं, ने क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन की सराहना की है, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में बीसीसीआई का एक वीडियो शेयर किया और लिखा, एक स्थायी विरासत।

रविचंद्रन अश्विन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने कार्यकाल के दौरान भारतीय टीम की सबसे मजबूत ताकतों में से एक थे और उन्हें अब तक के सबसे महान स्पिनरों में से एक माना जाता है। वह 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली टीम और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी का भी हिस्सा थे, जहां 2013 के फाइनल में उन्होंने अंतिम ओवर फेंका था, जिससे भारत को जीत मिली थी।रविचंद्रन अश्विन ने अपने बल्ले से भी भारतीय क्रिकेट में योगदान दिया क्योंकि उन्होंने निचले क्रम में बल्लेबाजी विभाग में मजबूत समर्थन दिया। अश्विन ने मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दूसरा पिंक बॉल टेस्ट भी खेला। उन्हें सीरीज के तीसरे टेस्ट में टीम से बाहर रखा गया था, जहां भारत ने पहली पारी में संघर्ष किया था। हालांकि, बारिश के कारण मैच को बचाने में सफल होने और मैच ड्रॉ होने के बाद, अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, और घोषणा करने के उसी दिन भारत के लिए रवाना हो गए।

इस कदम के साथ, उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा के उस बयान का खंडन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि दिग्गज स्पिनर अपने संन्यास की घोषणा के एक दिन बाद ही चले जाएंगे।

अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 700 से अधिक और टेस्ट में 500 से अधिक विकेट लिए हैं, जिससे वे टेस्ट में शीर्ष दस विकेट लेने वालों में शामिल हैं। उन्होंने टेस्ट में 6 शतक और 14 अर्धशतकों के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 4000 से अधिक रन बनाए हैं।

वे भारत के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले के बाद दूसरे स्थान पर हैं। अश्विन के जाने के बाद, टीम इंडिया के पास अब उस स्थान और स्पिन विभाग में रवींद्र जडेजा के रूप में एक भरोसेमंद खिलाड़ी है। आने वाले 2 मैच टीम इंडिया के भाग्य और डब्ल्यूटीसी के लिए उसकी योग्यता का फैसला करेंगे।

टीवी एक्ट्रेस दीपिका ने शुरू की शूटिंग

दीपिका कक्कड़ टीवी सीरियल ससुराल सिमर का के जरिए दर्शकों के बीच मशहूर हुई थी। इसके अलावा भी उन्होंने कई हिट टीवी सीरियल्स में काम किया। टीवी एक्टर शोएब इब्राहिम से शादी के बाद वह अपनी फैमिली लाइफ में व्यस्त हो गई। उनका एक छोटा बेटा भी है, जिसकी परवरिश में वह अपना पूरा समय देती हैं। लेकिन टीवी सीरियल में काम ना करने के बावजूद भी वह लाइमलाइट में बनी रहती हैं। दीपिका टीवी सीरियल में एक्टिव ना होने के बावजूद भी, दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाए हुए हैं। दरअसल, वह अपना एक व्लॉग चैनल यूट्यूब पर चलाती हैं। इस चैनल का नाम दीपिका की दुनिया है।

इसमें वह अपने हर दिन का हाल दर्शकों के साथ साझा करती हैं। उनके इस चैनल पर लगभग 3 मिलियन फॉलोअर हैं।हाल ही में अपने व्लॉगिंग चैनल पर ही दीपिका कक्कड़ ने बताया कि वह जल्द ही एक दर्शकों को एक खास प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। इसी व्लॉग में वह शूटिंग वाली जगह पर भी नजर आईं। शूटिंग पर उनका बेटा भी साथ में मौजूद था। दीपिका ने कहा कि वह जल्द ही बताएंगी कि किस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रही हैं। दीपिका के यूट्यूब चैनल पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है लेकिन उन्हें अकसर ट्रोलिंग का शिकार भी होना पड़ता है। अकसर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स दीपिका कक्कड़ और उनके पति शोएब इब्राहिम को उनके रहन-सहन और पहनावे को लेकर ट्रोल कर देते हैं। कई यूजर्स तो दीपिका को इसलिए भी ट्रोल करते हैं कि उन्होंने परिवार की देखभाल के लिए करियर से ब्रेक ले लिया है। इस ट्रोलिंग पर दीपिका भी चुप नहीं रहती हैं, वह बुरी बातें बोलने वाले लोगों को अपने व्लॉगिंग चैनल के जरिए ही मुंहतोड़ जवाब देती हैं।

सिर्फ एक कला नहीं सच्चाई की गहराई में जाने की यात्रा है फिल्म निर्माण : विवेक अग्निहोत्री

'द कश्मीर फाइल्स', 'वैक्सीन वॉर' जैसी फिल्मों का निर्माण करने वाले इंडस्ट्री के मशहूर निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने प्रशंसकों के साथ एक वैचारिक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि फिल्म निर्माण सिर्फ एक कला नहीं।

सोशल मीडिया पर वैचारिक पोस्ट के साथ अक्सर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले निर्देशक ने इंस्टाग्राम पर शूटिंग सेट से ली गई तस्वीरें साझा कर प्रशंसकों को बारीकी के साथ बताया कि फिल्म निर्माण सच्चाई की गहराई में उतरने की एक यात्रा है।

पोस्ट साझा कर अनुपम खेर ने कैप्शन में लिखा, फिल्म निर्माण सिर्फ एक कला नहीं है, यह सच्चाई की गहराई में जाने की यात्रा है। यह कथाओं को तोड़ने, नजरिए को चुनौती देने और ऐसी कहानियां बनाने के बारे में है, जो मानवीय चेतना के मूल को हिला देती है। बता दें कि साझा की गई तस्वीरें 'द दिल्ली फाइल्स' शूटिंग सेट से ली गई, जिसमें विवेक रंजन अग्निहोत्री निर्देशन करते नजर आ रहे हैं। गंभीर मुद्दों पर शानदार फिल्मों का निर्माण करने वाले अग्निहोत्री का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी वैचारिक पोस्ट से भरा पड़ा है। वह कभी फिल्म की कहानी को लेकर तो कभी सेट से तस्वीरें साझा कर दर्शकों के साथ रूबरू होते रहते हैं। हाल ही में अग्निहोत्री ने अपनी आगामी 'द दिल्ली फाइल्स' के सेट से तस्वीरें साझा कर बताया था कि फिल्म का 'हर सीन दर्द और सच्चाई को बेहतर तरीके से पर्दे पर उतारता है'।

'द दिल्ली फाइल्स' की शूटिंग में व्यस्त निर्देशक ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर लिखा था, हर शॉट, हर सीन दर्द, गुस्से और सच्चाई की कहानी कहता है। 'द दिल्ली फाइल्स' जल्द आ रहा है, उसके लिए तैयार रहें। अग्निहोत्री ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें विवेकानंद की तस्वीर के साथ कुछ जली हुई किताबें और अखबार भी नजर आई थी।

पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा था, '' 'द दिल्ली फाइल्स' अपडेट बंगाल की असली कहानी, बंगालियों की जुबानी, पिछले छह महीनों से मैं अलग-अलग शहरों और गांवों में घूम रहा हूं, लोगों से बातचीत कर रहा हूं। स्थानीय संस्कृति और इतिहास को लेकर रिसर्च कर रहा हूं। अपनी अगली फिल्म के लिए बंगाल के हिंसक इतिहास के मूल कारण को समझने की कोशिश कर रहा हूं।'' 'द दिल्ली फाइल्स' का निर्देशन विवेक रंजन अग्निहोत्री और निर्माण अभिषेक अग्रवाल व विवेक मिलकर कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है।

मुंबई में 'दिल लुमिनाटी' का जादू चलाने को तैयार दिलजीत दोसांझ, बोले- 'शो बंद करके तो देखो'

देश के कई हिस्सों में अपने लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट 'दिल लुमिनाटी' के साथ धमाल मचाने वाले गायक दिलजीत दोसांझ गुरुवार को मुंबई में प्रस्तुति देने के लिए तैयार हैं। दिलजीत ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह प्राइवेट जेट के अंदर टीम के साथ आनंद भरे पल बिताते नजर आए। दोसांझ सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं और अक्सर अनोखे और मजेदार पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा करते रहते हैं। हाल ही में साझा किए कश्मीर वाले वीडियो के बाद गायक-अभिनेता ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह अपनी टीम के साथ एक प्राइवेट जेट के अंदर गाते और नाचते नजर आए।

उन्होंने इंग्लिश और पंजाबी में कैप्शन देते हुए लिखा, कल मुंबई महालक्ष्मी रेस कोर्स। बंद करो बंद करो कारा देया गे तू देख सही, दिल-लुमिनाटी 2024। (शो बंद कराके तो देखो)।

हाल ही में 'धरती के स्वर्ग' कश्मीर की वादियों में खूबसूरत समय बिताते हुए दिलजीत दोसांझ ने एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वह डल झील पर शिकारा की सवारी पर निकले थे। वीडियो में दोसांझा 'डल स्टार' (नाविक) के साथ मजेदार अंदाज में गुफ्तगू करते नजर आए थे।दोसांझ ने वीडियो साझा कर कैप्शन में लिखा था, डल झील स्टार मुश्ताक भाई का कहवा और अदनान भाई का रबाब (म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट) शानदार! क्लिप में दोसांझ शिकारा (लकड़ी की नाव) पर कंबल ओढ़कर आराम फरमाते तो उनके पास बैठा एक शख्स रबाब बजाता देखा जा सकता है । वीडियो में एक स्थानीय चाय विक्रेता नाव से दोसांझ के पास आता है और एक खास अंदाज में उन्हें कहवा पिलाता है। बातचीत के दौरान चाय वाले ने कहा, साब जी आप ग्लोबल स्टार हो और मैं डल स्टार हूं। ये खास कहवा है।

सिंपल साड़ी में सुरभि ज्योति ने की शेयर की फोटोशूट

टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति हाल ही में शादी के बंधन में बंधी है। इसी बीच लगातार वो अपनी खूबसूरत और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कर अक्सर फैंस को अपने हुस्न का दीवाना बनाती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने भले ही थोड़े टाइम के लिए काम से ब्रेक ले रखा है, लेकिन आए दिन अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस को इस कदर दीवाना बनाती है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ एन्जॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस भले ही कुछ दिनों से एक्टिंग इंडस्ट्री से दूर हैं, लेकिन आए दिन अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को ट्रीट देती रहती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सुरभि ने लैवेंडर कलर की सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसके साथ उन्होंने स्लीवलेस ब्लाउज कैरी किया है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही गॉर्जियस नजर आ रही हैं।बताते चलें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- बेला की याद आ गई। दरअसल, सुरभि ज्योति ने नागिन शो किया था, जिसमें उन्होंने बेला का किरदार निभाया था। इसलिए आज भी लोग उन्हें बेला कहकर पुकारते हैं।वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- कितनी सुंदर लग रही हैं आप। तीसरे यूजर ने लिखा है- यू आर लुकिंग सो ब्यूटिफुल।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। अपने बॉस को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। सहकर्मी आपको काफ़ी सहयोग देंगे और कार्यक्षेत्र में विश्वास की नींव पर नए रिश्तों की शुरुआत होगी। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर–ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आज प्यार की मदहोशी में हक़ीक़त और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे। इसे महसूस करें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दु:ख के भागीदार बनें दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी।
आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा ख़रीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और ख़ुशी भी। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 21 दिसंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी दोपहर 12:24 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी उत्तर रात्रि 06:14 तक
योग : प्रीति सायं 06:21 तक
करण : वणिज दोपहर 12:24 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:41 , सूर्यास्त 05:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 05:58 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:30, सूर्यास्त 05:50 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 05:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30 दिशाशूल : पूर्व दिशा उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : रवि उत्तरायण दोपहर 02:50 से , पुण्यकाल दोपहर 02:50 से सूर्यास्त , भद्रा दोपहर 12:22 से रात्रि 01:23 तक, धनुर्मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एलपीजी ट्रक और सीएनजी टैंकर की टक्कर से हुआ विस्फोट

11 लोगों जिंदा जल गए, दो दर्जन से अधिक जख्मी

जयपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में शुक्रवार सुबह पेट्रोल पंप के बाहर ट्रक और टैंकर की टक्कर के बाद लगी भीषण आग में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार जयपुर–अजमेर हाईवे पर एक ट्रक के दूसरे ट्रक से टकराने के बाद आग लग गई। आग जल्द ही शहर के भांकरोटा इलाके में मौजूद पेट्रोल पंप तक फैल गई। शुरुआती जांच के मुताबिक, जिस ट्रक ने दूसरे वाहनों को टक्कर मारी, उसमें केमिकल भरा हुआ था। आग लगने की सूचना मिलने पर 20 दमकल गाड़ियां आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घायलों को जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती कराया है।

40 वाहन जल कर खाक हो गए

जयपुर डीएम जितेंद्र सोनी ने कहा कि घटना में 11 लोगों की मौत हो गई है। करीब 40 वाहन आग की चपेट में आ गए। फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस ने मौके पर पहुंच कर राहत और बचाव का काम किया। काफी मशक्क के बाद आग पर काबू पाया जा सका। घटना में दो दर्जन लोग घायल हुए हैं। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ दीपक माहेश्वरी ने कहा कि घटना में 11 लोगों की मौत हो गई है। 24–25 लोगों को आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी पीड़ितों से मिलने अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा, जयपुर–अजमेर हाईवे पर गैस टैंकर में आग लगने की घटना में नागरिकों के हताहत होने का दुःखद समाचार सुनकर मन अत्यंत व्यथित है। घटना की सूचना मिलते ही एसएमएस अस्पताल जाकर चिकित्सकों को तत्काल आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं घायलों की समुचित देखभाल हेतु निर्देशित किया। प्रशासन द्वारा बचाव कार्य निरंतर जारी है। स्थानीय प्रशासन और आपातकालीन सेवाएं पूरी तत्परता से कार्यरत हैं। प्रभु से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने परम धाम में स्थान, शोक संतप्त परिवारजनों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति व घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खिमसर ने कहा कि हमारे गंभीर बर्न वार्ड में करीब 5 बेड बचे हैं। हमने 40 बेड का एक और वार्ड तैयार किया है। पुलिस और प्रशासन की टीम वहां सक्रिय है। घायलों को एसएमएस अस्पताल लाने के लिए यातायात गलियारा पूरी तरह से खोल दिया गया है। पुलिस और प्रशासन के अनुसार, अधिकतम लोग पहले ही अस्पताल पहुंच चुके हैं।

एलपीजी कंटेनर में विस्फोट बहुत बड़ा था। हमें नहीं पता कि पेट्रोल पंप में आग लगी या नहीं। इस विनाशकारी घटना के बाद आपातकालीन दल द्वारा काम किए जाने के कारण हाईवे पर ट्रैफिक रोक दिया गया है। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और लोगों को दूसरे रास्ते से जाने की सलाह दी है। अधिकारियों ने बताया कि हाईवे के नीचे से गुजर रही एलपीजी गैस पाइपलाइन को तुरंत बंद कराया गया ताकि आग को और फैलने से रोका जा सके। अधिकारी दुर्घटना के कारण और उससे जुड़ी परिस्थितियों की जांच जारी रखे हुए हैं।

नीमराना–घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान के ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा : भजनलाल

नीमराना,20 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित हुई राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट प्रदेश की अर्थव्यवस्था और चहुंमुखी विकास में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू हुए हैं। साथ ही, राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेशवासियों को एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी है, जिससे राजस्थान के विकास को गति मिलेगी।

शर्मा शुक्रवार को नीमराना के जापानी जोन में स्थित डाइकिन कम्पनी के सभागार में औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नीमराना व घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान की अर्थव्यवस्था में ग्रोथ इंजन साबित हो रहे हैं। देश के पहले जापानी जोन नीमराना में 51 जापानी कम्पनियां स्थापित है। जिनके माध्यम से करीब 27 हजार से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल बिजनेस एक्सपो में 7 जापानी कम्पनियों एवं जेट्रो ने जापान पैवेलियन में हिस्सेदारी की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर विशेष जोर है। प्रक्रियाओं और नीतियों को सरल बनाया जा रहा है। हमने 10 नई नीतियां जारी की हैं।

औद्योगिक क्षेत्र नीमराना और घीलोठ में होंगे 150 करोड़ रूपये के विकास कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि जापानी कम्पनियों के राजस्थान में निवेश करने के रूझान को देखते हुए दूसरा जापानी जोन घीलोठ में स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि नीमराना और घीलोठ में करीब

नीमराना–घीलोठ में होंगे करीब 150 करोड़ के विकास कार्य

150 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्य शीघ्र प्रारम्भ किए जा रहे हैं। इसमें साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत से केसवाना औद्योगिक क्षेत्र में एनएच–48 से केसवाना औद्योगिक क्षेत्र तक 1620 मीटर सीसी सड़क के निर्माण और 90 लाख रुपये की लागत से औद्योगिक क्षेत्र नीमराना में 4500 लीटर क्षमता के दो अग्निशमन वाहनों की आपूर्ति हेतु कार्यादेश जारी हो चुके हैं।

शर्मा ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र नीमराना व घीलोठ में लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से 132 केवी जीएसएस नीमराना जनरल जोन, 132 केवी जीएसएस जापानी जोन, 220 केवी जीएसएस घीलोठ और कोलिला जोगा में 33 केवी जीएसएस की स्थापना की जाएगी। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ में करीब 19 करोड़ की लागत से एनएच–48 से औद्योगिक क्षेत्र घीलोठ तक लिंक रोड का सुदृढ़ीकरण और स्ट्रीट लाइट के कार्य करवाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास के विस्तार हेतु भी प्रदेश में 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस–वे बनाए जा रहे हैं। नीमराना में पानी की समस्या को दूर करने के लिए ईआरसीपी से पानी लाने पर भी विचार किया जा रहा है।

सरपंच पर रिश्वत मांगने का आरोप एसीबी ने दर्ज की एफआईआर

सवाई माधोपुर,20 दिसंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर जिले के खण्डार क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरनावदा के सरपंच श्री रामभरत बैरवा उर्फ भरत सूर्यवंशी के खिलाफ रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। आरोपी सरपंच ने एक परिवादी से उसके बालेर रोड स्थित प्लॉट का पट्टा बनवाने के नाम पर 50,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। बाद में यह राशि बढ़ाकर 2 लाख रुपये करने की मांग की गई।

परिवादी ने इस घटना की शिकायत एसीबी (एंटी करप्शन ब्यूरो) से की, जिसके बाद 09 सितंबर 2024 को एक सत्यापन कार्रवाई की गई। इसमें सरपंच ने रिश्वत की राशि को एक लाख अस्सी हजार रुपये तक कम करने पर सहमति दी। इसके बाद, 28 सितंबर 2024 को जब एसीबी द्वारा ट्रेप कार्रवाई शुरू की गई, तो सरपंच को इसकी भनक लग गई, और वह मौके से फरार हो गया।

इस मामले पर एसीबी ने तुरंत एफआईआर दर्ज की और जांच शुरू कर दी। यह घटना सार्वजनिक जीवन में बढ़ती भ्रष्टाचार की ओर एक और गंभीर संकेत है, जिसमें जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग अपनी ताकत का गलत उपयोग कर रहे हैं।

सरकारी भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा, डमी अभ्यर्थी गिरफ्तार

जोधपुर,20 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकारी भर्ती परीक्षा में धोखाधड़ी की एक बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। ग्राम विकास अधिकारी (ग्राम सेवक) भर्ती परीक्षा 2016 में डमी अभ्यर्थी के रूप में बैठकर नौकरी हासिल करने वाले गोपाल ढाका को जोधपुर से गिरफ्तार किया गया है। इस गिरफ्तारी ने सरकारी भर्तियों में हो रहे फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया है।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस एवं एसओजी, वी.के. सिंह ने जानकारी दी कि आरोपी गोपाल ढाका एक द्वितीय ग्रेड शिक्षक के पद पर कार्यरत था और उसने ग्राम सेवक की नौकरी प्राप्त करने के लिए कूटरचित दस्तावेज़ तैयार किए थे। आरोपी ने ग्राम सेवक के पद के लिए परीक्षा में भाग लेने के लिए एक डमी अभ्यर्थी को अपनी जगह बैठा दिया था। इस पूरे मामले में मुख्य आरोपी लाडूराम विश्नोई था, जो इस धोखाधड़ी के जरिए सरकारी नौकरी पाने में सफल हुआ था।

परिवादी जयकिशन द्वारा 11 दिसंबर 2023 को दिए गए बयान में खुलासा किया गया कि लाडूराम ने अपनी जगह गोपाल ढाका को परीक्षा में बैठा दिया था। इस मामले की जांच के दौरान एसओजी ने जयपुर स्थित कर्मचारी चयन आयोग से अभ्यर्थी लाडूराम विश्नोई का ऑनलाईन आवेदन पत्र, प्रोविजनल प्रवेश पत्र और अन्य संबंधित दस्तावेज़ मंगवाए थे। जांच में पाया गया कि प्रवेश पत्र और आवेदन पत्र में जो फोटो और हस्ताक्षर थे, वे लाडूराम के नहीं थे। इसके बाद यह स्पष्ट हो गया कि लाडूराम ने फर्जी तरीके से डमी अभ्यर्थी का इस्तेमाल किया था।

इसके बाद, थाना एसओजी में 30 जुलाई 2024 को एक प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसमें गोपाल ढाका, लाडूराम और अन्य अनाम आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, कूटरचित दस्तावेज़ तैयार करने और राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का प्रयोग) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। 19 दिसंबर 2024 को गोपाल ढाका को गिरफ्तार कर लिया गया और उसे 28 दिसंबर 2024 तक पीसी रिमांड पर भेजा गया। गिरफ्तारी के बाद, एसओजी अब यह जांच कर रही है कि गोपाल ढाका और लाडूराम जैसे आरोपी अन्य सरकारी परीक्षाओं में भी डमी अभ्यर्थियों के रूप में बैठे थे या नहीं।

82 किलो 710 ग्राम डोडा पोस्त, अफीम सहित आरोपी दुकानदार गिरफ्तार

झालावाड़,20 दिसंबर (एजेंसियां)। झालावाड़ में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध जिले की स्पेशल टीम एवं थाना रीको पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए किराणे की दुकान की आड़ में नशे का कारोबार कर रहे आरोपी दमा राम जाट पुत्र देराज राम निवासी शेरपुरा लीलसर थाना चौहटन को गिरफ्तार किया है। दबिश के दौरान आरोपी की दुकान से पुलिस ने 20 लाख रुपए कीमत का 82 किलो 710 ग्राम डोडा पोस्त एवं एक किलो 450 ग्राम अफीम जब्त की गई है।

एसपी नरेन्द्र सिंह मीना ने जानकारी देते हुए बताया कि आईजी जोधपुर रेंज के निर्देशानुसार मादक पदार्थो की जब्ती व अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए जिला स्पेशल टीम व समस्त थानाधिकारियों को निर्देश दिये गये। जिनके द्वारा शहर बाड़मेर व आस पास के क्षेत्रों त्मे मादक पदार्थ रखने व बेचने वालो व तस्करों पर निरन्तर निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान डीएसटी टीम को सूचना मिली कि थाना रीको के विष्णु कॉलोनी में स्थित एक दुकान मे भारी मात्रा मे मादक पदार्थ छुपा कर रखा गया है। सूचना पर डीएसटी प्रभारी एएसआई अमीन खान एवं एसए–चओ रीको मनोज सामरिया के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा आरोपी दमाराम जाट की किराणे की दुकान मे दबिश देकर तलाशी ली गई।

कोयले में मिलावट कर धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़,20 दिसंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ में वण्डर सीमेंट फेक्ट्री मे आने वाले विदेश से आयातित कोयले मे मिलावट कर 41 लाख 90 हजार रूपये की धोखाधडी करने के मामले में आरोपी राणा प्रतिपाल सिंह पुत्र जगदीश सिंह निवासी थानगढ़ को कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने गुजरात के सुरेन्द्र नगर जिले में थानगढ़ स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया है। एसपी सुधीर जोशी के अनुसार 08 जुलाई को प्रमोद कुमार चौधरी उर्फ प्रभुराम निवासी पूजानगर निम्बाहेडा ने रिपोर्ट देकर बताया कि सामा इन्टरप्राईजेज कस्बा थानगढ़ जिला सुरेन्द्रनगर गुजरात के मालिक ईस्माईल भाई व प्रतिनिधि प्रतिपाल सिंह ने काण्डला बदंरगाह मे इम्पोर्ट विदेशी कोयले में निम्न गुणवता का कोयला मिक्स कर उनकी कम्पनी ओमश्री कार्गो निम्बाहेडा को आर्थिक नुकसान पहुंचा साख गिराने का काम किया। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के निधन पर नायब सिंह सैनी ने जताया शोक

चंडीगढ़,20 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व मुख्यमंत्री और इनेलो के वरिष्ठ नेता चौ. ओम प्रकाश चौटाला के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि ओपी चौटाला के निधन से हरियाणा की राजनीति के एक अध्याय का अंत हो गया है। उनकी कमी को पूरा कर पाना मुश्किल है। हरियाणा की राजनीति में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चौटाला का व्यक्तित्व सादगी और संघर्ष का प्रतीक था। वे एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने ग्रामीण विकास, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कई योजनाएं चलाईं। उनके निधन से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे प्रदेश को गहरा आघात लगा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य और संबल दें। उल्लेखनीय है कि चौटाला 1989 में पहली बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने थे। वे पाँच बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे। चौटाला का शुक्रवार को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने गुरुग्राम में अंतिम सांस ली।

नूंह पुलिस ने 11 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया

नूंह,20 दिसंबर (एजेंसियां)। नूंह पुलिस ने एक विशेष अभियान के तहत 11 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन ठगों के खिलाफ आठ अलग–अलग मुकदमे दर्ज किए हैं। इनके पास से 12 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जबकि 15 फर्जी सिम कार्ड भी मिले हैं। जानकारी के अनुसार, ये आरोपी सोशल मीडिया पर विज्ञापन डालकर लोगों को झांसा देते थे और उनसे ठगी करते थे।

नूंह डीएसपी सुरेंद्र किन्हा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी दी। डीसीपी ने बताया कि नूंह पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर साइबर अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत पुलिस की टीमों ने जिले में अलग–अलग जगहों से 11 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया।उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनके कब्जे से 12 मोबाइल और 15 फर्जी सिम कार्ड बरामद किए हैं। ये अपराधी सोशल मीडिया के अलग–अलग प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन पोस्ट करके लोगों को झांसा देते थे और उनसे ठगी करते थे।

4652 नशा तस्करों को पहुंचाया सलाखों के पीछे

चंडीगढ़,20 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस प्रदेश में नशे के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत नित नए आयाम स्थापित कर रही है। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो तथा जिला पुलिस द्वारा प्रदेश में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत उनका नेक्सस तोड़ने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में हरियाणा पुलिस द्वारा 1 जनवरी 2024 से 30 नवंबर 2024 तक प्रदेश में नशा तस्करों के खिलाफ 3051 मुकदमे दर्ज करते हुए 4652 आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है। इसके साथ ही आदतन अपराधियों पर सख्ती करते हुए पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत वर्ष–2024 में 63 नशा तस्करों के खिलाफ निवारक निरोध की कार्यवाही की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये अपराधी दोबारा नशा तस्करी से ना जुड़े।

पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बताया कि हरियाणा पुलिस द्वारा नशे की सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष–2023 में हरियाणा पुलिस द्वारा कमर्शियल क्वांटिटी के 326 मुकदमे दर्ज किए गए थे जबकि वर्ष–2024 में 411 मुकदमे दर्ज किए गए हैं जिनमें 841 बड़े नशा तस्करों पर कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि नशा तस्करी संबंधी बड़े मामलों में तेजी लाने के लिए फॉरेंसिक साइंस लैब से रिपोर्ट आने की समय सीमा को घटाकर 15 दिन किया गया है जिससे न केवल ट्रायल में तेजी आएगी बल्कि सजा की दर बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

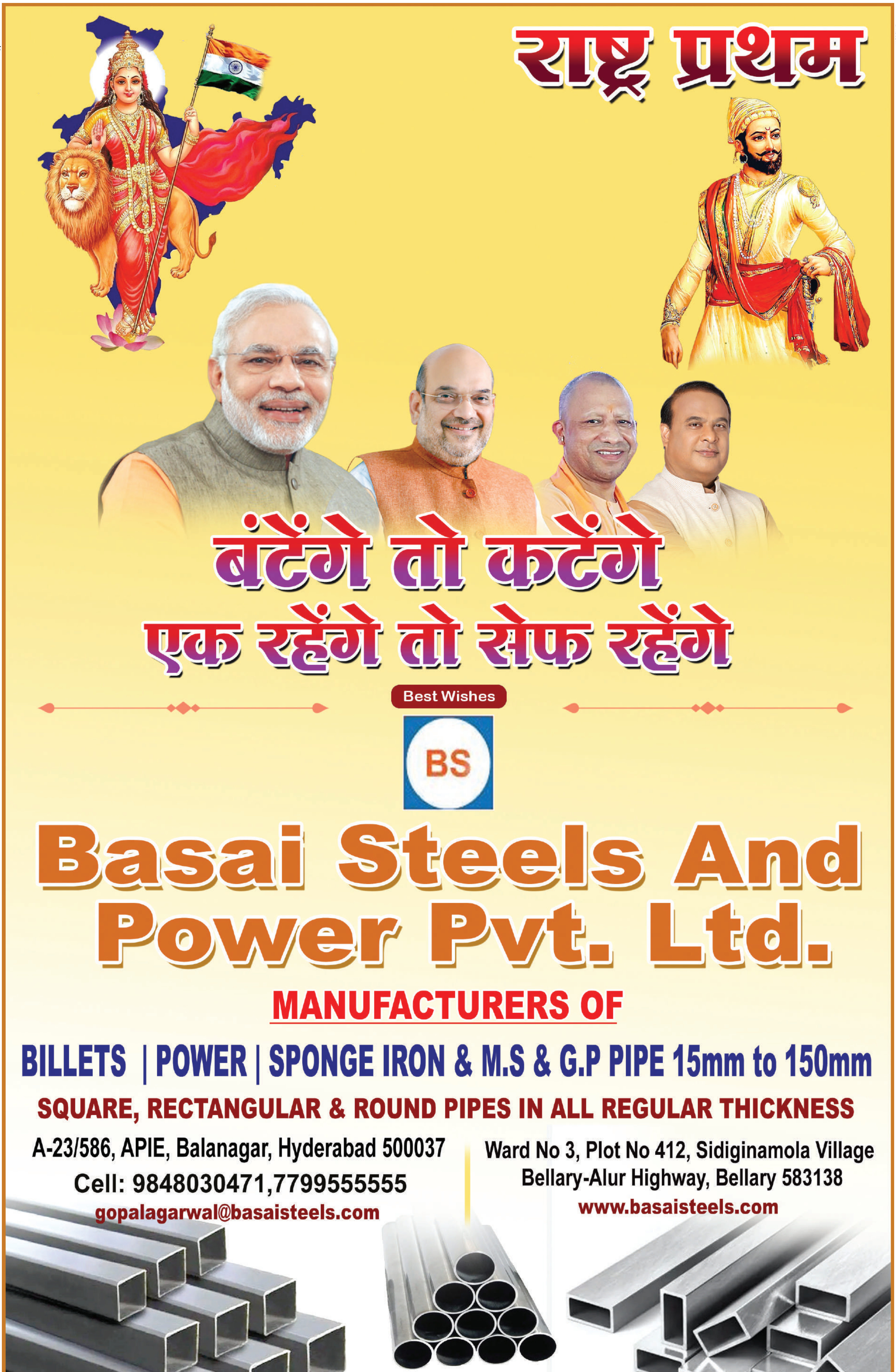

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.